राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHI/2011/38334 | वर्ष: 11 | अंक: 196 | पृष्ठ : 08, | नई दिल्ली, शुक्रवार, 28 जनवरी 2022 | मूल्य: 1.50/-

दिल्ली में वीकेंड कर्फ्यू हटा

दुकानों के लिए लागू ऑड-ईवन भी खत्म,50% क्षमता के साथ खुलेंगे सिनेमाहॉल,शादी समारोह में भी ढील

नई दिल्ली/ एजेंसी।

दिल्ली में कोरोना नियमों को लेकर हुई डीडीएमए की समीक्षा बैठक में वीकेंड कर्फ्यू, बाजारों के लिए ऑड-ईवन नियम खत्म करने का निर्णय लिया गया है। बैठक में मौजूद सूत्रों के हवाले से ये भी खबर है कि दिल्ली में वीकेंड कर्फ्यू तो खत्म कर दिया गया है लेकिन नाइट कर्फ्यू जारी रहेगा। दिल्ली में लगातार घटते कोरोना के मामले और कम होती संक्रमण दर को ध्यान में रखते हुए दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की बैठक में ये फैसले लिए गए हैं जिनका जल्द ही औपचारिक एलान हो जाएगा। डीडीएमए की इस बैठक की अध्यक्षता दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने की।

कमजोर वर्गों पर विशेष ध्यान

उपराज्यपाल अनिल बैजल ने स्वास्थ्य विभाग को कमजोर वर्गों पर विशेष ध्यान देने के साथ टीकाकरण कवरेज बढ़ाने और अस्पताल में भर्ती मरीजों का आवश्यक महामारी विज्ञान विश्लेषण करने की सलाह दी उन्होंने सभी एजेंसियों पर कोविड उचित व्यवहार को सख्ती से लागू करने को सुनिश्चित करने और निगरानी को कम किए बिना सतर्क रहने पर जोर दिया।

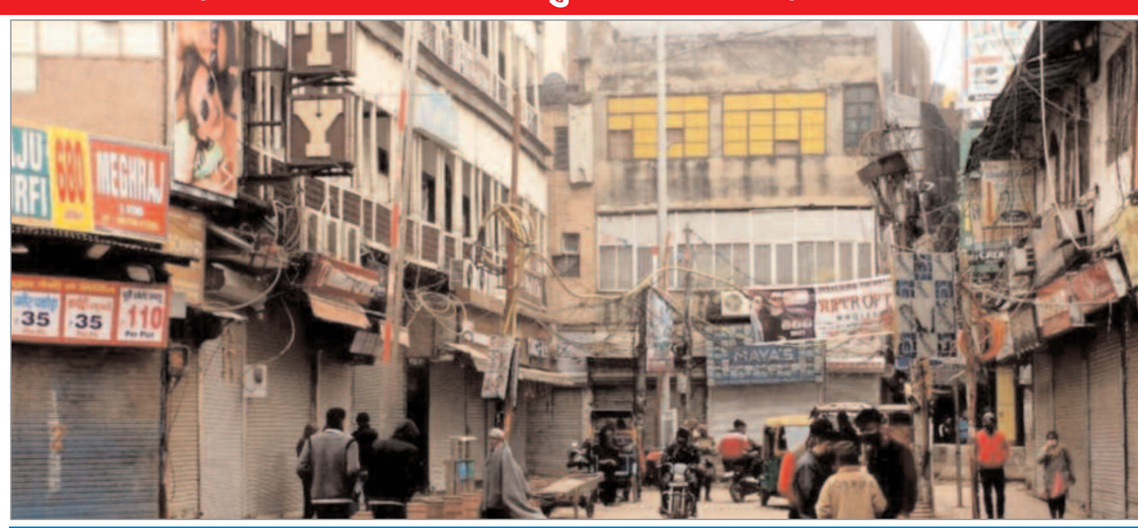

बैठक में इन नियमों में ढील देने की है सूचना

- स्कूल व अन्य शिक्षण संस्थान अभी बंद रहेंगे, इन पर डीडीएमए की अगली बैठक में होगा फैसला।
- नाइट कर्फ्यू रहेगा बरकरार। ऑड-ईवन नियम खत्म होंगे।
- शादी समारोह में भी 200 लोगों के शामिल होने पर छूट मिलेगी। अभी सिर्फ 15 लोगों के शामिल होने की अनुमति है।
- बार और रेस्टोरेंट 50 प्रतिशत सीट क्षमता के साथ खुल सकेंगे।
- 50 प्रतिशत क्षमता के साथ सिनेमा हॉल खुलेंगे। अभी सिनेमा हॉल पूरी तरह से बंद हैं।
- दिल्ली के सरकारी ऑफिस 50 प्रतिशत क्षमता के साथ खुलेंगे
- कोविड संबंधी नियमों का पालन करना जरूरी रहेगा। नियमों को सख्ती से लागू करवाया जाएगा।

बैठक में वीकेंड कर्फ्यू हटाने के साथ- साथ ऑड-ईवन नियम के बिना बाजार खोलने की इजाजत दी गई।

यूपी चुनाव 2022: लुभावने वादों के साथ आम आदमी पार्टी ने जारी किया घोषणा पत्र, नाम दिया 'आप का गारंटी पत्र'

लखनऊ। आम आदमी पार्टी (आप) ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का रण जीतने के लिए राज्य की जनता से कई लुभावने वादे किए हैं। गुरुवार को आप के यूपी प्रभारी व राज्य सभा सदस्य संजय सिंह ने घोषणा पत्र जारी किया। आप के इस गारंटी पत्र में सपा की तरह ही कर्मचारियों को लुभाने के लिए पुरानी पेंशन बहाली का वादा किया गया है। सरकार बनने पर आउटसोर्सिंग व संविदा कर्मियों को नियमित किया जाएगा। राजधानी में पार्टी के प्रदेश कार्यालय में उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि आप की सरकार बनते ही भ्रष्टाचार पर मजबूती से नकेल कसने के लिए लोकपाल बिल लागू किया जाएगा। आप के घोषणा पत्र में दिल्ली की तरह ही यूपी में भी घरेलू उपभोक्ताओं को 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने, 24 घंटे बिजली देने, किसानों को मुफ्त बिजली और पुराने बिल माफ करने का वादा किया गया है। किसानों के पुराने कर्ज माफ होंगे और उनकी उपज का भुगतान 24 घंटे में करेंगे। एमएसपी की गारंटी देंगे। युवाओं को हर साल 10 लाख नौकरियां देने, बेरोजगारों को हर महीने पांच हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता देने और 18 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को प्रति माह एक हजार रुपये भत्ता दिया जाएगा। महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा मिलेगी। यूपी के बजट का 25 प्रतिशत हिस्सा शिक्षा पर खर्च किया जाएगा। दलित वोट बैंक को साधने के लिए स्कूलों में बाबा साहेब आंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान पढ़ाने का वादा किया है। संजय सिंह ने कहा कि हम प्राइवेट स्कूलों से बेहतर सरकारी स्कूलों को बनाएंगे। दिल्ली की तरह ही यूपी में भी प्राइवेट स्कूलों की मनमानी फीस पर ब्रेक लगाएंगे। संजय सिंह ने कहा कि चिटफंड घोटाला यूपी में बहुत बड़ा घोटाला है। इसके पीड़ितों को विशेष योजना बनाकर नुकसान की भरपाई करेंगे। भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं है। वह हिंदुओं व मुस्लिमों को आपस में लड़ाने के फिराक में है। किसान गन्ना-गन्ना बोल रहा है और भाजपा जिन्ना-जिन्ना। भाजपा के किसानों का अपमान किया है।

घोषणा पत्र में खास-खास

सेना के जवान व पुलिस के शहीद होने पर एक करोड़ रुपये की धनराशि व एक आश्रित को सरकारी नौकरी दी जाएगी।

कोरोना वारियर्स की मृत्यु होने पर एक करोड़ रुपये दिए जाएंगे।

युवा अधिवक्ता को तीन साल तक हर महीने पांच हजार रुपये की सहायता राशि, वकीलों को चैंबर बनाने में आर्थिक मदद और 10 लाख रुपये का बीमा कराया जाएगा।

गांव व मोहल्लों में सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

दिल्ली की तर्ज पर डोर टू डोर राशन बांटने की व्यवस्था लागू होगी।

मोहल्ला व गांव में क्लीनिक खोली जाएगी।

जहां झुग्गी वहां आवास योजना लागू होगी।

वृद्धजन को मुफ्त तीर्थयात्रा योजना।

वन एवं पर्यावरण सुधार पर जोर।

सुप्रीम कोर्ट सोमवार को करेगा फ्यूचर समूह की एनपीए याचिका पर सुनवाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय करीब 3500 करोड़ रुपए के डिफॉल्ट मामले में फ्यूचर समूह की याचिका पर शीघ्र सुनवाई के लिए गुरुवार सहमत हो गई। मामले की अगली सुनवाई सोमवार की जाएगी।

'फ्यूचर समूह' ने शीर्ष अदालत में दायर अपनी याचिका में कहा है कि ऋणदाता कंपनियों की उस कार्रवाई पर रोक लगाने के निर्देश संबंधित पक्षों को दिया जाएं, जिसमें उसे (फ्यूचर समूह) को गैर-निष्पादित संपत्ति (एनपीए) घोषित करने की कथित कार्रवाई की जा रही है। मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमना, न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने फ्यूचर समूह का पक्ष रख रहे वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी की शीघ्र सुनवाई की मांग को लेकर दी गई संक्षिप्त दलीलें सुनने के बाद इस मामले को 31 जनवरी को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया।

तीन साल में भारत-मध्य एशिया कनेक्टिविटी को मजबूत बनायें :मोदी

नई दिल्ली/ एजेंसी।

भारत ने मध्य एशियाई देशों के साथ आपसी सहयोग को क्षेत्रीय सुरक्षा और समृद्धि के लिए अनिवार्य बताते हुए आज कहा कि अगले तीन वर्षों में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत करके सहयोग बढ़ाने का एक महत्वाकांक्षी रोडमैप तैयार किया जाना जरूरी है।

मोदी ने आज यहां वर्चुअल माध्यम से आयोजित प्रथम भारत-मध्य एशिया शिखर बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही।

बैठक में कज़ाखस्तान के राष्ट्रपति कासिम-जोमार्त तोकायेव, किर्गीज गणराज्य के राष्ट्रपति सदीर जापारोव, उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शवकत मिर्जियोयेव, ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमोमाली रहमोन, तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति गुरबांगुली बर्दीमुहामदो शामिल हुए।

69 साल बादएअर इंडिया की घर वापसी

नई दिल्ली/ एजेंसी।

1.2 लाख करोड़ रुपए की देश की एविएशन इंडस्ट्री के लिए इस साल बड़ा बदलाव हुआ है। सरकारी कंपनी एअर इंडिया 27 जनवरी 2022 से प्राइवेट हो गई है। टाटा संस ने आधिकारिक तौर पर एअर इंडिया को टेकओवर कर लिया है। इसके बाद टाटा देश की दूसरी बड़ी एयरलाइन बन गई है। एअर इंडिया के हैंडओवर से पहले टाटा संस के चेयरमैन PM नरेंद्र मोदी से मिले।

सोशल मीडिया पर दी जानकारी

विनिवेश विभाग के सचिव ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी। इसमें उन्होंने कहा कि एअर इंडिया को टेकओवर करने की प्रक्रिया आज पूरी कर ली गई है और यह डील अब बंद हो चुकी है। इसका पूरा शेयर टैलेस प्राइवेट लिमिटेड को ट्रांसफर किया जा चुका है। इसके बाद चंद्रशेखरन ने कहा कि हम इस डील से काफी खुश हैं कि एअर इंडिया टाटा ग्रुप के पास आ गई है। हम अब एक वर्ल्ड क्लास की एयरलाइंस बनाने के लिए काम करेंगे।

मेरी पहली फ्लाइट एअर इंडिया की थी- चंद्रशेखरन

टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने एक चिट्ठी लिखी जिसमें कहा कि एअर इंडिया की जिस दिन से टाटा को दिए जाने की घोषणा हुई है, घरवापसी यह शब्द सभी की जुबान पर था। हम एअर इंडिया का टाटा परिवार में आने पर स्वागत करते हैं।

हमारी पहली फ्लाइट एअर इंडिया ही थी जिसमें मैंने दिसंबर 1986 में यात्रा की थी।

मैं उस दिन को कभी नहीं भूल सकता। पर अब समय आगे देखने का आ गया है। मैं अपने परिवार में आपका स्वागत करते हुए टाटा ग्रुप की तरफ से यह चिट्ठी लिख रहा हूं। आज एक नए अध्याय की शुरुआत हुई है। पूरा देश हमारी ओर देख रहा है।

जयंत चौधरी के चुनावी कार्यक्रम में पत्रकारों संग हाथापाई

मुज़फ्फरनगर। जयंत चौधरी के चुनावी कार्यक्रम में पत्रकारों संग बदतमीजी का मामला सामने आया है। कार्यकर्ताओं द्वारा हाथापाई की गई, अभद्र भाषा का इस्तेमाल हुआ और जमकर बवाल काटा गया।

यूपी चुनाव की तैयारी में जुटे आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी आज मुज़फ्फरनगर पहुंचे थे। वहां पर वृन्दावन गार्डन में उनकी एक सभा थी। लेकिन उस कार्यक्रम में पत्रकारों संग बदसलूकी की गई है, अभद्र भाषा का प्रयोग हुआ है और कार्यकर्ताओं द्वारा हाथापाई तक की गई है।

अब किस वजह से बवाल काटा गया, अभी ये सामने नहीं आया है लेकिन इस पूरे विवाद के दौरान मंच पर जयंत चौधरी मूकदर्शक बन बैठे रहे। उनके कार्यकर्ता पत्रकारों संग बदतमीजी करते रहे, लेकिन आरएलडी प्रमुख ने एक बार भी उसका विरोध नहीं किया।

अभी इस समय यूपी की राजनीति में जयंत चौधरी चर्चा का विषय बने हुए हैं। पश्चिमी यूपी में चुनाव हैं, लिहाजा जाट वोटों को अपनी तरफ करने के लिए उनका सहारा लिया जा रहा है। सपा ने तो औपचारिक तौर पर गठबंधन कर ही रखा है, बीजेपी भी बीच-बीच में उन्हें अपने पाले में करने की कोशिश कर रही है। बुधवार को जाटों संग बैठक के दौरान अमित शाह कह चुके हैं कि जयंत चौधरी ने गलत घर चुन लिया है।

कृषि लाभप्रद हो व किसानों के जीवन स्तर में बदलाव आए :तोमर

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने गुरुवार को कहा कि हमारा उद्देश्य एक ही है कि कृषि उन्नत और लाभप्रद हो, उत्पादकता बढ़े व किसानों के जीवन स्तर में बदलाव आएं, जिसके लिए नई ईजाद किस्मों का उपयोग भी राज्यों को योजनाबद्ध तरीके से करना चाहिए।

ग्रीष्मकालीन अभियान के लिए राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन श्री तोमर की अध्यक्षता में हुआ। इसमें श्री तोमर ने कहा कि ग्रीष्मकालीन फसलें न केवल अतिरिक्त आय प्रदान करती हैं बल्कि रबी से खरीफ तक किसानों के लिए रोजगार के अवसर सृजित करती हैं और फसल की तीव्रता में भी वृद्धि होती है। सरकार ने दलहन, तिलहन व पोषक-अनाज जैसी ग्रीष्मकालीन फसलों की खेती के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के जरिये नई पहल की है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमारे देश की विविध भौगोलिक और जलवायु परिस्थितियां है, जिन्हें ध्यान में रखते हुए ग्रीष्म ऋतु की फसलें ज्यादा से ज्यादा ली जाना चाहिए। ये किसानों को कम लागत तथा कम समय में अतिरिक्त आमदनी देने वाली होती है, राज्यों और किसानों के सहयोग से जायद फसलों का रकबा बढ़ रहा है। किसानों के सहयोग व सरकारी प्रयासों से चावल सहित जायद फसलों का रकबा 2017-18 में 29.71 लाख हेक्टेयर से 2.7 गुना बढ़कर 2020-21 में 80.46 लाख हेक्टेयर हो गया है।

श्री तोमर ने कहा कि देश में कृषि व किसान कल्याण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार प्रतिबद्ध है और राज्यों के साथ पूरी गंभीरता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहेगी। उन्होंने कहा कि गत सीजन में उर्वरकों के मामले में कुछ जगह एकाएक परिस्थितियां पैदा हुई और कुछ लोगों ने अनावश्यक तूल दिया पर केंद्र और राज्य सरकारें पहले से सजग थी, इसलिए सबने मिलकर सूझबूझ से समस्या पर नियंत्रण पाने में सफलता हासिल की।

कृषि मंत्री ने कहा कि देश को जितने फर्टिलाइजर की आवश्यकता थी, वह पूरी मात्रा केंद्र सरकार ने उपलब्ध कराने का भरपूर प्रयत्न किया है, आगामी सीजन के लिए भी राज्य सरकारें आवश्यक कार्यवाही कर एडवांस में पर्याप्त उर्वरक ले लें। किसानों को फर्टिलाइजर की कोई चिंता करने की जरूरत नहीं है। सम्मेलन में उर्वरक सचिव यह बात स्पष्ट कर चुके हैं।

सपा के मुफ्त बिजली के वादे पर मथुरा में अमित शाह ने साधा निशाना

गृह मंत्री अमित शाह ने मथुरा में 'प्रभावी मतदाता संवाद' कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा

मथुरा । उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर गृह मंत्री अमित शाह ने मथुरा में 'प्रभावी मतदाता संवाद' कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान अमित शाह ने समाजवादी पार्टी के वादों पर टिप्पणी की। सपा के मुफ्त बिजली के वाद पर बीजेपी नेता ने कहा उत्तर प्रदेश में ये कहते हैं कि मुफ्त बिजली देंगे। अरे भाई अखिलेश, आप तो बिजली ही नहीं दे पाए, मुफ्त की क्या बात कर रहे हो आप। जो बिजली नहीं दे पाया, वो बिजली मुफ्त दे पाएगा क्या?

बीजेपी नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में 42 लाख लोगों को घर देने का काम नरेन्द्र मोदी सरकार ने किया है और योगी जी ने इसे नीचे तक पहुंचाया है। 2 करोड़ 54 लाख किसानों को हर साल 6 हजार रुपये प्रत्येक किसान के खाते में पहुंचाए हैं।

राहुल गांधी का ऐलान- पंजाब में सीएम चेहरे के साथ लड़ेंगे चुनाव

पंजाब। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ऐलान किया कि पंजाब में कांग्रेस CM चेहरे के साथ चुनाव लड़ेगी। जालंधर में पंजाब फतेह रैली में राहुल ने कहा कि इस बारे में पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं से पूछकर फैसला लिया जाएगा। कांग्रेस ने पिछला चुनाव भी कैप्टन अमरिंदर सिंह को CM चेहरा घोषित कर लड़ा था। हालांकि इस बार सीएम चेहरे पर पंजाब कांग्रेस के प्रधान नवजोत सिद्धू और मौजूदा सीएम चरणजीत चन्नी दावा ठोक रहे हैं।

राहुल ने कहा कि अगर पंजाब जानना चाहता है तो कांग्रेस पंजाब में सीएम चेहरे का ऐलान करेगी। इस बारे में वह पार्टी और कार्यकर्ताओं से बात करेंगे। राहुल ने कहा कि नवजोत सिद्धू और सीएम चरणजीत चन्नी ने मुझे कहा कि दोनों में से जो भी लीड करेगा, दूसरा उसकी पूरी मदद करेगा।

इससे मुझे बहुत खुशी हुई। कांग्रेस की इस घोषणा को आम आदमी पार्टी की सीएम चेहरे के लिए जनता से की गई रायशुमारी से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

आप ने भी जनता से पूछकर भगवंत मान को सीएम चेहरा घोषित करने का दावा किया।

पहले सिद्धू बोले- दर्शनीय घोड़ा न बना देना, फैसले लेने की ताकत देना

रैली को संबोधित करते हुए पहले नवजोत सिद्धू ने राहुल गांधी को कहा- पंजाब के लोगों के 3 सवाल हैं। वह पूछ रहे हैं कि इस कीचड़ से हमे कौन निकालेगा?। दूसरा सवाल कि वह कैसे निकालेगा?, उसके पास कौन सा एजेंडा या रोडमैप है?। सिद्धू ने तीसरा सबसे बड़ा सवाल सीएम चेहरे को लेकर पूछा। सिद्धू ने पूछा कि पंजाब जानना चाहता है कि कांग्रेस का सीएम का चेहरा कौन होगा?। अगर इसका जवाब मिला तो पंजाब में 70 सीटों के साथ कांग्रेस की सरकार बनेगी। सिद्धू ने कहा कि उन्हें दर्शनीय घोड़ा न बना देना। मुझे फैसले लेने की ताकत देना।

कोवैक्सिन और कोविशील्ड खुले बाजार में

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुरुवार को कोविड का तीसरा टीका पूरी पात्र आबादी को देने से फिलहाल इन्कार करते हुए भारत में निर्मित कोविड टीके 'कोवैक्सिन और कोविशील्ड' को सशर्त खुले बाजार में उतारने की मंजूरी दे दी।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने एक ट्वीट में इस पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि राष्ट्रीय नियामक ने दो कोविड टीकों 'कोवैक्सिन और कोविशील्ड' को सशर्त बाजार में उतारने की मंजूरी दी गयी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने एक संवादाता सम्मेलन में कहा कि टीका लगाने वाले संस्थानों को यह टीका कोविन ऐप पर पंजीकृत करना होगा और छह महीने तक निगरानी के बाद संबंधित डाटा नियामक को देना होगा। अग्रवाल ने बताया कि केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी) ने 19 जनवरी को वयस्क आबादी में शर्तों के साथ नई दवा की अनुमति देने के लिए आपातकालीन स्थितियों में प्रतिबंधित उपयोग से टीकों की सिफारिश की।

RRB-NTPC बवाल में केस दर्ज होते ही खान सर अंडरग्राउंड!

मोबाइल भी स्विच ऑफ, नोटिस भेजेगी पुलिस

पटना/एजेंसी। आरआरबी एनटीपीसी बवाल में केस दर्ज होते ही पटना के मशहूर टीचर खान सर अंडरग्राउंड हो गए हैं। उनका मोबाइल फोन स्विच ऑफ बता रहा है। पुलिस अब उन्हें नोटिस भेजेगी और पेश होने के साथ ही पूरे मामले पर जवाब मांगने की तैयारी कर रही है। छात्रों के बवाल के बाद खान सर पर मंगलवार की रात एफआईआर दर्ज की गई थी। छात्रों को भड़काने का आरोप लगाते हुए खान सर समेत कई कोचिंग संचालकों पर केस दर्ज किया गया।

पेरिस वार्ता में बनी बात

संघर्ष विराम जारी रखने पर राजी रूस-यूक्रेन

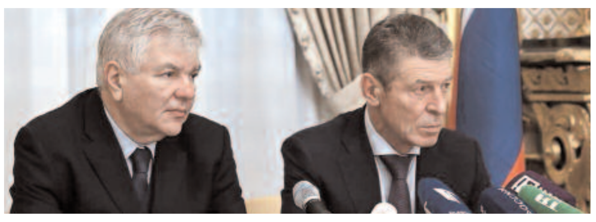

पेरिस। रूस और यूक्रेन के बीच जंग की संभावनाओं के बीच दोनों देशों की बातचीत के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। फ्रांस की राजधानी पेरिस में रूस और यूक्रेन के बीच हुई वार्ता में दोनों देश संघर्ष विराम जारी रखने पर राजी हो गए हैं। साथ ही अगले माह फिर बातचीत पर सहमति बनी है।

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता के बादल छाए हैं। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने तो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन पर व्यक्तिगत प्रतिबंध तक लगाने की चेतावनी दे दी थी। इन तनावों के बीच पेरिस से सकारात्मक खबर मिली है। फ्रांस की राजधानी पेरिस में रूस और यूक्रेन के दूतों के बीच चल रही वार्ता में दोनों देशों ने संघर्ष विराम जारी रखने का फैसला किया। साथ ही तय हुआ कि अगले महीने दोनों देशों के बीच पुनः बातचीत होगी। इस सकारात्मक सूचना के बावजूद अभी यह कहना मुश्किल माना जा रहा है कि अमेरिका व उसके सहयोगी नाटो देशों और रूस के बीच तनाव घटाने में यह वार्ता कितनी मददगार साबित होगी। रूस व यूक्रेन के दूतों के बीच हुई बैठक में फ्रांस के प्रतिनिधि ने भी हिस्सा लिया था।

कराची में पुलिस और प्रदर्शनकारियों में झड़प, एक की मौत

कराची। पाकिस्तान के कराची में स्थानीय महापौरों की शक्तियों को सीमित करने से जुड़े एक कानून का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों की बुधवार रात पुलिस से हिंसक झड़प हो गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि झड़प में एक प्रदर्शनकारी मारा गया, जबकि दर्जनों अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, कराची में जारी विरोध-प्रदर्शन उस वक्त हिंसक हो गया, जब पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को सरकारी दफ्तरों की तरफ कूच करने से रोकने के लिए उन पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। राजनीतिक दलों ने पुलिस की इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की है।

मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम) के नेताओं ने संवाददाताओं को बताया कि पुलिस की कार्रवाई में घायल पार्टी कार्यकर्ता मोहम्मद असलम की अस्पताल में मौत हो गई।

अमेरिका में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश पद की दौड़ में तीन जज

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन देश की सर्वोच्च अदालत में पहली अश्वेत महिला न्यायाधीश की नियुक्ति करने के अपने चुनावी वादे पर अमल के लिए तैयार हैं। उच्चतम न्यायालय में संभावित एक रिक्ति को भरने के लिए वह कम से कम तीन अ श्वेत महिला न्यायाधीशों के नामों पर विचार कर रहे हैं। बाइडन के करीबी सहयोगियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

व्हाइट हाउस के चार अधिकारियों ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया, 'न्यायमूर्ति स्टीफन ब्रेयर उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश पद से सेवानिवृत्त होने की तैयारी कर रहे हैं। उनके उत्तराधिकारी के चयन के लिए जारी शुरुआती चर्चा सर्किट जज केटंजी ब्राउन जैक्सन, डिस्ट्रिक्ट जज जे मिशेल चाइल्ड्स और कैलिफोर्निया के उच्चतम न्यायालय की न्यायमूर्ति लियोनंड्रा क्रूगर पर केंद्रित है। जैक्सन और क्रूगर को लंबे अरसे से संभावित दावेदार के रूप में देखा जाता रहा है।'

बाइडन जनवरी 2021 में राष्ट्रपति पद पर काबिज होने के बाद से ही संघीय पीठों के लिए अलग-अलग समुदायों के न्यायाधीशों को नामित करने की कवायद में जुटे हैं। वह संघीय अपीली अदालत में पांच अश्वेत महिला न्यायाधीशों की नियुक्ति कराने में सफल रहे हैं, जबकि तीन अतिरिक्त नामांकन सीनेट में लंबित हैं। ऐसे में शीर्ष अदालत में नियुक्ति के लिए किसी अश्वेत महिला को नामित करने की संभावना काफी अधिक है।

नागरिक अधिकार संगठन 'द नेशनल एसोसिएशन फॉर द एडवांसमेंट ऑफ कलर्ड पीपुल' के अध्यक्ष डेरिक जॉनसन ने कहा, 'बाइडन के पास उपयुक्त दावेदार के चयन के लिए पर्याप्त विकल्प हैं। यह नागरिक अधिकारों के मामले में मजबूत रिकॉर्ड रखने वाले किसी व्यक्ति को शीर्ष अदालत में नियुक्त करने का एक ऐतिहासिक अवसर है।' व्हाइट हाउस के मुताबिक, राष्ट्रपति कार्यकाल का पहला साल पूरा होने तक बाइडन की ओर से नामित 40 न्यायाधीशों के नामों पर संसद की मुहर लग चुकी है।

विश्व में कोरोना संक्रमितों की संख्या 36.25 करोड़ के पार

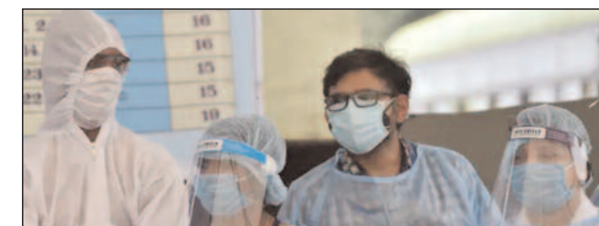

वाशिंगटन। विश्व में कोरोना वायरस से अब तक 36.25 करोड़ से अधिक लोग प्रभावित हो चुके हैं, जबकि करीब 56.27 लाख लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं दुनिया भर में अब तक 9.88 अरब से ज्यादा वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के कोरोना वायरस रिसोर्स सेंटर की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक दुनियाभर में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 36,25, 23,525 है और मृतकों के आंकड़े बढ़कर 56,26,879 तक पहुंच गए है। विश्व भर में कोरोना संक्रमण के सबसे अधिक मामलों के साथ अमेरिका शीर्ष पर है। जहां इस महामारी से अभी तक 7.29 करोड़ से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं और 8,76,065 लोग काल के गाल में समा चुके हैं।

भारत इस महामारी के संक्रमण के मामले में दूसरे स्थान पर है, जहां पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के दो लाख 86 हजार 384 नये मरीज सामने आये। इसके साथ ही देश के विभिन्न अस्पतालों में उपचार करवा रहे कोरोना रोगियों की संख्या 22 लाख दो हजार 472 हो गयी है। यह संक्रमित मामलों का 5.46 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 19.59 प्रतिशत हो गयी है। इसी अवधि में तीन लाख छह हजार 357 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल तीन करोड़ 76 लाख 77 हजार 328 लोग कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 93.33 प्रतिशत है। वहीं इस दौरान 573 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 491700 हो गया है। देश में इस समय मृत्यु दर 1.22 प्रतिशत है।

संक्रमण के मामले में ब्राजील तीसरे स्थान पर आ गया है। देश में कोरोना वायरस की जद में अभी तक 2.46 करोड़ से अधिक लोग आ चुके है और यह वायरस अभी तक 6,24,717 लोगों की जान ले चुका है। फ्रांस संक्रमण के मामले में चौथे पायदान पर है। देश में अभी तक अभी तक करीब 1.78 करोड. से ज्यादा लोग इस जानलेवा वायरस से संक्रमित हो चुके हैं और अभी तक 1,30,739 लोगों की मौत हो गयी है।

सीरिया से जॉर्डन में प्रवेश करते 27 मादक पदार्थ तस्करों को मार गिराया गयाः जॉर्डन सेना

अम्मान। जॉर्डन की सेना ने बृहस्पतिवार को कहा कि सैनिकों ने पड़ोसी सीरिया से देश (जॉर्डन) में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे 27 संदिग्ध मादक पदार्थ तस्करों को मार गिराया है।

सेना की वेबसाइट पर प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि उसने सीरिया से जॉर्डन में मादक पदार्थों की अवैध तस्करी की कई संदिग्ध कोशिशों को नाकाम कर भारी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त किये हैं। इस दौरान कई लोग घायल भी हुए हैं।

इस महीने की शुरुआत में सेना ने कहा था कि सीरिया से लगी सीमा पर तस्करों के साथ मुठभेड़ में सेना के एक अधिकारी की मौत हो गई थी।

इंडोनेशिया की राजधानी को जकार्ता से बोर्नेओ स्थानांतरित करने की तैयारी

जकार्ता। इंडोनेशिया सरकार राजधानी जकार्ता में आबादी और प्रदूषण बढ़ने, भूकंप की आशंकाओं और इसके तेजी से जावा सागर में डूबने के मद्देनजर राजधानी को बोर्नेओ द्वीप में स्थानांतरित करने की तैयारी कर रही है। राष्ट्रपति जोको विदोदो का मानना है कि नयी राजधानी के निर्माण से जकार्ता में उत्पन्न समस्याएं कम होगीं। इसकी आबादी में कमी आएगी और देश की परिवहन व्यवस्था में सुधार होगा जिससे पर्यावरण बेहतर होगा।

विदोदो ने पिछले सप्ताह इस योजना को संसद की मंजूरी मिलने से पहले कहा था, ÷नयी राजधानी बनने से केवल सरकारी कार्यालयों का स्थान नहीं बदलेगा बल्कि इसका मुख्य लक्ष्य एक नए स्मार्ट शहर का निर्माण करना है, जो वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा में शामिल हो। इसका लक्ष्य परिवर्तन के नये मार्ग की ओर बढ़ना और नवाचार, प्रौद्योगिकी व हरित अर्थव्यवस्था पर आधारित इंडोनेशिया का निर्माण करना है।

हालांकि दूसरी ओर बोर्नेओ को राजधानी बनाने से इसके पूर्वी कालीमंतन प्रांत में पर्यावरण को नुकसान होने की आशंका है। 2,56,000 हेक्टेयर में फैले कालीमंतन में बड़ी संख्या में वन्यजीव रहते हैं। इसके अलावा महामारी के दौरान इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर 34 अरब डॉलर खर्च किये जाने को लेकर भी चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं।

पर्यावरण समूह 'डब्ल्यूएएलएचआई' की अधिकारी ड्वी सैवंग ने कहा, नए राजधानी शहर के रणनीतिक पर्यावरणीय अध्ययन से पता चलता है कि इस संबंध में तीन बुनियादी समस्याएं हैं। उन्होंने कहा, ऐसा करने से जल प्रणाली को नुकसान होने और जलवायु परिवर्तन का खतरा है। इसके अलावा हरित क्षेत्र को नुकसान और प्रदूषण का खतरा और पर्यावरणीय नुकसान होने की आशंका है।

इंडोनेशिया 17,000 से अधिक द्वीपों का एक द्वीपसमूह राष्ट्र है, लेकिन फिलहाल देश की 27 करोड़ से अधिक आबादी में से 54 प्रतिशत आबादी देश के सबसे घनी आबादी वाले जावा द्वीप में रहती है, जहां जकार्ता स्थित है। केवल जकार्ता की आबादी ही करीब एक करोड़ है। माना जाता है कि जकार्ता शहर तेजी से डूब रहा है।

पाकिस्तान में जिहाद के लिए किसी को धन जुटाने की इजाजत नहीं

लाहौर। लाहौर उच्च न्यायालय ने एक फैसले में कहा है कि पाकिस्तान में व्यक्तियों या किसी भी संगठन को जिहाद के लिए धन

जुटाने को लेकर जनता को भड़काने की अनुमति नहीं है। इसे राजद्रोह माना जाता है। प्रतिबंधित आतंकी संगठन के लिए धन जुटाने के जुर्म में दोषी ठहराए गए दो आतंकवादियों की अपील ठुकराते हुए अदालत ने यह टिप्पणी की।

अदालत ने यह फैसला बुधवार को तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों मुहम्मद इब्राहिम और उबैदुर रहमान की अपील पर सुनाया, जिन्हें लाहौर से लगभग 200 किलोमीटर दूर सरगोधा में गिरफ्तार किया गया था। इस महीने की शुरुआत में आतंकवाद रोधी अदालत ने दोनों को आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए पांच-पांच साल की कैद की सजा सुनाई थी। न्यायमूर्ति अली बकर नजफी की अध्यक्षता वाली दो न्यायाधीशों की पीठ ने अपील को खारिज करते हुए कहा, इस्लामिक राष्ट्र (पाकिस्तान) में व्यक्तियों या किसी संगठन को जिहाद (पवित्र युद्ध) के लिए धन जुटाने को लेकर जनता को उकसाने की इजाजत नहीं है, क्योंकि इसे राजद्रोह माना जाता है। पीठ ने कहा, यदि जरूरी हो तो घोषित युद्ध के लिए जनता से धन एकत्र करना सरकार का काम है। यह किसी व्यक्ति या किसी संगठन द्वारा नहीं किया जा सकता है। अदालत ने कहा कि टीटीपी एक निष्क्रिय और प्रतिबंधित संगठन है जिसने न केवल सरकारी संस्थानों को नुकसान पहुंचाया और उच्च पदाधिकारियों को निशाना बनाया बल्कि उसने अतीत में देश में आतंकवादी गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जो वित्तीय सहायता के बिना संभव नहीं होता।

मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड जमात-उद-दावा (जेयूडी) के हाफिज सईद को भी कई वर्षों तक आतंकवाद के वित्तपोषण लिए दोषी ठहराया गया और वह लाहौर की कोट लखपत जेल में सजा काट रहा है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित आतंकवादी सईद पर अमेरिका ने एक करोड़ डॉलर का इनाम घोषित कर रखा है। उसे आतंकवाद के वित्तपोषण के पांच मामलों में 36 साल की कैद की सजा सुनाई गई है। उसकी सजा एक साथ-चल रही है।

प्राचीन एक्रोपोलिस पहाड़ी वाला एथेंस शहर भारी बर्फबारी के बाद बर्फ से ढका हुआ है।

यूक्रेन पर अमेरिका के जवाब से आशावाद की बहुत कम गुंजाइश बचती है :रूस

मास्को।

रूस ने बृहस्पतिवार को कहा कि यूक्रेन संकट को हल करने के लिए रूस की मुख्य मांगों पर अमेरिका के इनकार से आशावाद के लिए बहुत कम गुंजाइश बचती है। साथ ही कहा कि बातचीत अभी भी मुमकिन है।

रूस ने यूक्रेन की सीमा के पास 1,00,000 से अधिक सैनिकों का जमावड़ा कर रखा है जिससे इस क्षेत्र में युद्ध की आशंका तेज हो गई है। रूस ने लगातार इस बात से इनकार किया है कि वह हमले की योजना बना रहा है, लेकिन अमेरिका और उसके नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) सहयोगियों का मानना है कि रूस युद्ध की ओर बढ़ रहा है तथा इसके लिए तैयारी कर रहा है।

रूस ने कई मांगें रखी हैं जिसके बारे में उसका कहना है इससे यूरोप में सुरक्षा की स्थिति में सुधार होगा। जैसा कि अपेक्षित था, अमेरिका और पश्चिमी गठबंधन ने बुधवार को मास्को के मुख्य बिंदुओं पर किसी भी तरह की रियायत को दृढ़ता से खारिज कर दिया। अमेरिका ने यूक्रेन को नाटो में शामिल होने से स्थायी रूप से प्रतिबंधित करने से इनकार कर दिया और कहा कि पूर्वी यूरोप में सैनिकों और सैन्य उपकरणों की संबद्ध तैनाती के मुद्दे पर कोई वार्ता नहीं होगी। हालांकि, तनाव घटाने के मकसद से अमेरिका ने उन क्षेत्रों की रूपरेखा तैयार की है जहां रूस की कुछ चिंताओं का समाधान किया जा सकता है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा, ''रुख में कोई बदलाव नहीं हुआ है, न कोई बदलाव होगा।'' उन्होंने फिर से आगाह किया कि यूक्रेन में रूस के किसी भी घुसपैठ के बड़े परिणाम होंगे और उसे गंभीर आर्थिक नुकसान झेलना होगा।

क्रेमलिन (रूस के राष्ट्रपति कार्यालय) के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने संवाददाताओं से कहा कि अमेरिका की प्रतिक्रिया और नाटो से इसी तरह की प्रतिक्रिया के बाद ''आशावाद के लिए बहुत कम गुंजाइश बचती है।'' साथ ही, उन्होंने कहा कि ''बातचीत जारी रखने की संभावनाएं बरकरार हैं, यह हमारे और अमेरिकियों, दोनों के हित में है।''

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि अमेरिकी प्रतिक्रिया में ऐसे कुछ तत्व शामिल हैं जिससे ''कम महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीर बातचीत की शुरुआत'' हो सकती है। लेकिन इस बात पर जोर दिया कि ''अमेरिकी जवाब वाले दस्तावेज में रूस की मुख्य मांगों पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं है।'' रूस की मुख्य मांगों में नाटो का विस्तार रोकने और क्षेत्र से ऐसे हथियारों को हटाने से है, जिससे रूस को खतरा हो सकता है।

लावरोव ने संवाददाताओं से कहा कि शीर्ष अधिकारी अब अमेरिकी जवाब के बाद अपने प्रस्ताव राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सौंपेंगे। पेसकोव ने कहा कि रूस का जवाब जल्द सामने आएगा। पेसकोव ने यह भी कहा कि पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन तय करेंगे कि पिछले महीने दो बार की बातचीत के बाद उन्हें एक और वार्ता करने की आवश्यकता है या नहीं।

यूक्रेन-रूस विवादः रूस ने कहा बातचीत आगे भी संभव

मॉस्को।

रूस ने गुरुवार को कहा कि यूक्रेन की सुरक्षा चिंताओं को अमेरिका दूर करने में विफल रहा, लेकिन तनाव कम करने के लिए बातचीत के रास्ते आगे भी खुले हैं।

पिछले दिनों रूस-अमेरिका के बीच हुई बैठक के बाद रूस ने सुरक्षा गारंटी की मांग की थी और लिखित में आश्वासन मांगा था कि अमेरिका, यूक्रेन को नाटो में शामिल नहीं करेगा। बुधवार देर रात अमेरिका ने रूस की मांगों को खारिज कर दिया और कहा कि संकट के बीच एक नया राजनयिक मार्ग खुला है। गुरुवार को रूस के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि अमेरिका ने रूस की मुख्य चिंता को नजरअंदाज कर दिया है, लेकिन अन्य मुद्दों पर बातचीत आगे जारी रह सकती है। उन्होंने कहा कि ये बैठक एक आशा की किरण थी। बुधवार को अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने रूस की मांगों को खारिज करते हुए कहा था कि वे लावरोव से एक बार फिर बात करेंगे।

8500 सैनिक हैं तैयार

तनाव के बीच नाटो ने अपने 8500 सैनिकों को तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। नाटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने कहा था कि हमें तनाव कम होने की पूरी उम्मीद है और हम इस दिशा में काम भी कर रहे हैं, लेकिन अगर रूस हमला करता है, तो हम उसके लिए भी तैयार हैं।

पेरिस में हुई बैठक

यूक्रेन-रूस विवाद के बीच तनाव को कम करने के लिए बुधवार देर शाम रूसी और यूक्रेन के अधिकारियों ने पेरिस में जर्मनी और फ्रांस के अधिकारियों के साथ करीब आठ घंटे तक बैठक की। रूस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टॉफ दिमित्री कोजाक ने कहा कि बर्लिन में अगले दो सप्ताह में एक और बैठक हो सकती है।

यूक्रेन के विदेश मंत्री जताई उम्मीद

रूस की फ्रांस और जर्मनी के अधिकारियों से हुई वार्ता को यूक्रेन ने सकारात्मक बताया और उम्मीद जताई की समस्या का हल निकल सकता है। उन्होंने कहा कि ये अच्छी खबर है कि बर्लिन में एक और बैठक होने जा रही है। विदेश मंत्री दिमत्री कुलेबा ने कहा कि इसका अर्थ ये है कि रूस राजनयिक रास्ते पर बना रह सकता है।

बाइडेन यूरोपीय देशों से कर चुके है बात

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने बीते मंगलवार को यूरोपीय देशों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये बात की थी। बाइडन ने बैठक के बाद साफ किया था कि यदि रूस यूक्रेन पर हमला करता है, तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। यूक्रेन की चिंताओं को कम करने के लिए अमेरिका बीच का रास्ता निकालने का प्रयास कर रहा है।

ब्रह्मांड से हर 18 मिनट पर आ रहे रहस्यमय रेडियो सिग्नल : शोध

सिडनी।

दुनियाभर के वैज्ञानिक अंतरिक्ष पर होने वाली हलचल पर नजर बनाए हैं। वहीं, इन दिनों अंतरिक्ष पर हो रही एक हलचल ने वैज्ञानिकों को हैरानी में डाल दिया है। इसकी वजह है वह शक्तिशाली रेडियो सिग्नल जो धरती से 4000 प्रकाशवर्ष की दूरी पर अंतरिक्ष में स्थित एक रहस्य मय ऑब्जे क्ट से आ रहे हैं। वैज्ञानिकों को हर 18 मिनट में ऐसे सिग्नल मिल रहे हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस तरह के रेडियो सिग्नल इससे पहले कभी नहीं देखे गए। न ही कभी महसूस किए गए।

वैज्ञानिकों का कहना है कि यह न्यूट्रिन स्टाएर या फिर एक सफेद तारे का अवशेष हो सकता है। इसका चुंबकीय क्षेत्र बहुत ज्योदा शक्तिशाली है या फिर ये कोई पूरी तरह से अलग चीज भी हो सकती है। इस स्पेतस ऑब्जेबक्ट को सबसे पहले मार्च,

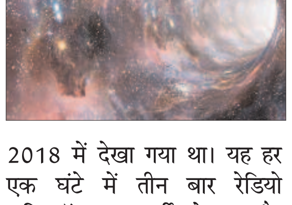

2018 में देखा गया था। यह हर एक घंटे में तीन बार रेडियो सग्निऑल या एनर्जी छोड़ रहा है। वैज्ञानिकों ने बताया कि जब ये ऑब्जेक्ट रेडियो सिग्नपल छोड़ते हैं, उस समय यह धरती से आसानी से देखी जाने वाली सबसे चमकीली रेडियो तरंग बन जाती हैं। यह एक तरह के खगोलीय लाइट हाउस की तरह से दिखाई देता है। वैज्ञानिकों ने पाया कि ऑब्जेक्ट तरंगों के साथ-साथ बड़ी मात्रा में ऊर्जा भी छोड़ रहा है। ऑस्ट्रे लियाई वैज्ञानिक डॉक्टार नताशा हर्ले वाल्कतर के नेतृत्वक में शोधकर्ताओं के दल ने इस बेहद रहस्यटयम ऑब्जेंक्टिड की खोज की है।

बेहद डरावनी है यह घटना

डॉ. नताशा हर्ले वाल्कर की टीम ब्रह्मांड में मौजूद रेडियो तरंगों का नक्शास बना रही थी। इसी दौरान उन्हेंन इस रहस्यडमय ऑब्जे क्टर का पता चला। उन्होंने बताया कि हमारी निगरानी के दौरान यह ऑब्जेक्ट् कभी सामने आता है और फिर गायब हो जाता है। यह पूरी तरह से अनपेक्षित है। ये पूरी घटना एक तरह से बेहद डरावनी है, क्योंकि अंतरिक्ष में ऐसा पहले कभी नहीं देखा गया। नताशा ने बताया कि यह हमारी धरती से महज 4000 प्रकाशवर्ष दूर है। यह हमारी आकाशगंगा के ठीक पीछे है। डॉ. नताशा ने कहा कि यह अल्ट्रा0 लांग पीरियड मैगनेटर से मेल खाता है। किसी ने इसकी सीधे तौर पर खोज की अपेक्षा नहीं की थी, क्योंकि हमें इस बात का अनुमान नहीं था कि यह इतना ज्या दा चमकीला होगा।

दिल्ली में लहराए 115 फीट के 75 तिरंगे

नई दिल्ली। आज़ादी के 75वें साल में आज से दिल्ली की 75 अलग-अलग जगहों पर 115 फ़ीट की ऊंचाई से हमारा अमर तिरंगा शान से लहराएगा। हम आजादी का 75वां साल मना रहे हैं और उसी को ध्यान में रखते हुए दिल्ली के 75 जगहों पर 115 फीट ऊंचाई पर तिरंगे लगाए गए हैं। हमारा मकसद है कि दिल्ली में कोई भी अपने घर से बाहर निकले तो, उसे दो-तीन बार तिरंगा जरूर दिखाई दे। जितनी बार हम तिरंगे को देखते हैं, हमारे अंदर देशभक्ति की भावना जागती है। शायद पूरी दुनिया में दिल्ली अकेला शहर है, जहां पर इतने बड़े स्तर पर 115 फीट ऊंचे राष्ट्र ध्वज लगाए जा रहे हैं। अगर ऐसा हुआ, तो गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दिल्ली का नाम दर्ज होगा। मैं उम्मीद करता हूं कि हमारा तिरंगा हमेशा ऊंचा व लहराता रहे और इसी तरह से हमारा देश तरक्की करता रहे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज तिमारपुर में ध्वजारोहण के दौरान यह बातें कहीं। इस दौरान सभी विधायकों ने भी अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर पीडब्ल्यूडी मंत्री सत्येंद्र जैन और स्थानीय विधायक दिलीप पांडे समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

तिरंगे को रौशन करने के लिए रात के समय बिजली की निर्बाध आपूर्ति की जाएगी

पूरा देश आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर जश्न मना रहा है। इसी के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने दिल्ली के अलग-अलग जगहों पर 75 विशाल राष्ट्रीय ध्वज लगाया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज तिमारपुर क्रॉसिंग, रिंग रोड पर रिमोट दबाकर ध्वजारोहण किया। साथ ही, सभी विधायकों ने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में ध्वजारोहण किया। इससे पहले, सीएम अरविंद केजरीवाल कार्यक्रम स्थल पर सुबह 11 बजे पहुंचे और सर्व प्रथम उन्हें होमगार्ड द्वारा जनरल सलामी दी गई। इसके बाद सीएम अरविंद केजरीवाल को परेड कमांडर किरण पाल के नेतृत्व में सम्मान गारद ने सलामी दी। इसके बाद राष्ट्रीय सलामी दी गई और राष्ट्रगान गाया गया। इस दौरान पीडब्ल्यूडी मंत्री सत्येंद्र जैन और स्थानीय विधायक दिलीप पांडे समेत कई वरिष्ठ अधिकारी व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

इससे पहले दिल्ली के अलग-अलग स्थानों पर 5 राष्ट्रीय ध्वज लहरा रहा है और आज से 75 तिरंग और लहराएंगे। इस तरह अब दिल्ली के विभिन्न इलाकों में 80 राष्ट्रीय ध्वज 115 फीट की उंचाई पर लहराएंगे। इन 75 विशाल तिरंगों में से 25 का रिमोट से ध्वजारोहण किया गया, जबकि 50 जगहों पर हाथ से ध्वजारोहण हुआ। इस दौरान सभी मानदंडों का कड़ाई से पालन किया गया। राष्ट्रीय ध्वज को रौशन रखने के लिए खम्भे पर रात के समय बिजली की निर्बाध आपूर्ति की जाएगी। दिल्ली सरकार के 'देशभक्ति बजट' के तहत आने वाले दिनों में विभिन्न स्थानों पर 500 राष्ट्रीय ध्वज और लगाए जाएंगे।

- आज़ादी के 75वें साल में आज से दिल्ली की 75 अलग-अलग जगहों पर 115 फ़ीट की ऊंचाई से शान से लहराएगा हमारा अमर तिरंगा- अरविंद केजरीवाल
- सीएम अरविंद केजरीवाल ने तिमारपुर में और सभी विधायकों ने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में किया ध्वजारोहण

  जितनी बार हम तिरंगे को देखते हैं, हमारे अंदर देशभक्ति की भावना जागती है- अरविंद केजरीवाल
- शायद पूरी दुनिया में दिल्ली अकेला शहर है, जहां इतने बड़े स्तर पर 115 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज लगाए जा रहे हैं- अरविंद केजरीवाल
- दिल्ली में काफी सड़कें डीडीए, एनडीएमसी और एमसीडी के अधिकार क्षेत्र में हैं, इसलिए दिल्ली सरकार ने अधिकतर तिरंगे पीडब्ल्यूडी की सड़कों पर लगाया है- सत्येंद्र जैन

हमारा लक्ष्य 500 तिरंगे लगाने का है, अगले कुछ महीने में यह तिरंगे लगा दिए जाएंगे- अरविंद केजरीवाल

इस अवसर पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज पूरे देश के लिए बेहद गर्व का दिन है। देश की राजधानी दिल्ली में आज 75 जगहो पर 115 फीट उंचे तिरंगे लगाए गए हैं। हम आजादी का 75वां साल मना रहे हैं। उसी को ध्यान में रखते हुए आज दिल्ली के 75 जगहों पर 115 फीट उंचे तिरंगे लगाए गए हैं। हमारा मकसद है कि पूरी दिल्ली में 500 जगहों पर यह तिरंगे लगाए जाएंगे। हमारा लक्ष्य 26 जनवरी तक 500 तिरंगे लगाने का था, लेकिन प्रदूषण और कोरोना समेत कई कारणों की वजह से कंस्ट्रक्शन पर प्रतिबंध लग गया था। लेकिन अगले कुछ महीनों के अंदर 500 जगहों पर ये तिरंगे लगा दिए जाएंगे।

*एक आम आदमी जितनी बार तिरंगे को देखेगा, उसे देश की और देश को आजाद कराने वालों की याद दिलाएगा- अरविंद केजरीवाल

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमारा मकसद है कि दिल्ली में कोई भी अपने घर से बाहर निकले और दफ्तर के लिए जाए, तो उसे दिन में दो-तीन बार तिरंगा जरूर दिखाई दे। जितनी बार हम तिरंगे को देखते हैं, हमारे अंदर एक देशभक्ति की भावना जागती है। समान्य तौर पर अपनी जिंदगी जीते हुए हम अपने परिवार और अपनी जिंदगी में इतने उलझ जाते हैं कि कई बार अपने देश और अपने समाज को भूल जाते हैं। जितनी बार एक आम आदमी तिरंगे को देखेगा, यह तिरंगा उसे देशभक्ति की याद दिलाएगा, उसे देश की याद दिलाएगा और उसे उन सब लोगों की याद दिलाएगा, जिन लोगों ने देश को आजाद कराने के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर कर दिया था।

मैं उम्मीद करता हूं कि हमारा तिरंगा हमेशा उंचा व लहराता रहे और हमारा देश तरक्की करता रहे- अरविंद केजरीवाल

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मुझे बताया गया है कि शायद पूरी दुनिया में दिल्ली अकेला शहर है, जहां पर इतने बड़े स्तर पर 115 फीट उंचे राष्ट्र ध्वज लगाए जा रहे हैं। हम इसकी जांच करा रहे हैं। अगर ऐसा हुआ, तो शायद गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के अंदर भी दिल्ली का नाम दर्ज होगा कि दिल्ली अकेला शहर है, जहां इतने सारे उस देश के राष्ट्रीय ध्वज 115 फीट की उंचाई पर लगाए जा रहे हैं। मैं दिल्ली और देश के लोगों को बधाई देना चाहता हूं। तिरंगे को उपर जाते हुए देखकर आज दिल खुश हो गया। मैं उम्मीद करता हूं कि हमारा तिरंगा हमेशा उंचा रहे और लहराता रहे और इसी तरह से देश आगे तरक्की करता रहे।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, ''यही है नदियां, यही हिमालय, यही देश की शान है। तीन रंगों में रंगा हुआ ये अपना हिंदुस्तान है। आज़ादी के 75वें साल में आज से दिल्ली की 75 अलग-अलग जगहों पर 115 फ़ीट की ऊंचाई से हमारा अमर तिरंगा शान से लहराएगा।''

तिरंगा हमारी विविधता में एकता की हमेशा याद दिलाता है- सत्येंद्र जैन

इस अवसर पर पीडब्ल्यूडी मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि हमने मुख्य चौराहों, स्कूलों, मुख्य सड़कों पर 75 स्थानों की पहचान की है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दिल्ली का हर नागरिक घर से बाहर निकले, तो वो हर दो किलोमीटर के अंदर राष्ट्रीय ध्वज को देख सके और तिरंगे को देख कर गर्व कर सके। तिरंगा हमारी विविधता में एकता की हमेशा याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि 2021 में स्वतंत्रता दिवस पर पूर्वी किदवई नगर में सीएम अरविंद केजरीवाल के निर्वाचन क्षेत्र के साथ-साथ पटपड़गंज, शकूर बस्ती, कालकाजी और द्वारका में ऐसे ही पांच झंडे लगाए गए थे। आज 75 जगहों पर जो नए झंडे लगाए गए हैं, उनमें एम्स के पास, राजीव गांधी स्टेडियम, धौला कुआं एन्क्लेव दो, दिल्ली कैंट; आउटर रिंग रोड, पीतमपुरा, माल रोड, आजादपुर मेट्रो स्टेशन समेत अन्य जगह शामिल है।

दो रेलमार्गों पर बढ़ी ट्रेन की रफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे ने रेलगाड़ियों की समयबद्धता 70 से बढ़ाकर 90 फीसदी से अधिक की है। उत्तर रेलवे अधिकारियों के मुताबिक कोरोना संक्रमण के बीच सभी चुनौतियों में रेल की पटरियों को दुरुस्त करने के साथ ही उत्तर रेलवे के आधारभूत ढांचा को मजबूत किया गया है। हाल ही में दो रेलमार्गों दिल्ली-अंबाला और दिल्ली-पलवल रेल मार्ग की गति क्षमता 110 किलोमीटर प्रति घंटे से बढ़कर 130 की गई है। इससे इन दोनों रेल मार्गों पर चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों की औसत गति 46 किलोमीटर प्रति घंटे से अब बढ़कर 50.53 किलोमीटर प्रति घंटे हो गई है। इसी तरह से पैसेंजर ट्रेनों की औसत गति 31.97 से बढ़कर 34.76 किलोमीटर प्रति घंटे हो गई है। इसके अलावा पटरियों की अल्ट्रा सोनिक फ्लो डिटेक्शन (यूएसएफडी) मशीन से जांच कर उसकी कमिया दूर की जा रही है। वहीं, लेवल क्रॉसिंग की भी जांच कर उसकी खामियां दूर की जा रही हैं। इसके अलावा निजामुद्दीन ओखला तक स्वचालित सिग्नल प्रणाली का काम पूरा किया गया है जिससे दिल्ली से पलवल के बीच रेलगाड़ियों की रफ्तार बढ़ाने में मदद मिली।

नियमों में ढील से व्यापारियों को राहत मिलेगी: आदेश गुप्ता

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने डीडीएमए के फैसले का स्वागत किया है, जिसमें वीकेंड कर्फ्यू और सम-विषम हटाये जाने के साथ-साथ शादी, रेस्तरां और सिनेमा हॉल 50 प्रतिशत क्षमता से संचालित करने की अनुमति दी गई है। उन्होंने उपराज्यपाल को धन्यवाद देते हुए कहा कि कोरोना की नई गाइडलाइन जारी करने के फैसले से दिल्लीवासियों एवं व्यापारियों को राहत मिलेगी।

आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्लीवालों के हित में हमारी निरंतर मांग थी कि नियमों में ढील दी जानी चाहिए और आज हमारी मांगों पर अमल करते हुए डीडीएमए ने यह फैसला लिया है। 22 जनवरी को उपराज्यपाल को लिखे पत्र में इस बात से अवगत कराया गया था कि दिल्ली में वीकेंड कर्फ्यू और कोरोना के कारण व्यापारियों को कितना नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि व्यापार किसी भी शहर की जीवनरेखा कहलाता है और कोविड की वजह से लगी पाबंदियों के कारण इसमें सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है।

सरकारी कार्यालयों में चित्र लगाने को लेकर भाजपा ने एलजी को पत्र लिखा

नई दिल्लीी। दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने उपराज्यपाल अनिल बैजल को पत्र लिखकर दिल्ली के सरकारी कार्यालयों से महात्मा गांधी के चित्र न हटाने की मांग की है। कपूर ने पत्र में कहा है की हमें आंबेडकर एवं भगत सिंह का चित्र लगाने पर कोई आपत्ति नही है पर महात्मा गांधी एवं देश के संवैधानिक प्रमुखों के चित्र लगाना भी मर्यादित है। इसी तरह विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के कार्यालय भी सचिवालय एवं विधानसभा परिसरों से चलते हैं तो स्वाभाविक रूप से उन कमरों में वह अपने दलों के नेताओं का चित्र भी लगाएंगे। कपूर ने कहा है कि दिल्ली का सत्ताधारी दल पंजाब का चुनाव लड़ रहा है और केवल आंबेडकर एवं भगत सिंह के चित्र लगाने की घोषणा वहां के दलित आदि मतदाताओं को प्रभावित करने का प्रयास है।

दिल्ली उच्च न्यायालय को याचिका पर सुनवाई करने का अधिकार:वाजे

नई दिल्ली। आतंकवाद निरोधक कानून के तहत मुकदमा चलाने की मंजूरी देने के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल किए जाने को मुंबई पुलिस के पूर्व अधिकारी सचिन वाजे ने सही ठहराया है। वाजे ने कहा कि उनकी याचिका पर दिल्ली उच्च न्यायालय को सुनवाई करने का अधिकार है, क्योंकि उनके खिलाफ गैर कानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के खिलाफ मकदमा चलाने की मंजूरी दिल्ली स्थित एक सक्षम प्राधिकार ने दी है।

रिलायंस समूह के मालिक मुकेश अंबानी के आवास एंटिलिया स्थित कार में भारी मात्रा में विस्फोटक रखे जाने के मामले में गृह मंत्रालय ने वाजे के खिलाफ आतंकवाद निरोधक कानून यानी गैर कानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के तहत मुकदमा चलाने की मंजूरी दी है। मामले में आरोपी वाजे ने उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल कर गृह मंत्रालय द्वारा उनके खिलाफ यूएपीए के तहत मुकदमा चलाने की मंजूरी देने के फैसले को रद्द करने की मांग की है। जस्टिस सिद्धार्थ मृदुल और अनूप जे.भंभानी की पीठ के समक्ष वाजे की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पुनीत बाली ने कहा कि उनके मुवक्किल की याचिका विचार योग्य है, क्योंकि जिस आदेश को चुनौती दी गई है वह इसी न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में स्थित है। उन्होंने पीठ को बताया कि याचिकाकर्ता ने यूएपीए की धारा 15 (1) के अधिकार को भी चुनौती दी है। इस पर पीठ ने एक सवाल किया कि 'क्या इस स्तर पर मंजूरी के मुद्दे को चुनौती दी जा सकती है या सुनवाई का मामला होगा। इसके जवाब में बाली ने कहा कि यूएपीए के तहत याचिकाकर्ता पर मुकदमा चलाने की मंजूरी जारी होने के कारण यूएपीए के आह्वान के साथ ही याचिकाकर्ता के प्रति पूर्वाग्रह पैदा हो गया है, क्योंकि सीआरपीसी की धारा 167(2) के तहत जमानत देने की दोहरी सीमा के साथ-साथ वैधानिक जमानत पर रिहा होने का अधिकार भी छीन लिया गया है। इससे पहले, केंद्र सरकार ने न्यायिक क्षेत्राधिकार का मसला उठाते हुए वाजे को इसके लिए मुम्बई उच्च न्यायालय जाने का आदेश देने की मांग की।

दिल्ली में स्थित मयूर विहार फेस 2 में दीपांश सेठी

26 जनवरी 2022 में गणतंत्र दिवस पर भाषण दिया उसमें कई बच्चों ने हिस्सा लिया

जिस प्रतियोगिता में RWA के president श्री संजीव गर्ग जी ने 500 रुपए का नकद इनाम दीपांश सेठी को दिया

दिल्ली में कोरोना संक्रमण नियंत्रण में है और आज पांच हजार से कम मामले आने की संभावना :सतेंद्र जैन

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण नियंत्रण में है। रोजाना कोरोना संक्रमितों का आकड़ा कम हो रहा है। बृहस्पतिवार को स्वास्थ्य मंत्री सतेंद्र जैन ने दावा है कि पांच हजार से कम मामले आने की संभावना है। हालांकि दिल्ली के लोगों से कोरोना प्रोटोकाल का पालन करने के लिए कहा गया है।

मंत्री का कहना है कि मामले भले ही कम हो जाए, लेकिन प्रोटोकॉल का पालन करना हर व्यक्ति का प्रथम कर्तव्य है।

दरअसल, दिल्ली में बुधवार को 8 हजार कम मामले आए थे। वहीं, बृहस्पतिवार को पांच हजार से भी कम मामले आने की संभावना है। जबकि पाजिविटी रेट 10 प्रतिशत से कम होगा। सतेंद्र जैन ने टवीट के जरिए जानकारी साझा करते हुए कहा कि दिल्ली में कोविड की स्थिति नियंत्रण में है। आज दिल्ली में 5, 000 से कम मामले सामने आएंगे और सकारात्मकता दर भी मौजूदा 10त्न से कम होगी।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव संभव है:आरजीसीआईआरसी

नई दिल्ली। सर्वाइकल कैंसर वैसे तो भारत में महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसर में से एक है, लेकिन इससे बहुत आसानी से बचाव भी संभव है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, 2019 में भारत में 45000 से ज्यादा महिलाओं की मृत्यु सर्वाइकल कैंसर के कारण हो गई थी। सर्वाइकल कैंसर से बचने के लिए इसके टीकाकरण को लेकर बड़े पैमाने पर जागरूकता लाने और नियमित स्क्रीनिंग की आवश्यकता है। राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर (आरजीसीआईआरसी) के विशेषज्ञों ने यह बात कही।

आरजीसीआईआरसी की गायनी ओंकोलॉजी कंसल्टेंट डॉक्टर वंदना जैन ने कहा, 'सर्वाइकल कैंसर का शुरुआती स्तर पर ही पता लगाना संभव है, क्योंकि इसमें 10 से 15 साल तक प्री-कैंसरस स्टेज रहता है और पैप स्मियर जैसी सामान्य जांच से इसका पता लग सकता है, जिससे कैंसर को बढ़ने से रोकना संभव है। हर तीन साल में महिलाओं को पैप टेस्ट की सलाह दी जाती है। साथ ही 30 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं को एचपीवी टेस्ट भी कराना चाहिए।'

सर्वाइकल कैंसर के ज्यादातर मामलों में हाई रिस्क ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) कारण होता है। सामान्यतः एचपीवी के संपर्क में आने पर

महिला के शरीर का इम्यून सिस्टम उस वायरस को किसी भी तरह का नुकसान करने से रोकता है। हालांकि कुछ महिलाओं का इम्यून सिस्टम उस वायरस को खत्म नहीं कर पाता है और बहुत ज्यादा समय तक हाई रिस्क एचपीवी के संपर्क में रहने से सर्वाइकल कैंसर का खतरा रहता है।

डॉ. वंदना ने कहा, 'दुर्भाग्य से शुरुआती स्टेज पर सर्वाइकल कैंसर का कोई लक्षण नहीं होता है। इसके लक्षण तब दिखने शुरू होते हैं जब कैंसर एडवांस्ड स्टेज पर पहुंच जाता है। इसलिए नियमित तौर पर जांच कराते रहना चाहिए, जिससे शुरुआती स्टेज पर ही बीमारी की पहचान हो सके। मासिक स्राव में अनियमितता, माहवारी के अलावा भी रक्त स्राव होना, शारीरिक संबंध बनाने के बाद रक्त स्राव होना, मीनोपॉज के बाद रक्त स्राव होना, दुर्गंधयुक्त स्राव होना आदि सर्वाइकल कैंसर के लक्षण हैं।'

एक से ज्यादा से लोगों से शारीरिक संबंध बनाना और बहुत कम उम्र में यौन गतिविधियों में संलिप्त हो जाना सर्वाइकल कैंसर के कारकों में शुमार हैं। यौन संचारी संक्रमण (एसटीआई) और एचआईवी से भी एचपीवी संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। धूम्रपान से भी खतरा बढ़ जाता है। स्वच्छता का ध्यान नहीं रखने, जागरूकता नहीं होने और समय पर स्क्रीनिंग नहीं होने के कारण शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वाइकल कैंसर के मामले ज्यादा होते हैं।

डॉ. वंदना ने आगे कहा कि सर्वाइकल कैंसर के खतरे को कम करने के लिए एचपीवी से बचाव का टीका लगवाना चाहिए। नौ से 26 साल की उम्र की लड़कियों व महिलाओं के लिए टीका उपलब्ध है। टीके का सबसे ज्यादा प्रभाव तब होता है, जब यौन गतिविधियां शुरू होने से पहले ही लड़की को टीका लगवा दिया जाए। 9 से 14 साल की उम्र में दो इंजेक्शन के रूप में टीका लगाया जाता है और 14 से 26 की उम्र में तीन इंजेक्शन की जरूरत होती है। हालांकि टीके के बाद भी नियमित स्क्रीनिंग जरूरी है।

टीका सर्वाइकल कैंसर से 70 से 80 प्रतिशत तक बचाव करता है। इसलिए जल्दी पता लगाने और समय पर इलाज के लिए स्क्रीनिंग बहुत जरूरी है। हालांकि आंकड़ो के अनुसार 2019 में 10 में से 1 से भी कम महिला ने सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग कराई थी।

स्कूलों में 20 हजार कक्षाओं में स्मार्ट बोर्ड लगेंगे :सिसोदिया

नई दिल्ली। दिल्ली के सरकारी स्कूलों के सभी 20 हजार क्लास रूम को स्मार्ट क्लास बनाने के लिए सरकार उसमें स्मार्ट बोर्ड लगवाएगी। शहीद अमीर चंद सर्वोदय कन्या विद्यालय में 16 क्लास रूम में स्मार्ट बोर्ड लगाए जाने के बाद उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने उसका जायजा लिया।

सिसोदिया ने कहा कि सभी स्कूलों में शिक्षा को आसान बनाने के लिए क्लास रूम को स्मार्ट बनाने के लिए सभी अत्याधुनिक तकनीकी का प्रयोग किया जाएगा। अभी एक स्कूल से इसकी शुरुआत हुई है। स्कूल में स्मार्ट बोर्ड की जानकारी लेने के बाद सिसोदिया ने कहा कि यह सभी स्मार्ट बोर्ड अत्याधुनिक तकनीकी पर आधारित हैं, जो न केवल शैक्षणिक प्रक्रिया को आसान और आनंदमय बनाएंगे, बल्कि बच्चों को बेहतर ढंग से सीखने में मदद भी करेंगे। साथ ही हैंड्स-ऑन पढ़ाई की प्रक्रिया को भी

बढ़ावा देंगे। उन्होंने कहा कि इस तकनीक से पढ़ाई सामग्री को एकीकृत करने में सुविधा होगी और बच्चों की सभी ऑनलाइन पढ़ाई सामग्री माध्यमों तक पहुंच होगी। कुछ क्लास रूम में रिकॉर्डिंग के लिए आधुनिक कैमरे भी लगाए जाएंगे, ताकि क्लास की लाइव रिकॉर्डिंग की जा सके।

सिसोदिया ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली के सरकारी स्कूलों में 20 हजार से ज्यादा नए कमरों का निर्माण किया गया है। हम चरणबद्ध तरीके से इन सभी क्लास रूम को स्मार्ट क्लास रूम में तब्दील करेंगे। साथ ही, जो क्लास रूम निर्माणाधीन हैं, उन्हें भी निर्माण कार्य पूरा होने के बाद स्मार्ट बोर्ड से लैस किया जाएगा। सभी शिक्षक स्मार्ट बोर्ड का बेहतर ढंग से प्रयोग कर सकें, इसके लिए उनके लिए विशेष प्रशिक्षण का भी आयोजन होगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले पांच से छह वर्षों में दिल्ली के स्कूलों की बुनियादी सुविधाएं विश्वस्तरीय हो गई हैं। पांच साल पहले जहां स्कूलों में बेंच और ब्लैक-बोर्ड तक नदारद थे, आज अरविंद केजरीवाल की सरकार उन स्कूलों को स्मार्ट बना रही है। बाबा साहब आंबेडकर का सपना था कि हर बच्चे को अच्छी शिक्षा मिले। बाबा साहब के इसी सपने को पूरा करते हुए हमारा उद्देश्य दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले एक-एक बच्चे को शानदार शिक्षा देना है।

जहां झुग्गी वहां मकान योजना के तहत 10 हजार फ्लैट बनाएगा डीडीए

नई दिल्ली। दिल्ली में झुग्गीवासियों के लिए आने वाले दिनों में दिल्ली विकास प्राधिकरण की ओर से 10 हजार फ्लैट बनाने की योजना पर काम किया जाएगा। जहां झुग्गी वहां मकान योजना के तहत दिल्ली में छह स्थानों पर 10 क्लस्टरों का चयन किया गया है। जहां डीडीए की ओर से 10337 फ्लैटों का निर्माण किया जाएगा।

डीडीए की ओर से इन सभी झुग्गी क्लस्टरों की मैपिंग का काम शुरू कर दिया गया है। इसी वर्ष इन सभी क्लस्टरों में फ्लैटों का निर्माण शुरू कर दिया जाएगा। डीडीए की ओर से जिन क्लस्टरों का चयन कया गया है वे रोहिणी, दिलशाद गार्डन, शालीमार बाग, हैदरपुर, कालकाजी और जेलरवाला बाग क्षेत्रों में स्थित हैं। सभी फ्लैटों का निर्माण सार्वजनिक-निजी-भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर किया जाएगा। हाल ही में डीडीए की ओर से पेश किए गए वार्षिक बजट में इन योजनाओं के लिए लगभग 2300 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है।

कालकाजी एक्सटेंशन में 3, 024 ईडब्ल्यूएस घरों और जेलरवाला बाग में 1, 675 ईडब्ल्यूएस घरों के निर्माण के लिए बजट अनुमान (2022-23) में ?30 करोड़ और ?168 करोड़ का प्रावधान किया गया है। 2021-2022 के संशोधित बजट अनुमानों के तहत, कालकाजी और जेलरवाला बाग परियोजनाओं के लिए क्रमशः ?46 करोड़ और ?120 करोड़ का प्रावधान किया गया था। डीडीए के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, कालकाजी परियोजना का कुछ हिस्सा 28 फरवरी तक पूरी होने की संभावना है, जबकि जेलरवाला बाग परियोजना का कुछ हिस्सा 31 मार्च तक पूरा होने की संभावना है। डीडीए प्रधानमंत्री आवास योजना के पहले फेज के तहत झुग्गी बस्ती के निर्माण के लिए राज्य स्तर पर नोडल एजेंसी है। पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत करीब 490 झुग्गी बस्तियों को पुनः स्थापित किया जाना है।

आजादी के बाद : कैसे खत्म हो बेरोजगारी

पी. एस वोहरा

हमारे मुल्क में आजादी के बाद से लेकर अब तक की सभी पीढ़ियां बेरोजगारी से निपटने के लिए अपने भाग्य को ही एकमात्र सहारा समझती रही हैं। जबकि लोकतांत्रिक तरीके से चुनकर आने वाली हर सरकार की प्राथमिकता में यह मुद्दा होता है, लेकिन बेरोजगारी खत्म होती नहीं दिखती। वर्तमान परिदृश्य की ही बात की जाए, तो पिछले महीने तक भारत में बेरोजगारी की दर सात प्रतिशत से अधिक थी। शहरी क्षेत्र में ये दर 9.30 प्रतिशत थी तथा ग्रामीण क्षेत्र में 7.28 प्रतिशत थी। वहीं मई, 2021 में तो इसकी दर 12 प्रतिशत के आसपास रही है। उस समय शहरी क्षेत्र में यह लगभग 15 प्रतिशत हो गई थी और ग्रामीण क्षेत्र में 11 प्रतिशत थी। यहां पर यह कहना भी उचित प्रतीत होगा कि उस समय कोरोना की द्वितीय लहर का असर मुख्य रूप से था, परंतु दिसंबर के महीने के बेरोजगारी दर के आंकड़ों के लिए कोरोना को दोष देना अनावश्यक प्रतीत होता है। राज्यों की बात की जाए, तो दिसंबर के माह में हरियाणा में बेरोजगारी की दर सबसे अधिक 34.1 प्रतिशत थी। वहीं दूसरे नंबर पर राजस्थान था, जहां पर यह 27 प्रतिशत रही है। उसी तरह 10 से 20 प्रतिशत की बेरोजगारी की दर वाले राज्यों में झारखंड, बिहार, त्रिपुरा व गोवा मुख्य थे। निश्चित रूप से ये आंकड़े हमें भयभीत करने वाले हैं।

अगर विश्लेषणात्मक अध्ययन के माध्यम से इसे समझने की कोशिश की जाए, तो यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि आर्थिक विकास की गलत नीतियों का चयन ही बेरोजगारी की समस्या का मुख्य कारण है। अगर इतिहास के पन्नों को टटोलने की कोशिश करेंगे, तो यह पाएंगे कि किसी भी पंचवर्षीय योजना में बेरोजगारी के निदान को एकमात्र उद्देश्य नहीं बनाया गया है। इस बात पर गौर करना होगा कि कृषि क्षेत्र की लगातार अनदेखी भी एक गलत आर्थिक निर्णय था। आजादी के बाद से लगातार इस क्षेत्र का आर्थिक अंशदान कम ही होता चला गया।

वर्तमान समय में यह उस बिंदु पर खड़ा है, जो इस क्षेत्र पर निर्भर रहने वाले लोगों की दयनीय आर्थिक स्थिति को खुद ब खुद स्पष्ट करता है। आज भी मुल्क की 50 प्रतिशत जनसंख्या कृषि क्षेत्र पर निर्भर है, परंतु कृषि क्षेत्र मात्र 15 से 20 प्रतिशत का ही अंशदान दे रहा है, तो यह समझा जा सकता है कि सबसे अधिक बेरोजगारी कृषि क्षेत्र में ही है। बेरोजगारी की समस्या के निराकरण हेतु मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर या उत्पादन क्षेत्र को बहुत पहले ही मुख्यधारा में ले आना चाहिए था, पर ऐसा नहीं हुआ। इसका अंतिम परिणाम यह है कि आज भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था में रहने वाले लोगों के पास भारत जैसे विशाल मुल्क में कृषि के अलावा आय का कोई अन्य स्रोत नहीं है। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर देश में आत्मनिर्भरता का एक मुख्य स्रोत बन सकता है तथा बहुत हद तक इससे बेरोजगारी की समस्या का निदान भी संभव हो सकता है।

इस पक्ष पर भी गौर किया जाए कि पिछले चार दशकों से लगातार अर्थव्यवस्था का संचालन कर रहा सर्विस सेक्टर भी बेरोजगारी के निवारण का मुख्य विकल्प नहीं बन पाया है। आंकड़े बताते हैं कि अर्थव्यवस्था में 60 से 70 प्रतिशत अंशदान देने वाला सर्विस सेक्टर मात्र 30 से 35 प्रतिशत जनसंख्या को ही रोजगार के विकल्प दे रहा है।

सर्विस सेक्टर की पहुंच अब भी ग्रामीण क्षेत्रों व छोटे शहरों तक नहीं बनी है। भारत का ऐसा युवा, जो आईटी क्षेत्र में पारंगत नहीं है, उसके लिए इस क्षेत्र में कोई रोजगार का स्रोत उपलब्ध नहीं है। तस्वीर का एक अन्य पक्ष यह भी है कि पिछले तीन दशकों से सूचना प्रौद्योगिकी के बढ़ते दबदबे से हर मां-बाप व अभिभावक पर अपने बच्चों के लिए इस क्षेत्र की महंगी शिक्षा को हासिल कराने का एक अनावश्यक दबाव बना है।

व्यवहारिक तौर पर देखा जाए, तो बेरोजगारों की बढ़ती संख्या के पीछे हमारे देश की कमजोर शैक्षणिक व्यवस्था भी है। हमारी शिक्षा हकीकत में विद्यार्थियों में न तो सामाजिक नेतृत्व करने की क्षमता को विकसित कर रही है और न ही शिक्षा का व्यावहारिक स्तर विकसित मुल्कों की तुलना में अच्छा है। बेरोजगारी से निपटने के लिए भाग्य को हथियार बनाने की बजाय विद्यार्थियों में शिक्षा के माध्यम से शुरुआती स्तर पर ही जोखिम लेने की समझ पैदा करनी चाहिए, ताकि वह एक सफल उद्यमी बन सकें।

सम्पादकीय

चुनाव उत्तर प्रदेश में और भूचाल बिहार में!

उपेन्द्र प्रसाद

उत्तर प्रदेश के चुनावी नतीजे आने के बाद बिहार में भाजपा क्या करेगी, उसकी पृष्ठभूमि तैयार की जा रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के 73 विधायक बन कर आए थे और जदयू के महज 43 विधायक। इस बात को भाजपा नहीं पचा पा रही है कि ज्यादा विधायक होने के बावजूद उसका मुख्यमंत्री वहां क्यों नहीं है। लेकिन वह नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाए रखने के लिए विवश है, क्योंकि वह अपने दम पर बहुमत की संख्या नहीं प्राप्त कर सकती। उसे या तो भारी संख्या में जदयू और कांग्रेस के सांसदों को तोड़ना होगा या विधानसभा का चुनाव करवाकर बहुमत हासिल करना होगा। उत्तर प्रदेश का चुनाव बिहार की राजनीति की धड़कनें बढ़ा रहा है। इसने न केवल सत्तारूढ़ भाजपा और जदयू के बीच तनाव पैदा कर दिया है, बल्कि जदयू की आतंरिक राजनीति को भी प्रभावित करना शुरू कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार जायसवाल नीतीश सरकार पर उस तरह आक्रामक हो गए हैं, जो पहले कभी बिहार में देखा नहीं गया था। गिरिराज सिंह जैसे नेता जब कभी नीतीश और उनकी सरकार की आलोचना करते थे, तो नीतीश कुमार और उनके लोग भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व से उनकी शिकायत करते थे और प्रायः केन्द्रीय नेतृत्व गिरिराज सिंह का मुंह बंद करवा देते थे। गिरिराज सिंह के वे बयान निजी हैसियत से दिए जाते थे, क्योंकि वे किसी पार्टी पद पर नहीं थे।

संजय जायसवाल तो प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष हैं और उन्होंने एक मुद्दे पर नहीं, बल्कि कई मुद्दों पर नीतीश सरकार और उनकी पार्टी की आलोचना की। जब जदयू के अध्यक्ष ललन सिंह अशोक के मुद्दे पर अपनी राय और मांग को प्रधानमंत्री के ट्विटर एकाउंट से टैग कर रहे थे, तो भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि जदयू नेता प्रधानमंत्री के साथ ट्विटर ट्विटर का खेल बंद करें। उसके पहले वे बिहार के लिए विशेष दर्जे की मांग की नीतीश सरकार की जिद का भी विरोध कर चुके हैं।

शराबबंदी के मसले पर तो अध्यक्ष जायसवाल ने विरोध में मुख्य विरोधी दल के नेता तेजस्वी यादव को भी पीछे छोड़ दिया। उनके लोकसभा क्षेत्र में विषाक्त शराब पीने से कुछ लोगों की मौत हुई थी। जायसवाल उनके परिवारों के बीच संवेदना व्यक्त करने गए थे और परिवारों को वित्तीय सहायता भी दी थी। जदयू के नेता जायसवाल की उस दरियादिली का विरोध कर रहे थे कि इससे शराबबंदी कानून के लागू करने में दिक्कत होती है। उनके कहने का मतलब था कि शराब पीकर मरने वालों के परिवार सहानुभूति के लायक नहीं हैं। कुछ दिन बाद ही नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा में भी जहरीली शराब पीने से कुछ लोगों की मौत हुई। जायसवाल ने खुद नीतीश कुमार पर ताना मारा कि वे अब मृत लोगों के परिवारों को जेल में डाल दें।

जाति जनगणना के मसले पर भी भाजपा और जदयू में मतभेद बना हुआ है। नीतीश कुमार जाति जनगणना कराना चाहते हैं, लेकिन भाजपा करवाने नहीं दे रही है। वैसे बिहार विधानसभा के में भाजपा विधायकों ने जाति जनगणना के पक्ष में मतदान किया था और भाजपा के नेता सुशील मोदी कहते रहे हैं कि केन्द्र सरकार जाति जनगणना नहीं कराएगी और राज्य सरकार चाहे तो खुद करा ले। लेकिन भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व के इशारे पर बिहार भाजपा के नेता इसका विरोधकर कर रहे हैं।

उपरोक्त घटनाओं को देखकर कोई कह सकता है कि वह बिहार का आंतरिक संघर्ष है और उसका उत्तर प्रदेश चुनाव से क्या लेना देना? लेकिन वास्तव में इन घटनाओं का उत्तर प्रदेश चुनाव से लेना देना है। उत्तर प्रदेश के चुनावी नतीजे आने के बाद बिहार में भाजपा क्या करेगी, उसकी पृष्ठभूमि तैयार की जा रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के 73 विधायक बन कर आए थे और जदयू के महज 43 विधायक। इस बात को भाजपा नहीं पचा पा रही है कि ज्यादा विधायक होने के बावजूद उसका मुख्यमंत्री वहां क्यों नहीं है।

लेकिन वह नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाए रखने के लिए विवश है, क्योंकि वह अपने दम पर बहुमत की संख्या नहीं प्राप्त कर सकती। उसे या तो भारी संख्या में जदयू और कांग्रेस के सांसदों को तोड़ना होगा या विधानसभा का चुनाव करवाकर बहुमत हासिल करना होगा। ऑपरेशन लोटस चलाकर भी भाजपा वहां अपनी सरकार बनवाती है, तो खाली सीटों पर हुए उपचुनावों में उसे अपने उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करवाना होगा। बिहार की जमीन पर वह नीतीश के साथ के बिना चुनाव जीत सकती है, इसका आत्मविश्वास उसके पास नहीं है, इसलिए वह नहीं चाहते हुए भी भाजपा को ढोने के लिए विवश है।

पहले भाजपा नेता पश्चिम बंगाल चुनाव के नतीजों का इंतजार कर रहे थे। यदि वहां भाजपा जीतकर अपनी सरकार बना लेती, तो वह बिहार में ऑपरेशन लोटस चलाकर अपनी सरकार बना सकती थी। बंगाल के जीत के बाद उसे आत्मविश्वास होता कि बिहार में भी वह नीतीश के बिना राजद को हरा सकती है। बंगाल में तो वह हार गई और नीतीश सरकार को जीवनदान मिल गया। अब वह उत्तर प्रदेश की ओर देख रही है। यदि वहां उसे भारी जीत मिलती है, तो फिर बिहार में वह तोड़-फोड़ की राजनीति कर अपनी सरकार बनाने की सोच सकती है और बिहार में भाजपा जिस तरह से नीतीश पर आक्रामक हो रही है, वह उसकी ही पृष्ठभूमि तैयार करने का प्रयास है। शराबबंदी को मुद्दा बनाकर भाजपा नीतीश सरकार से हाथ खींच सकती है।

उत्तर प्रदेश चुनाव ने जदयू की आंतरिक राजनीति को भी प्रभावित करना शुरू कर दिया है। जदयू कोटे से मोदी सरकार में मंत्री बने रामचन्द्र प्रसाद सिंह (आरसीपी सिंह) को नीतीश कुमार निपटाने में लग गए हैं। आरसीपी एक पूर्व नौकरशाह हैं, जो हैं तो बिहार के, लेकिन उत्तर प्रदेश के आईएएस कैडर में थे। वे नीतीश के स्वजातीय है। बेनीप्रसाद वर्मा जब केन्द्र में मंत्री थे, तो आरसीपी उनके निजी सचिव थे। नीतीश कुमार जब केन्द्र में मंत्री थे, तो उन्होंने भी आरसीपी को अपना निजी सचिव बना रखा था। बाद में नीतीश के कहने पर आरसीपी ने अपनी नौकरी से इस्तीफा दे दिया बिहार से राज्यसभा के सदस्य बन गए। नीतीश ने बाद में उन्हें जदयू का अध्यक्ष भी बना दिया। लेकिन अध्यक्ष होने का लाभ उठाते हुए आरसीपी नीतीश की इच्छा के विपरीत मोदी सरकार में मंत्री बन बैठे हैं।

यूपी चुनाव में नीतीश में आरसीपी को ही भाजपा से गठबंधन कर जदयू के लिए कुछ सीटें हासिल करने का जिम्मा दे दिया, जिसमें वे विफल रहे। अब उन्हें उत्तर प्रदेश जदयू की अभियान समिति का प्रमुख बना दिया गया है। लेकिन आरसीपी चुप हैं। वे चुनाव अभियान में हिस्सा लेते हैं, तो उन्हें योगी सरकार और भाजपा के खिलाफ बोलना पड़ेगा और नहीं हिस्सा लेते हैं, तो उन पर पार्टी अनुशासन तोड़ने का आरोप लगेगा।

'गांधी का मृत्यु बोध'

मनोज कुमार राय

महात्मा गांधी की मृत्यु को लेकर एक सवाल मन में गूंजता रहता है कि वह किसी षडयन्त्र का परिणाम थी या प्रभु की लीला थी। प्रश्न चुनौतीपूर्ण और जटिल है । परिस्थितियां ऐसी है जिनमें इसका अनुत्तरित रह जाना स्वाभाविक है। मृत्यु के दस दिन पूर्व,जब उनकी सभा में बम फेंका गया था तो उन्होंने कहा था, मूर्ख तुम देखते नहीं कि इसके पीछे एक भयंकर और व्यापक षडयन्त्र है। यह षडयन्त्र चलताऊ नहीं भयंकर और व्यापक था । फिर भी गांधी उस घटना से विचलित नहीं हुए। उनके मन में बम फेंकने वाले व्यक्ति के प्रति किसी तरह का आक्रोश भी नहीं था। हो भी क्यों उन्हें तो मनुष्य की अच्छाई और बुराई का सटीक ज्ञान था। वे तो मानते थे कि हर एक मनुष्य के अंदर सद- असद प्रवृत्तियां सदैव रहती हैं। इनका द्वन्द्व ही मनुष्य को गलत कार्य के लिए प्रेरित करता है। सद्वृत्ति को जागृत करने के लिए सतत अन्वीक्षण,परीक्षण एवं साधना की जरुरत पड़ती है। गांधी तो गीता-पुत्र थे। उन्होंने अपनी हर जरुरत के लिए गीता का ही सहारा लिया। गीता-माता ने उन्हें समता का सूत्र दिया था। गांधी ने उसे साधा था। अपने इसी साधना के बल पर उन्होंने विकारों पर नियंत्रण किया था। समता की साधना ने ही उन्हें मृत्यु के उसी रुप को जानने में सहायता की थी। उन्होंने कहा, मृत्यु तो छुटकारा है और उसका स्वागत उसी तरह किया जाना चाहिए जैसे कि किसी मित्र का किया जाता है। इतना ही नहीं उन्होंने तो मृत्यु के समय ब्रह्ममय स्थिति की संभावना का भी जिक्र किया है। लेकिन यह बोध रातों-रात उनके मन में नहीं उपजा था। इसके लिए उन्हें अपने को निरंतर खपाना पड़ा था। इसकी शुरुआत मरित्जबर्ग स्टेशन के उस काली रात से हुई जब उन्हें बिना कारण केवल रंग के आधार पर ट्रेन के डिब्बे से किसी वस्तु की भांति नीचे फेंक दिया गया था। एक तो अंधेरी रात,ऊपर से कड़ाके की ठंड और गरम कपड़े रेलवे वालों के पास ही रह गए थे। वे रात भर ठिठुरते रहे। उन्हें बोध हुआ, कैसे कोई दूसरों को दुख देकर आनंद व संतोष की अनुभूति करता है। उन्होंने मानवता के विरुद्ध चलने वाले इस जघन्य कृत्य के विरोध का निश्चय किया। अगली सुबह गांधी परिवर्तित हो चुके थे। शर्मीला गांधी 'जीवन के सत्व' को पा चुका था। उन्होंने अपने अंदर निहित सद्प्रवृत्तियों को पहचान लिया था ।

दक्षिण अफ्रीका में गांधी ने सामने आने वाली हर बुराइयों को जमकर विरोध किया। इसके एवज में उन्हें कभी जेल की यात्रा करनी पड़ी तो कभी लात-घूसों का सामना करना पड़ा। परंतु गांधी हार मानने वाले नहीं थे। हर बार वे मजबूत होकर उभरे- जब-जब मुझ पर मार पड़ी है और मेरा अपमान हुआ है, तब-तब मुझे अपनी भूलों को ज्ञान हुआ है और नया ज्ञान मिला है'। उनकी हार न मानने की प्रवृत्ति ने वहां के लोगों को और बौखला दिया। उन पर प्राणघातक हमला हुआ। वे वहां से किसी तरह बच निकले। पर परिजनों चिंता बढ़ गयी। उन्होंने एक पत्र में लिखा,यहां जो षडयन्त्र रचे जा रहे हैं उनको लेकर परेशान होने की जरुरत नहीं है। मेरी मृत्यु जिस दिन आनी है, उसी दिन आयेगी। कोई उसमें एक क्षण भी कम या यादा नहीं कर सकता। उन्होंने आगे कहा, मृत्यु से बचने का सर्वोत्तम मार्ग सदा मृत्यु के लिए तैयार रहना ही है।

जिन षडयन्त्रों से गांधी दक्षिण अफ्रीका में गुजरे थे, वे भारत में और विकराल रुप में सामने आये। परंतु उन्हें तो अब इसमें आनंद मिल रहा था। वे जीवन में मृत्यु और मृत्यु में जीवन देखने के आदी हो चुके थे। कई बार तो उपवास के दौरान अंग्रेजों ने उनकी मृत्यु की कल्पना भी कर ली थी। परंतु गांधी की आस्था उन्हें हर बार उस विषम स्थिति से उबार लेती थी - जिसे राम बचता है, उसे कौन मार सकता है। गांधी कभी मृत्यु से नहीं घबराते थे। वे जीवन में ही मरजीवा बनने के लिए प्रयत्नशील थे। यह बड़ी जटिल प्रक्रिया है। उसके लिए उन्हें स्थूल और सूक्ष्म जगत से संघर्ष करना पड़ा था। मनोविकारों को अनुशासित करने में उन्हें अपने जीवन को खपाना पड़ा था। उन्होंने जिस दृढ़ता और एकनिष्ठ समर्पण के साथ उसका सामना किया वह अद्वितीय है।

गांधी सही अर्थों में योगी थे। उन्होंने योग के तात्विक स्वरुप को समझा और साधा था। उसकी मूल चेतना में उनकी गहरी पैठ थी। उन्होंने अपने वक्तव्य से इसका परिचय भी दिया है- शास्त्रों के शब्दार्थ के पीछे पड़े रहकर हमें अपने धर्म की आत्मा का हनन नहीं करना चाहिए। यह ठीक है कि शब्द निश्चय ही अर्थसूचक होते हैं, किंतु मानो वे सजीव हो, इस तरह उनके अर्थ में ह्रास और विकास होता रहता है, इसलिए आदमी को केवल इन महान रचनाओं में निहित भगवान को ही पथप्रदर्शक के रुप में ग्रहण करना चाहिए। शास्त्र-मंथन और स्वानुभूति से जिस अनुशासन का नवनीत गांधी ने प्राप्त किया था, वह उनका पूरी तरह मार्ग-दर्शक था। उन्होंने कहा, जीवन को उसकी समग्रता में देखने और जीने का सफल प्रयास करना चाहिए । जीवन अविभक्त और अखंड इकाई है। उसे टुकड़ों में बांटकर देखना ठीक नहीं। लेकिन यह तभी संभव होगा जब कथनी और करनी का भेद मिट जायेगा। भेद से प्रेरित दृष्टि जन्म-मरण के रहस्य को समझने में असमर्थ होती है। गांधी जैसे लोग तो इस दुनिया को एक रंग-मंच मात्र मानते हैं,और जागरुक ढंग से अभिनय-रत रहकर, अपनी भूमिका का सार्थक निर्वाह करते हैं। वे इस बात को जानते हैं कि जन्म और मृत्यु का चक्कर तो हमारे साथ हमेशा ही लगा रहता है और यदि जन्म से हमें हर्ष होता है तो उस हर्ष को आने वाली मृत्यु के ज्ञान के जरिए काट देना चाहिए, और यदि मृत्यु का शोक हो तो भावी जन्म के ज्ञान से उस दुख का निकारण कर देना चाहिए। यही निराकरण विवेक उत्पन्न करता है और जीवन को मृत्यु के पचड़े से बचाता है।

महात्मा गांधी ने प्राणि-मात्र के अंदर ईश्वर से सजीव रुप को देखा। उन्होंने अपने में सबको और सबमें अपने को देखा। उन्हें अपने मानसिक और शारीरिक यातना के माध्यम से ही उन करोड़ो लोगों के अभिशप्त जीवन से एक अन्तर्दृष्टि प्राप्त हुई और उन्होंने अपनी वेदना को उनकी वेदना से जोड़कर जीवन और मृत्यु के एक लोकोन्मुख व्यापक दर्शन का निर्माण किया जो उनके सत्य, अंहिसा और सत्याग्रह के अभिनव दर्शन का प्रेरक तत्व सिद्ध हुआ। उन्होंने कहा, यदि हमें जीवन में भगवान का भय रहा है और हमने अपनी आत्मा की आवाज के खिलाफ कुछ नहीं किया है तो हमें मृत्यु का कोई भय नहीं होना चाहिए। उस स्थिति में तो मृत्य एक बेहतर परिवर्तन मात्र है, इसलिए वह एक स्वागतयोग्य परिवर्तन है इससे कोई शोक नहीं होना चाहिए।

इंसान के जीवन का सपना जितना स्पष्ट, मूर्त और लोक मंगलकारी होता है, उसकी मृत्यु की कल्पना भी उतनी ही उदात्त, भयमुक्त और लोकहितकारी होती है। अध्यात्म में जीवन और मृत्यु को लेकर पर्याप्त विचार किया गया है और दोनों को बड़ा कष्टमय माना गया है- 'जनमत मरत दुसह दुख होई'। इससे जन-जीवन में मृत्यु को लेकर बड़ा भय व्याप्त रहता है। गीता के अध्ययन, सत्य के प्रति दृढ़ आस्था और अहिंसा में एकान्तिक निष्ठा के कारण गांधी ने अपने ढंग से मृत्यु का आदर्श दिया- मृत्यु से मानव के सब प्रयत्नों का अंत नहीं हो जाता। यदि मृत्यु से प्रयत्नों का अंत हो जाता तो यह शाश्वत विधान, जिसे हम ईश्वर कहते हैं, एक विडम्बना मात्र बन जाता । यह परम्परा से चले आ रहे विचारों पर आधारित है। फिर भी इसमें उनकी सत्याग्रह की अहिंसक भावना और लोक-हित के लिए कष्ट-सहन की तत्परता के कारणा गुणात्मक परिवर्तन आ गया है। वे कहते हैं, जो सत्याग्रही हैं, उन्हें तो न केवल मृत्यु के प्रति निर्भय रहना सीखना चाहिए, बल्कि उसका सामना करने को तैयार होना चाहिए और जब कर्तव्य को पालन करते हुए हमारे सामने मृत्यु आये तब उसका स्वागत करना चाहिए। .... मैं ऐसी ही मौत की कामना करताहूँ'।

भगत सिंह और अन्य क्रान्तिकारियों को लेकर उनके प्रति उनके विरोधियों ने जमकर दुष्प्रचार किया। जनता के बीच उन्हें दोषी साबित करने की कोशिश की गयी। भगत सिंह की फांसी के बाद जब लोगों ने गांधी को पंजाब जाने से रोका तो उन्होंने उसे अस्वीकार कर दिया। यह प्रस्ताव उनके सिद्धांत के विरुद्ध था । वे तो सदैव यह मानते रहे हैं कि एक ओर तो आप मरने के लिए अवश्य तैयार रहें और दूसरी और अपने वर्तमान कर्तव्य को निभाने में इस तरह संलग्न रहे; मानों कि आप अमर हैं, आपको कभी मरना नहीं हैं। इसी आदर्श को अपनाकर उन्होंने अपनी यात्रा पूरी की। वे तो जीवनभर अपनी आस्था के बल पर मृत्यु को केवल चिर-निद्रा व विस्मृति मात्र मानते रहे'।

वैयक्तिक और राष्ट्रीय जीवन में देवासुर संग्राम चलता ही रहता है। कब हमें असुर भरमाता है और कब देवता रास्ता बताता है,यह हम सदा नहीं जान सकते।इसलिए सदा जागरुक रहने की जरुरत पड़ती है। परंतु यह पथ आसान नहीं है। गांधी ने स्वीकार भी किया है, मै मार्ग जानता हूँ। वह सीधा और संकरा है। वह तलवार की धार की तरह है। मुझे उस पर चलने में आनंद आता है। इस आनंद की रसानुभूति के लिए गांधी को तप करना पड़ा है। आस्था को मजबूत बनाना पड़ा है। वे कहते हैं, भविष्य की सरदारी का इजारा, ईश्वर ने अपने ही हाथ में रखा है। हमें उसने विश्वास रुपी नौका दी है। यदि उसमें हम बैठें तो सहज ही शंका रुपी समुद्र को पार कर जायेंगे।

गांधी की मृत्यु संबंधी अवधारणा के अनेक पक्ष हैं। उन्होंने इस पर लगातार चिंतन-मनन किया है। इसके रहस्य को उन्होंने अपने तरीके से उद्घाटित भी किया है। संत मृत्यु के माध्यम से क्षण-भंगुरता पर प्रकाश डालकर, व्यक्ति को भगवान की ओर लगाने का प्रयास करते हैं। गांधी को देश की आजादी के लिए संघर्ष करना था, वे कृष्ण की भूमिका में थे। उनके चतुर्दिक आक्रमण हो रहे थे। वे एक कुशल नर्तक की भांति सारे आक्रमणों को बखूबी झेल रहे थे। उन्होंने उदात्त उद्देश्य की रक्षा हेतु अंहिसक ढंग से शहीद होने के आदर्श को सामने रखा। उन्होंने कहा, शहीद होने की कामना नहीं करनी चाहिए। वह तो तब विशेष महत्वपूर्ण और आनंद पूर्ण होता है जब अनपेक्षित ढंग से प्राप्त हो।

गांधी ने अपनी मृत्यु के बारे में आनंद हिंगोरानी से बातचीत के दौरान कहा था कि मेरी जन्मकुंडली में लिखा है कि मेरी मृत्यु वीरोचित होगी। आगे वीरोचित को और स्पष्ट करते हुए गांधी ने कहा, मेरी मृत्यु या तो फॉसी के तख्त पर होगी,या हत्यारे की गोली से। वह बातचीत 1933 की है- अर्थात् मृत्यु से करीब पन्द्रह वर्ष पूर्व। कितनी सटीक भविष्यवाणी है अपने मृत्यु के बारे में। संतों के साथ यही होता है। वे सब कुछ जानते हुए भी अपने कर्तव्य-पथ पर पढ़ते रहते हैं। वे जीवन और मृत्यु में कोई भेद नहीं मानते। उनकी दृष्टि में तो जीवित रहने के लिए मरना आवश्यक है। गांधी मृत्यु को विश्राम की एक अवस्था मानते हैं। कन्फयूशियस को उद्धत करते हुए उन्होंने लिखा है- मृत्यु के द्वारा प्रत्येक व्यक्ति उसी में लीन हो जाता है जहां से वह आया था। प्राचीन काल के लोग मृत्यु को अपने घर लौटना और जीवन को घर से बाहर रहना मानते थे'। गांधी तो ज्ञानी थे। वे घर लौटने और घर से बाहर होने के रहस्य से भली भांति परिचित थे। इसलिए उनकी दृष्टि में मृत्यु का अर्थ शरीर की समाप्ति है। उसके भीतर रहने वाली आत्मा की नहीं।

आजादी के साथ ही मुल्क के बंटवारे का षड्यंत्र फिर अपने रौद्र रुप में मानवता के समक्ष प्रकट हुआ। अभूत पूर्व हिंसा और रक्तपात का नंगा नाच चला। गांधी को चैन कहां। वे चल पड़े उस घिनौने कृत्य से निबटने। इतिहास खूनी कलम से लिख जा रहा था। सरकारी मशीनरी असहाय थी। देश में आसुरी प्रवृत्तियां गतिशील थीं। मनुष्य दुष्कर्म और निरीह बचों की हत्या में समाधान खोज रहा था। यह सब गांधीके लिलए असहय था। सामूहिक विध्वंस के इस खेल में गांधी ने खुद को झोंक दिया। वे दंगाग्रस्त इलाकों में अकेले घूमने लगे - तेरे साथ कोई भी नहीं आता है, तो भी तू अकेला ही चलता जा। तेरे साथ ईश्वर तो है।

उन्होंने अपने भोजन और विश्राम के लिए भी अपने को दुश्मनों के आश्रित कर दिया। यह उनके अंहिसा की अग्नि परीक्षा थी। इसका सामना करने लिए उनमें अंतर्निहित शक्ति उमड़ पड़ी। वातावरण सामान्य होने लगा। कत्ल और लूट करने वाले उन्हें अपना हथियार सौंपने लगे। प्रत्येक समुदाय के लोग उनके साथ हो गये। कई आश्चर्यजनक घटनाएं घटी। एक गांव में एक उन्मादग्रस्त व बदनाम व्यक्ति गांधी के समक्ष आ खड़ा हुआ। उसने गांधी की गर्दन पकड़ ली और उसे दबाकर उनकी हत्या करने का प्रयत्न करने लगा। गांधी ठहरे परम साधु । वे तो साधना की उस उचतम अवस्था में थे जहां बैर भाव का अस्तित्व नहीं होता। वे सहज भाव से अड़िग आस्था के साथ चुपचाप खड़े रहे । अंततोगत्वा अंहिसा के इस बड़े साधक के समक्ष उसने खुद को असहाय पाया। वह रोते हुए उनके पैरों पर गिर पड़ा - अंहिसायां प्रतिष्ठायां तत्सन्निधौ वैरत्यागः।

यह तो सर्वविदित है कि प्रकृति ही सर्वश्रेष्ठ वैद्य है। वही संपूर्ण है उसका विधान भी संपूर्ण है। गांधी को इसका भान था। अक्सर 125 वर्ष जीने की इछा व्यक्त करने वाले गांधी अब अपनी उस इछा की छोड़ चुके थे। कभी बालू से कांग्रेस से बड़ा आन्दोलन खड़ा करने की ताकत रखने वाले गांधी वह कहते सुने गये कि 'अब उनकी कोई नहीं सुनता'। स्पष्ट था कि वे अपने अंतकाल को जान गये थे। वे कहा करते थे,ईश्वर ही जानता है उसे मुझसे क्या काम लेना है। उसे अपने काम के लिए जब तक आवश्यकता है, उससे एक क्षण भी अधिक वह मुझे रहने नहीं देगा। संत का ह्रदय तो पूर्ण पारदर्शी होता है। यह तो अपने बारे में सब कुछ जान लेता है- अपरिग्रह स्थैर्य जन्मकथन्तासंबोधः। अपने अंतिम समय को गांधी जान गये थे। पर वे उसे चिंतित नहीं थे। हो भी क्यों सभी को किसी न किसी दिन मरना है। मृत्यु से कोई बच नहीं सकता। फिर उससे डरना क्या गीता से भी उन्हें यही ज्ञान मिला था- वासंसि जीर्णानि यथा विहाय नवनि गृह्णतिनरो पराणि और जातस्य हि ध्रवोमृत्युध्रुवं जन्म मृतस्य च। रही बात षडयन्त्र की, तो गांधी इससे भी विचलित नहीं थे। उनकी दृष्टि में भय अंहिसा के सिध्दांत के खिलाफ होगा। उनका मानना था कि बहादुर की अंहिसा-भावना का प्रमाण तो उनके मृत्यु के समय ही हो पायेगा। वह भी तब जब कोई हत्या कर दे और वे उस हत्यारे के लिए प्रार्थना करते हुए मरें।

कथनी को करनी में बदलने का समय भी नजदीक आता जा रहा था। गांधी अंदर ही अंदर उसका अनुभव करने करने लगे थे। दिसंबर 1947 में उन्होंने कहा, इस आलीशान भवन में मैं -मित्रों से घिरा हुआ हूँ। परंतु मेरे भीतर शांति नहीं है। मैंने 125 वर्ष जीने की अभिलाषा छोड़ दी है'। चारों तरफ घुप्प अंधकार छाया हुआ था । कल तक जो लोग गांधी के इशारे पर सर्वस्व लुटाने को तैयार रहते थे, अब वे ही उनसे कतराने लगे थे। जीवन भर जिस गांधी ने सत्य के साक्षात्कार को अपना ध्येय माना था, उसी से लोग सत्ता की लालच में झूठ बोलने लगे थे। गांधी तो सब कुछ जानते थे। फिर भी वे शांत थे। कोलाहल के बीच शांति की,अंधकार के बीच प्रकाश की और निराशा के बीच आशा की खोज करना उन्होंने दक्षिण अफ्रिका में ही सीख लिया था।

1930 में गांधी ने घोषणा की थी, मैं जानता हूँ कि यदि मैं स्वाधीनता संग्राम के बाद भी जीवित रहा, तो शायद मुझे अपने देशवासियों से अंहिसक लड़ाइयां लड़नी पड़ें और वे उतनी ही उग्र हो सकती हैं जितनी उग्र मैं आज लड़ रहा हूँ'। जनता उन्हें महात्मा के रुप में पूजती थी। उन पर जनता का भरोसा था। परंतु दूसरी तरफ षडयंत्रकारी और सत्ता-लोलुपों को यह बात पसंद नहीं थी। उन्हें अब गांधी पसंद नहीं थे। गांधी अब उन्हीं के लिए बाधक सिद्ध होनेवाले थे। गांधी उनकी आखें की किरकिरी बने हुए थे। उन सबको लगता था कि किसी प्रकार गांधी से मुक्ति मिलनी चाहिए, तभी समाज में उनका वर्चस्व फिर से कायम हो सकेगा। गांधी ने भी जान लिया था कि अब समय आ गया है, जब इस पुराने मंदिर को छोड़ दिया जाय। उनकी भाषा बदल गयी अब तो मेरी यही प्रार्थना है कि वह मुझे समय आने पर बहादुरी से मृत्यु का सामना करने की शक्ति दे। अब मृत्यु रुपी विश्राम की प्रतीक्षा में थे गांधी - न दैन्यं न पलायनम । मृत्यु से कौन बचा है गांधी स्वयं को कृष्ण का पुजारी कहते थे । बात पूरी तरह से स्पष्ट थी । पुजारी की मृत्यु भी अपने आराध्य के तई ही होगी। पर दूसरे कैसे इसका अनुभव करें इसमें दूसरे का अनुभव काम नहीं आता। इसमें तो स्वंय जलना पड़ता है। गांधी जल रहे थे। उन्होंने कहा, मै भट्ठी में पड़ा हूँ। चारों ओर आग धधक रही है।

नोआखली के बाद अब दिल्ली की बारी थी। यहां भी साम्प्रदायिक दंगा अपने पूरे शबाब पर था। क्लान्त और जर्जर गांधी ने पुनःशक्ति संजोयी ओर इस जघन्य कृत्य के खिलाफ उठ खड़े हुए। उन्होंने उपवास शुरु कर दिया। लोग चिंता में पड़ गये। बापू ने यह क्या किया वे कमजोर थे। अतः लोगों की चिंता बढ़ती जा रही थी। परंतु ब्रम्हचर्य की साधना करने वाले गांधी के पास अद्भुत ताकत आ गयी थी 'ब्रम्हचर्य प्रतिष्ठायां वीर्यलाभः'। अन्ततः शांति-स्थापना के साथ ही उनका उपवास टूटा। बापू बच गये। लोग प्रफुल्लित थे। पर बापू नहीं क्योंकि बचना सबको अछा लगता है, इसलिए बच जाते है तो ईश्वर का उपकार मानते हैं। किंतु सच पूछा जाये तो हर हालत में और हर समय उसका एहसान ही मानना चाहिए। इसी का नाम समत्व है। और गांधी तो पचास वर्षों से इसी समत्व की साधना कर रहे थे। वे तो तुलसी के हानि-लाभ जीवन-मरन यश-अपयश विधि हाथ- मूलमंत्र को ह्रदयंगम कर चुके थे। इसलिए उन्हें मृत्यु से किसी प्रकार का भय नहीं था।उन्हें तो मृत्यु में शांति की दरकार थी। गांधी ने मोक्ष प्राप्ति की अभिलाषा की थी। वे जानते थे कि मोक्ष हेतु कर्म का सर्वथा क्षय होना भी आवश्यक है। अतः इस नश्वर शरीर का त्याग भी जरुरी है। उन्होंने कहा भी किसी-न किसी बहाने उन्हें पुराना मंदिर छोड़ना पड़ेगा। फिर इछा हो तो नये मंदिर में जा बसें या यदि यह पिंजड़ा एकदम छोड़ना ही पड़े तो वायु में वास करें और स्वतन्त्रता का सुख लूटें।

जैसे-जैसे गांधी का अंतिम समय नजदीक आता जा रहा था, वे लोगों को संकेत करते जा रहे थे। मृत्यु से ठीक दो महीने पहले हरिजन में उन्होंने लिखा, जब समय अयेगा- जिसकी कल्पना की जा सकती है- तो मैं अपना परामर्श सुस्पष्ट शब्दों में लिखकर छोड़ जाउंगा, किसी को उसका अनुमान लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। और,उन्होंने एक पत्रकार के यह पूछने पर कि आपका संदेश क्या है एक कागज पर स्पष्ट शब्दों में गांधी ने लिखकर दिया - मेरा जीवन ही मेरा संदेश है। परामर्श उन्होंने दे दिया। यह परामर्श (अथवा संदेश) सार्वकालिक और सार्वजनीन है। इस संदेश में ऋषियों की वाणी सन्निहित है। इससे संतों की जीवन-दृष्टि समझी जा सकती है। वह जीने की कला है। इस संदेश में सर्वोदय की अभीप्सा है। परंतु गांधी का थोड़ा-सा कार्य अभी भी शेष था- संगठन के ढांचा का प्रारुप। जिस कांग्रस को उन्होंने कुछ मुट्ठीभर जन से जन-मानस तक पहुंचाया था उसके लिए भी परामर्श देना था। वक्त कम था। उधर अंतिम वेला भी सन्निकट थी। गांधी ने कभी कहा था कि सची मित्रता में मिलने यहां तक कि पत्र-व्यवहार की भी कोई जरुरत नहीं होती'। उन्होंने मृत्यु को सदा मित्र ही माना था। अतः एक सचे मित्र की भांति मृत्यु ने उन्हें अपना मूक संदेश भेज दिया था। इसीलिए वे जल्दी-जल्दी सब काम निपटा रहे थे।

26 जनवरी 1948 !

मुलाकातियों का दौर जारी। सभी कार्य प्रतिदिन की भांति सुचारु रुप से किये जा रहे थे। दूसरों को क्या पता कि गांधी के मन में क्या चल रहा है। वे तो उन्हें रोज की ही भांति देख व सुन रहे थे। पर गांधी को तो जल्दी थी। कांग्रेस का मसौदा अभी भी पूरा नहीं हो पाया था। उन्होंने लिखा, मेरा सिर चकरा रहा है, फिर भी मुझे पूरा करना ही होगा। - मुझे भय है कि आज मुझे देर रात जागना होगा। रात को जब वे सोने के लिए गये तो उन्होंने अपने सिर पर तेल मालिश करने वाले व्यक्ति से कहा, याद रखो कि अगर कोई आदमी गोली मार कर मेरे प्राण ले ले .... और मैं कराहे बिना उस गोली का सामना करूं और राम नाम लेते हुए मेरे प्राण निकल जाये तो ही मेरा दावा सचा साबित होगा'। दावा था सत्य के साक्षात्कार का । क्योंकि गांधी के दृष्टि में सची बात का पता तो मरते समय ही लगता है। ठीक ऐसी ही बात गांधी ने 28 जनवरी को राजकुमार अमृत कौर से कही थी। मृत्यु से दो दिन पहले की बात है यह। गांधी ने अपने मृत्यु के तरीके और व्यक्ति को बतला दिया। परंतु आवरण के कारण बुद्धि बेचारी का बस नहीं चलता।अतः लोग उनके संकेत को नहीं समझ पाये।

30 जनवरी 1948 !

रोज की भांति गांधी सुबह 3.30 बजे उठ गये। प्रार्थना के बाद रात का बचा काम पूरा किया। फिर अपने दैनिक कार्य में व्यस्त। सुबह के एक पत्र में गांधी पुनः लिखते हैंमृत्यु हमारा सचा मित्र है। आत्मा कल भी थी आज भी है और कल भी रहेगी।.... वे सुबह की सैर के लिए न जा सके। अतः कमरे में ही टहलने लगे। मनु बहन उनके साथ नहीं थी। वह चूर्ण तैयार करने में लगी थी। गांधी ने मनु बहन को संकेत कियाः कौन जानता है रात पड़ने से पहले क्या होगा अथवा मैं जीता भी रहूंगा कि नहीं'। टहलने के पश्चात् फिर से लोगों से मुलाकात में व्यस्त। लोगों की समस्याओं को सुन रहे थे, उसका निराकरण कर रहे थे। तीसरे पहर जब कुछ मौलाना बंधु उनसे निवेदन करने आये कि शायद गांधी सेवाग्रम से 14 फरवरी तक दिल्ली लौट सकेंगे। गांधी ने कहा, मुझे आशा तो जरुर है। परंतु मुझे भरोसा नहीं कि मैं परसों भी दिल्ली छोड़ सकूंगा। वक्त के प्रति अत्यन्त पाबंद गांधी ऐसा क्यों कह रहे थे, लोग समझ नहीं पाये। इतना ही नहीं, पत्रकारों के यह पूछने पर कि अखबारों में खबर है कि आप एक फरवरी को सेवाग्राम जानेवाले हैं गांधी ने कहा,हां अखबारों ने तो घोषणा की है।..... लेकिन मैं नहीं जानता कि वह गांधी कौन है

वक्त तेजी से गुजर रहा था। गांधी लगभग सारे कार्यों को अंजाम दे चुके थे। उन्हें अपने मित्र (मृत्यु) की पदचाप स्पष्ट सुनायी दे रही थी। फिर भी वे शांत थे -हममें श्रध्दा तो होनी ही चाहिए कि हम समझ लें कि जीवन को ठीक ढंग से बिताने के बाद आने वाली मृत्यु पहले से अछे और अधिक समृध्द जीवन का आरंभ होती है।सरदार पटेल और नेहरु के बीच कुछ मतभिन्नता थी। उसी संदर्भ में पटेल गांधी से बात करने आये थे। बातचीत कुछ लंबी चली। प्रार्थना में दस मिनट देर हो चुकी थी। प्रार्थना में किसी तरह का देर गांधी को पसंद नहीं था - प्रार्थना आत्मा का आहार होती है। अतः उसमें किसी भी तरह का देर नहीं होना चाहिए। मनु बहन ने उनका ध्यान घड़ी की तरफ दिलाया।गांधी ने पटेल से विदा ली और अपने कदम फुर्ती से प्रार्थना स्थल की तरफ बढ़ा दिया। रास्ते में ही उनसे किसी ने कहा कि कठियावाड़ से आये दो कार्यकर्ता मुलाकात का समय मांग रहे है। गांधी ने अपने समानान्तर अपने अतुलनीय मित्र मृत्यु को चलते देखा।उन्होंने कहला भेजा-उनसे कह दो कि प्रार्थना के बाद आ जायें। मै जीवित रहा तो उनसे उस समय मिलूंगा'। इसके बाद गांधी स्वभावानुकूल मौन हो गये।प्रार्थना स्थल में पहुँचने के बाद यही नियम था। .... और जब गांधी के होंठ खुले तो उनके मुंह से शांत और मंद स्वर में राम-रा..... म शब्द निकले ।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

वेदांशिका सिटी कार्यालय पर किया गया झंडारोहण

संवाददाता

लखनऊ। गोमती नगर के वास्तु खंड कठौता झील के निकट स्थित वेदांशिका सिटी कार्यालय पर चीफमैनेजिंग डायरेक्टर विनय कुमार कश्यप ने झंडारोहण किया। बहुजन समाज पार्टी के मुख्य सेक्टर संयोजक लखनऊ मंडल राकेश कुमार गौतम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर बहुजन समाज पार्टी के मुख्य सेक्टर संयोजक विनय कश्यप, राकेश गौतम, वेदांशिका सिटी के रीजनल मैनेजर विवेक भटनागर, बृजेश कुमार कश्यप , गोविंद मिश्रा, गोविंद कश्यप कुलदीप सिंह, आशीष सिंह, राजेश शुक्ला ,प्रदीप कुमार, रत्नेश पांडे ,दीपक कश्यप, रजत तिवारी, सुरेंद्र कश्यप, विनोद रावत, सुनील कुमार श्रीवास्तव, तान्या मिश्रा, अनीता प्रभाकर, उषा निषाद, प्रवीण उपाध्याय, रोमा प्रकाश , अनुपमा पटेल, सचिन कश्यप सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

संविधान 26 जनवरी सन 1950 को लागू हुआ उसी दिन से हम लोग गणतंत्र दिवस मनाते चले आ रहे ह

संवाददाता

लखनऊ। आज 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान संस्थान के निदेशक डॉ.शीर्षेन्दु शीलष्विपिनष् द्वारा ध्वजारोहण किया गया । संस्थान के द्वारा संचालित विभिन्न परियोजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि संस्थान शिक्षा के क्षेत्र में ही नहीं वरन सेवा के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है । जिसमें विभिन्न जनपदो में वृद्धाश्रम संचालित किए जा रहे हैं जहां पर विभिन्न प्रकार के निराश्रित पुरुष व महिलाएं परिवार तुल्य रहकर सेवा का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। इन लाभार्थियों को निरूशुल्क भोजन, आवास के साथ चिकित्सा की व्यवस्था भी निरूशुल्क है । संस्थान द्वारा सेवा के क्षेत्र में राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त किया जा चुका है ।

प्राचार्य वीके बाजपेई ने किया जवाहर नवोदय विद्यालय में ध्वजारोहण

संवाददाता

लखनऊ। जवाहर नवोदय विद्यालय पिपरसंड सरोजनी नगर में प्राचार्य वीके बाजपेई ने ध्वजारोहण किया। संचालन मिस अनुष्का राय ने किया। मास्टर सत्यम यादव, मास्टर रक्षित तिवारी ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर शिक्षक अरुण कुमार, एस एन यादव, प्रभात मारवाह उप प्रधानाचार्य ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मास्टर आशुतोष सिंह, मास्टर सोमेंद्र मौर्या ने देशभक्ति के गीत प्रस्तुत किए। अंत में प्राचार्य वीके बाजपेई ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए समारोह को संबोधित किया।

चौपाल में मनरेगा मजदूरों ने एसडीएम से की शिकायत

पिरौना। ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी से की शिकायत जिंसमे बताया कि पिछले दिनों मनरेगा योजना के अंतर्गत किए गए कार्य का भुगतान न होने से, जॉबकार्ड पर हाजिरी नही चढ़ाई जाने की और फर्जी लोगो का भुगतान करने की एसडीएम से शिकायत की उपजिलाधिकारी ने कहा कि इसकी गहराई से जांच की जाएगी

जीवन का बहुमूल्य धन है स्वस्थ शरीर- डॉ. पांडेय

गल्ला मंडी रोड पर दांत अस्पताल का हुआ लोकार्पण

संवाददाता

गोण्डा । नगर के बड़गांव पुलिस चौकी- गल्ला मंडी रोड पर गायत्री ज्ञान मंदिर के निकट स्थित नवनिर्मित शुक्ला डेंटल हॉस्पिटल का लोकार्पण गुरुवार को पूर्वाहन कोविड-19 के दिशानिर्देशों के अनुरूप वैदिक रीति से पूजन अर्चन के साथ हुआ।

मुख्य अतिथि के चेयरमैन डॉ. ओ.एन. पांडेय ने फीता काटकर उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में कार्यक्रम में मौजूद नगर के संभ्रांत नागरिकों

को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन का सबसे बहुमूल्य धन स्वस्थ शरीर होता है। उत्तम स्वास्थ्य के बगैर संसार की दुर्लभ भौतिक उपलब्धियां सुख-सुविधाएं सब व्यर्थ है।

विशिष्ट अतिथि मेहनौन विधायक विनय कुमार शुक्ल उर्फ मुन्ना भैया ने कहा कि शरीर को स्वस्थ रखने के लिए परिवार पर्याप्त श्रम के साथ शरीर को ऊर्जा देने के लिए उचित आहार विहार और बीमारी की स्थिति में तत्काल उपचार करना चाहिए। अस्पताल के स्वामी तुलसीपुर विधानसभा के प्रभारी भाजपा नेता अरुण कुमार शुक्ल ने आगंतुक नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बताया कि शुक्ला डेंटल अस्पताल में दंत रोग की चिकित्सा एवं परीक्षण के लिए आधुनिक उपकरण की व्यवस्था उपलब्ध है। यहां डॉ. श्रद्धा शुक्ला एवं डॉ. आशीष शुक्ला द्वारा महिला - पुरुष मरीजों की दिन-रात देखभाल की जाएगी ।

इस मौके पर शेष मणि तिवारी,संतोष मिश्र, अभिजीत पाण्डेय, प्रदीप मिश्रा, रमेश पाण्डेय, उत्तम शुक्ल, इंजीनियर अविनाश मणि तिवारी उर्फ हरसू तिवारी आदि मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ चौधरी मैरिज लॉन श्याम नगर कानपुर में मनाया गया

संवाददाता

लखनऊ। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कानपुर ने 73 वा गणतंत्र दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ में चौधरी मैरिज लॉन श्याम नगर कानपुर में मनाया ! आज के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कानपुर प्रांत के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल बीएस राठौर ने दीप प्रज्वलन करके झंडा फहराया !

इस गणतंत्र दिवस पर्व पर प्रांत के महामंत्री सूबेदार मेजर पुष्पेंद्र सिंह कोषाध्यक्ष कैप्टन महेश सिंह कानपुर जिला के अध्यक्ष सूबेदार हार्मोन सिंह महामंत्री वारंट ऑफीसर केएन त्रिपाठी तथा गणमान्य सदस्यों ने भाग लिया ! कर्नल बीएस राठौर ने गणतंत्र दिवस के बारे में जानकारियां दी तथा वहां पर उपस्थित सदस्यों का हौसला बढ़ाया ! गणतंत्र दिवस पर्व की कुछ झलकियां ! जय हिंद जय भारत ! सूबेदार मेजर पुष्पेंद्र सिंह भदोरिया महामंत्री अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कानपुर प्रांत ने उक्त जानकारी दी।

अनोखे अमर शहीद बाबा दीप सिंह जी का जन्मोत्सव मनाया गया

संवाददाता

लखनऊ। सिख पंथ के महान योद्धा अनोखे अमर शहीद बाबा दीप सिंह जी के आगमन दिवस बाबा दीप सिंह के फाउंडेशन की ओर से श्री गुरु सिंह सभा ऐतिहासिक गुरुद्वारा नाका हिंडोला लखनऊ में बड़ी श्रद्धा एवं सत्कार के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रातः की दीवान श्री सुखमनी साहिब के पाठ से आरम्भ हुआ उसके उपरांत हजूरी रागी जत्था भाई राजिन्दर सिंह जी ने अपनी मधुर वाणी में पवित्र आसा की वार का अमृतमयी शबद कीर्तन गायन किया तत्पश्चात सहज पाठ की समाप्ति के उपरांत श्री अमृतसर से पधारे रागी जत्था भाई सुरेंद्र सिंह मनी जी ने समूह संगत के साथ चौपहरा (गुरबाणी पाठ) एवं शब्द कीर्तन गायन किया। मुख्य रूप से पधारे सिंह साहब ज्ञानी जसविंदर सिंह जी पूर्व हैड ग्रंथी श्री दरबार साहिब श्री अमृतसर साहिब ने गुरमति विचारों द्वारा कथा व्याख्यान किया। परम्परागत वेषभूषा में सुसज्जित पाँच

प्यारों द्वारा अमृत अभिलाषियों को अमृतपान करवाया गया। दिन भर चलने वाले कार्यक्रम का संचालन सतपाल सिंह मीत ने किया। इस अवसर पर बच्चों के लिये गुरमति प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी बच्चों को पुरस्कार दिये गये। लखनऊ गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष स0 राजेन्द्र सिंह बग्गा जी ने सिंह साहिब ज्ञानी जसविंदर सिंह जी पूर्व मुख्य ग्रंथि श्री दरबार साहिब श्री अमृतसर जी एवं रागी जत्थों को स्मृति चिन्ह एवं गुरू घर का सम्मान सिरोपा भेंट कर सम्मानित किया। पूर्व डी जी पी एवं सांसद श्री बृजलाल जी ने गुरू महाराज जी के चरणों में माथा टेक आशीर्वाद प्राप्त किया सिंह साहब ज्ञानी जसविंदर सिंह जी ने उनको बाबा दीप सिंह जी अवार्ड भेंट किया। जत्थेदार जसबीर सिंह की अगुवाई में अमृत संचार कराया गया जिसमें 30 लोगों ने अमृतपान किया । बाबा दीप सिंह जी फाउंडेशन संस्थापक मनमोहन सिंह हैप्पी ने बताया राजेंद्र सिंह बग्गा के संयोजन में होने वाले इस कार्यक्रम में सतपाल सिंह मीत हरविंदर पाल सिंह नीटा और हरमिंदर सिंह टीटू दीपा अरोड़ा बलजीत सिंह टोनी कमलजीत सिंह मौजूद थे समाप्ति के उपरांत गुरू का लंगर श्रद्धालुओं में वितरित किया गया। सिंह साहिब ज्ञानी जसविंदर सिंह जी पूर्व मुख्य ग्रंथि श्री दरबार साहिब (स्वर्ण मंदिर) श्री अमृतसर ने बाबा दीप सिंह जी के जीवन पर प्रकाश डाला दीवान की समाप्ति श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के ऊपर गुलाब के फूलों की वर्षा की गई।

तीन दिवसीय जागरूकता अभियान कवच का शुभारंभ किया गया

संवाददाता

लखनऊ। ममता संस्था द्वारा एचसीएल फाउंडेशन के सहयोग से गर्भवती महिलाओं में कोविड टीकाकरण को बढ़ाने के लिए तीन दिवसीय जागरूकता अभियान कवच का शुभारंभ किया गया है इस जागरूकता अभियान की शुरुआत नगरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इंदिरा नगर की अधीक्षका डॉक्टर रश्मि गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर किया अभियान के बारे में जानकारी देते हुए ममता संस्था के प्रोग्राम मैनेजर क्षमाशील वर्मा ने बताया कि कोविड टीकाकरण को लेकर गर्भवती महिलाओं में तमाम प्रकार की भ्रांतियां हैं जिससे वह कोविड टीकाकरण करवाने से डरती है कोविड टीकाकरण बढ़ाने और समाज में इसके प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से इस अभियान का आरंभ

किया गया यह अभियान 3 दिन तक चलेगा और खरगापुर जुगौली खुर्रम नगर रहीम नगर त्रिवेणी नगर के अलग-अलग स्थानों पर जाकर जागरूकता करने का प्रयास किया जाएगा इस मौके पर डॉक्टर रश्मि ने कहा कि इस जागरूकता अभियान से गर्भवती में महिलाओं में जो कोविड टीकाकरण के भ्रांतियां खत्म होगी और ज्यादा से ज्यादा महिलाओं का टीकाकरण हो सकेगा जिससे कोविड-19 जैसी भयानक बीमारी से उनका बचाव होगा और वह स्वस्थ रुप से गर्भावस्था के समय सुरक्षित रह पाएंगी इस मौके पर प्रमुख रूप से डॉक्टर रुबीना डॉक्टर फातिमा डॉक्टर एम के सिंह एसीएमओ डॉक्टर रुचि सौम्या डॉक्टर आर्य मनोज कुमार भ्म्व् महेश प्रसाद लैब टेक्नीशियन नीलम श्रीवास्तव गायत्री सोनकर प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

लोकतंत्र के पर्व, यूपी के निर्वाचन में सभी से वोट डालने का अनुरोध किया

संवाददाता

लखनऊ। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद और भारतीय पूर्व सैनिक लीग कन्नौज ने 73 वा गणतंत्र दिवस बड़े ही उत्साह से मनाया। लोकतंत्र के पर्व, यूपी के निर्वाचन में सभी को वोट डालने का अनुरोध किया। कानपुर ने 73 वा गणतंत्र दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ में चौधरी मैरिज लॉन श्याम नगर कानपुर में मनाया ! आज के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कानपुर प्रांत के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल बीएस राठौर ने दीप प्रज्वलन करके झंडा फहराया ! इस गणतंत्र दिवस पर्व पर प्रांत के महामंत्री सूबेदार मेजर पुष्पेंद्र सिंह कोषाध्यक्ष कैप्टन महेश सिंह कानपुर जिला के अध्यक्ष सूबेदार हार्मोन सिंह महामंत्री वारंट

ऑफीसर केएन त्रिपाठी तथा गणमान्य सदस्यों ने भाग लिया ! कर्नल बीएस राठौर ने गणतंत्र दिवस के बारे में जानकारियां दी तथा वहां पर उपस्थित सदस्यों का हौसला बढ़ाया ! गणतंत्र दिवस पर्व की कुछ झलकियां ! जय हिंद जय भारत ! सूबेदार मेजर पुष्पेंद्र सिंह भदोरिया महामंत्री अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कानपुर प्रांत ने उक्त जानकारी दी।

गोलागंज बारुदखाना आवासीय समिति ने किया झंडारोहण

संवाददाता

लखनऊ। भारत के 73 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर लखनऊ के बारुदखाना स्थित विश्वेश्वर नाथ पार्क में प्रत्येक वर्ष की भांति गोलागंज बारूदखाना आवासीय समिति व सर्वेश्वर महादेव कार्यसेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में भव्य झंडारोहण का कार्यक्रम आयोजित किया गया और निश्चित समय पर ही प्रातः 11रू00 बजे क्षेत्र के सबसे वरिष्ठ व्यक्ति डॉक्टर के के श्रीवास्तव के द्वारा झंडारोहण कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया । झंडारोहण के उपरांत बच्चों के रंगारंग कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया जिसमें छोटे छोटे बच्चों ने देशभक्ति के गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया। लगभग 1 घंटे तक चले इस कार्यक्रम में दर्जनों बच्चों ने हिस्सा लिया जिसमें 2 वर्ष से लेकर 14

वर्ष तक की आयु के बच्चे और बच्चियां शामिल थे। बच्चों की इस प्रस्तुति से कार्यक्रम में आए सभी लोग बहुत उत्साहित थे। रंगारंग कार्यक्रम के उपरांत निर्णायक मंडल के द्वारा प्रथम द्वितीय व तृतीय पुरस्कार की घोषणा की गई और साथ ही अन्य सभी प्रतिभागी बच्चों को सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रथम पुरस्कार विजेता आराध्या अवस्थी, द्वितीय पुरस्कार ज्ञानेश्वरी , तृतीय पुरस्कार विराट पांडे को दिया गया। सभी पुरस्कृत बच्चों को एक साथ मंच पर बुलाकर उनका ग्रुप फोटो भी कराया गया।इस अवसर पर गोलागंज बारूदखाना आवासीय समिति के अध्यक्ष निखिलेश अस्थाना, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनीत माथुर, महासचिव पं.अनुराग मिश्र,उपाध्यक्ष मनन चौधरी, कोषाध्यक्ष मुकेश सक्सेना एवं सर्वेश्वर महादेव मंदिर कार्यसेवा समिति के पंडित राम मिलन चौबे,अमरेंद्र मिश्रा इत्यादि अनेक गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही।

न्यू मॉडर्न पब्लिक स्कूल एवं पिछड़ा मुस्लिम मोमिन समाज संगठन के कार्यालय पर ध्वजारोहण हुआ

बीकेटी महोना लखनऊ। गणतंत्र दिवस के मौके पर न्यू मॉडर्न पब्लिक स्कूल महोना के प्रबंधक रमेश चंद रावत बाबूजी ने ध्वजारोहण करके बच्चों और शिक्षकों को गणतंत्र दिवस की बधाई दी और विद्यालय प्रांगण में मिठाई बांटी गई प्रबंधक ने सभी बच्चों एवं अभिभावकों को एवं शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी वहीं पर पिछड़ा मुस्लिम मोमिन समाज संगठन के कार्यालय नगर पंचायत महोना में संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहम्मद अकील खान ने झंडारोहण करके प्रदेश को खुशहाली और तरक्की के लिए सभी प्रदेशवासियों को मिलजुल कर प्रदेश को आगे ले जाने की आवश्यकता है प्रदेश की खुशहाली

और विकास के लिए सब को एकजुट रहने की जरूरत है गणतंत्र दिवस में शामिल एडवोकेट राम कुमार संगठन के प्रदेश महासचिव मोहम्मद रईस प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद आदिल खान प्रदेश सचिव हाशिम बेग युवा सपा नेता तौहीद खान के अलावा बहुत से नगर पंचायत महोना के गणमान्य लोग मौजूद थे ?

युवा मोर्चा ने पतंग उड़ा किया भाजपा का प्रचार

लखनऊ। गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा लखनऊ महानगर अध्यक्ष मानवेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में लखनऊ की विधानसभाओं की सभी मंडलों में युवा मोर्चा द्वारा भगवा पतंग पर सोच ईमानदार काम दमदार , गरीबों को मुफ्त राशन , बिना भेदभाव की भर्ती, बहू बेटियों को अधिकार यूपी मांगे फिर भाजपा सरकार आदि स्लोगन लिखकर के पतंग उड़ाया गया। युवा मोर्चा मीडिया प्रभारी अभय उपाध्याय ने बताया कि युवा मोर्चा लगातार ही क्षेत्र में प्रचार प्रसार कर रहा है लाभार्थी संपर्क अभियान के तहत गली गली घर घर पहुंच कर कार्यकर्ता सरकार की योजनाओं के बारे में बता रहे हैं।

भाजपा प्रत्याशी अलका सिंह अर्कवंशी ने दर्जनों गांव पहुंचकर बुजुर्गों से लिया जीत का आशीर्वाद

संवाददाता

हरदोई। संडीला विधानसभा क्षेत्र में चुनावी बिगुल बजते ही भाजपा प्रत्याशी अलकासिंह अर्कवंशी ने क्षेत्र के दर्जनों गांवों का सघन दौराकर घर-घर पहुंचकर जनसम्पर्क करते हुए पुनः मोदी व योगी सरकार बनाने के मद्देनजर सभी से समर्थन की अपील कर कमल का फूल चुनाव निशान पर वोट मांगे और बुजुर्गों से जीत का आशीर्वाद प्राप्त किया। गावों में जगह जगह शुभचिन्तकों द्वारा हुए स्वागत से अभिभूत अलकासिंह अर्कवंशी ने कहा कि भाजपा ही सर्व समाज की सच्ची हितेषी एक मात्र राजनैतिक पार्टी है जिसने परिवारवाद के अलावा जाति धर्म सम्प्रदाय से अलग हटकर सबका साथ सबका विकास की भावना से गरीबों, असहायों, किसानों, छात्रों, व्यापारियों, नौजवानों, बेरोजगारों व महिलाओं के हितों में अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की और दबंग, गुंडों, अपराधियों पर नियंत्रण कर भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया कोरोना काल में भी देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी जी के कुशल नेतृत्व व सूझबूझ से जनता ने राहत की सांस ली ।जिसे गांव की जनता भली भांति समझ रही है। उन्होंने विश्वास दिलाते हुए कहा कि सण्डीला विधानसभा मेरी सेवा की सच्ची कर्मभूमि है मैं सभी को अपने परिवार का सदस्य मानतीं हूँ जनता के दुःख दर्द में हमेशा दिन रात सहभागी रहूंगी किसी को भी कोई परेशानी उठानी नहीं पड़ेगी । उन्होंने औना देवकली महीठा, बंगालपुर, हीरूपुर, प्रहलादखेड़ा, नेवादादखलौल, मिश्राखेड़ा, भरावन, तुलसीपुर, बिलरिया, शिवपुरिया फत्तेपुर आदि गांवों में जनसंपर्क कर समर्थन मांगा और बुजुर्गों से विजय का आशीर्वाद प्राप्त किया।

राष्ट्रीय युवा वाहिनी ने 73 वें गणतंत्र दिवस को बडी धूमधाम से मनाया

संवाददाता

लखनऊ। 73 वे गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय युवा वाहिनी परिवार ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पं. श्रीकान्त उपाध्याय की अध्यक्षता में बड़ी धूमधाम से बूंदी बटवाकर गणतंत्र दिवस मनाया। पं. श्रीकान्त उपाध्याय ने बताया कि 73 वे गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में यह प्रोग्राम रखा गया है। सभी संगठन के पदाधिकारियों ने संकल्प लिया है। कि देश की एकता व राष्ट्र के दुश्मनों को पनपने नही देंगे। उन्होंने यह भी बताया कि देश की आजादी में सर्व समाज के लोगो ने बलिदान दिया है। जिनके बलिदान का कर्ज कोई भी नही चुका सकता। आज हम गुलामी की जिंदगी जी रहे होते। अगर हमारे पूर्वजों ने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ व बलिदान न दिया होता। तो यह जिंदगी हम नही जी सकते थे। कुछ राजनैतिक दल भी इसी प्रकार सडयंत्र कर देश को पुनः गुलाम कराना चाहते है। जो कतई बर्दाश्त नहीं होगा। देश का युवा वर्ग जागरूक है। उसे पता है कि ऐसे देश विरोधियों से कैसे निपटना है और देश के लोगो को शुभकामनाएं व बधाई दी।

सविंधान की रक्षा के लिए शत प्रतिशत करें मतदान- हयात जफर हाशमी

कानपुर। एमएमए जौहर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हयात जफर हाशमी ने गणतंत्र दिवस की 73 वीं वर्षगांठ के अवसर पर शहर के विभिन्न क्षेत्र में ध्वाजारोहण किया ।भारतीय संविधान की रक्षा के लिए आम जनमानस आगे आए जनता की उदासीनता की वजह से संविधान विरोधी ताकत को बल मिलता है हाशमी ने कहा कि इस बार भारत से मोहब्बत करनी वाली आवाम शत प्रतिशत मतदान कर

भारतीय लोकतंत्र को मजबूत करे वोट ही ऐसी ताकत है जिसकी बुनियाद पर आप अच्छे प्रत्याशी का चयन कर सकते हैं।

ताकि आप अपने क्षेत्र, विधानसभा, शहर, प्रदेश व देश का विकास करा सकते हैं। ध्वाजारोहण के सभी स्थानों पर आयोजकों द्वारा मिठाई वितरण की गयी । इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष हयात जफर हाशमी, हाफिज मोहम्मद फैसल जाफरी, मुफ्ती हनीफ बरकाती, मुफ्ती साकिब अदीब मिस्बाही, मौलाना जहूर आलम, जावेद मोहम्मद खान, मोहम्मद ईशान, हाफिज वाहिद अली रजवी, अबुल हसन, हाजी मोहम्मद नासिर, फैसल मंसूरी, आदि मौजूद रहे ।

मौनी रॉय ने की बॉयफ्रेंड से शादी

फेमस एक्ट्रेस मौनी रॉय और सूरज नाम्बियार ने शादी कर ली है। उनकी वेडिंग सेरेमनी की पहली तस्वीरें भी सामने आ गई हैं। फोटो में मौनी ने रस्मों को निभाने के बाद सूरज को गले लगा लिया है। इनकी शादी मलयालम रीति-रिवाजों से हुई है। मौनी रॉय और सूरज नाम्बियार की शादी का वीडियो भी सामने आ चुका है। इसमें शादी होने के बाद आसपास मौजूद फैमिली मेंबर्स और फ्रेंड्स बेहद खुश दिखाई दे रहे हैं। वो हूटिंग भी कर रहे हैं। ये देखकर सूरज और मौनी भी मुस्कुराने लगते हैं। दुल्हन बनीं मौनी रॉय बेहद खूबसूरत दिखीं। उनकी एक फोटो वायरल हो रही है, जिसमें सूरज उन्हें मंगलसूत्र पहना रहे हैं और रिश्तेदार उन पर फूलों की बारिश कर रहे हैं। मौनी ने अपनी शादी में बंगाली स्टाइल में 'पट्टू' साड़ी को चुना। सफेद रंग की बनारसी सिल्क साड़ी पर लाल बॉर्डर बना है। उन्होंने गोल्ड हैवी ज्वैलरी को चुना। वो बहुत सुंदर लग रही हैं। वहीं, सूरज ने क्रीम कलर का कुर्ता और सफेद रंग का पायजामा पहना। मौनी रॉय को दुल्हन के रूप में देखने के लिए फैंस बेताब थे और अब उनकी पहली झलक सामने आ गई है। मौनी के सिंपल लुक के साथ-साथ उनकी ज्वेलरी ने लोगों का ध्यान खींचा है। उन्होंने कमर में एथनिक कमरबंद, हाथों में हैवी चूड़ियां और गले में भी हैवी नेकपीस पहना है। मौनी और सूरज की शादी गोवा में हुई है। दोनों की प्री-

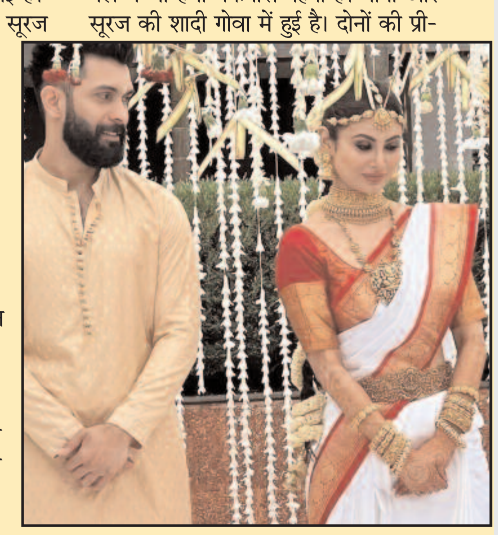

वेडिंग सेरेमनी भी वहीं पर हुई। उनकी हल्दी और मेहंदी की फोटोज सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। इस सेरेमनी में मंदिरा बेदी, अर्जुन बिजलानी सहित कई सिलेब्स शामिल हुए।

प्रणय झा-अंजलि अरोरा का डेब्यू सांग 'ओ हमनशी' लॉन्च

सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर युवाओं को वीडियो सॉन्ग को युवा देखना पसंद कर रहे हैं तो नए अभिनेताओं के लिए लॉंच के लिए एक ख़ास प्लेटफ़ॉर्म भी साबित हो रहा है। एक ऐसे ही खूबसूरत और रोमांटिक सॉन्ग ओ हमनशी के साथ युवा

दिल्ली ब्वॉय प्रणय एक्टिंग को लेकर काफ़ी उत्साहित है प्रणय बताते हैं मुझे निर्माता पवन मिश्रा जी ने जब इस गाने का कांसेप्ट शेयर किया तो मेरा सबसे पहले यह सवाल था कि मुझे एक वीडियो सॉन्ग से अभिनय कैरियर की शुरुआत क्यों करनी चाहिए।

अभिनेता प्रणय झा अपनी एक्टिंग करियर की शुरूवात कर रहे हैं। मुंबई में साग की लांचिंग हुई इस अवसर पर निर्माता पवन मिश्रा निर्देशक, प्रमोद शास्त्री और प्रणय झा उपस्थित थे 'ओह हमनशी' में प्रणय झा सोशल मीडिया सेंसेशन अंजलि अरोरा के साथ रोमांस करते नज़र आएँगे।

कश्मीर की हसीन वादियों में छुट्टियाँ मनाने आए प्रणय को होटल में अंजलि को देखते ही पहली नज़र का प्यार हो जाता हैं। अंजलि प्रणय का पूरा ध्यान रखती हैं तो आँखों से ओझल होने पर प्रणय अंजलि के बिना बेचैन हो जाता हैं। प्रणय अंजलि को कश्मीर की ख़ूबसूरत नज़ारों में देखता रहता हैं। अंजलि प्रणय के सपनो और हक़ीक़त दोनो का हिस्सा बन जाती हैं। ओ हमनशी गाने में कश्मीर की खूबसूरत लोकेशन के बैकड्रॉप पर प्रणय और अंजलि की इमोशनल प्यारी और मासूम लव स्टोरी हैं।

यूनिवर्सल एंटरटेनमेंट बैनर के तले निर्मित रोमांटिक गीत ओ हमनशी गाने के निर्माता पवन मिश्रा हैं और कश्मीर की खूबसूरत लोकेशन पर गाने को प्रमोद शास्त्री ने निर्देशित किया हैं यासर देसाई की रोमांटिक आवाज़ में ओह हमशीन के गीतकार और संगीतकार राशिद खान हैं और गाने को जी म्यूजिक द्वारा ओ हमनशी गाने को रिलीज किया गया हैं। दिल्ली ब्वॉय

प्रणय एक्टिंग को लेकर काफ़ी उत्साहित है प्रणय बताते हैं मुझे निर्माता पवन मिश्रा जी ने जब इस गाने का कांसेप्ट शेयर किया तो मेरा सबसे पहले यह सवाल था कि मुझे एक वीडियो सॉन्ग से अभिनय कैरियर की शुरुआत क्यों करनी चाहिए। फिर निर्देशक प्रमोद शास्त्री की ब्रीफिंग के बाद मुझे गीत में अभिनय और स्टोरी टेलिंग दोनो का बहुत स्कोप नज़र आया। मेरे लुक को काफ़ी स्टाइलिस्ट रखा गया हैं स्क्रीन पर दर्शकों को मेरी और अंजलि की केमेस्ट्री पसंद आएँगी।

निर्माता पवन मिश्रा ने बताया कि हम इस गाने के लिए रंक रोमांटिक लोकेशन चाहते थे और कश्मीर से अधिक सुंदर और रोमांटिक जगह और क्या हो सकती हैं निर्देशक प्रमोद शास्त्री ने बताया कि प्रणय के अभिनय में बहुत विविधता हैं और इस गाने के साथ एक स्टोरी भी हैं प्रणय कहानी के किरदार को अपने अभिनय से जीवंत कर देते हैं। युवाओं को यह साँग बहुत पसंद आएगा। नवोदित अभिनेता प्रणय झा ने पवन मिश्रा के प्रति आभार व्यक्त किया था, जिन्होंने उन पर विश्वास दिखाया है। उन्होंने कश्मीर के लोगों को उनकी गर्मजोशी और शानदार आतिथ्य के लिए धन्यवाद दिया। इस उन्होंने कहा कि यहाँ से मेरा सफ़र शुरू होता हैं मैं अभिनय में अर्थपूर्ण भूमिकाए करना चाहता हूँ।

सैयामी खेर लेकर आ रही है ' फाड़ू'

सैयामी खेर फिलहाल अश्विनी अय्यर तिवारी के साथ अपनी अगली प्रोजेक्ट फाड़ू की शूटिंग कर रही हैं और इस निर्देशक की दुनिया का हिस्सा बनने के लिए वह काफी उत्साहित हैं। सैयामी अश्विनी अय्यर की तारीफ़ करते हुए कहती हैं कि, ÷वे कहते हैं कि जो होना होता है , वह हमेशा अपना रास्ता खोज ही लेता है, ठीक उसीतरह मैं फाड़ू के बारे में महसूस करती हूं। अश्विनी के साथ काम करना मेरी टू-डू लिस्ट में था। उन्होंने नील बटे सन्नाटा, बरेली की बर्फी और पंगा के जैसी शानदार फिल्में की है। मैं खुदको आश्वस्त महसूस करती हूं कि मैं सुरक्षित हाथों में हूं।÷ अश्विनी अय्यर के साथ एक शेड्यूल पूरा करने के बाद अपने अनुभवों के

बारे में बात करते हुए सैयामी कहती है कि अय्यर के साथ काम करना वह सब कुछ है जिसका उन्होंने सपना देखा था। इस श्रृंखला की दुनिया काव्यात्मक और निहित है। अश्विनी मैम के प्रोजेक्ट्स में हमेशा मजबूत महिला के किरदार होते हैं। मैं आभारी हूं कि उन्होंने मुझे मंजिरी की भूमिका निभाने की जिम्मेदारी दी है। वह छोटी छोटी चीजों पर भी बहुत ध्यान देती है। उनका सेट पर म्यूजिक प्ले करना काफी दिलचस्प बात है। इस शो के अलावा सैयामी खेर ताहिरा कश्यप की अपकमिंग फिल्म शर्माजी की बेटी में नजर आने वाली है। तथा नए सीजन ब्रीद ־ इनटू द शैडो और आनंद देवरकोंडा के साथ हाईवे में भी दिखाई देंगी।

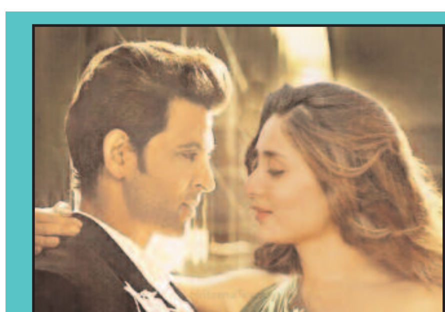

करीना के साथ फिर जोड़ी जमायेंगे ऋतिक!

बॉलीवुड के माचो हीरो ऋतिक रौशन और करीना कपूर की जोड़ी फिर साथ नजर आ सकती है। ऋतिक रोशन ने करीना कपूर के साथ मैं प्रेम की दीवानी हूं, कभी खुशी कभी गम और यादें जैसी फिल्मों में काम किया है। फैंस इस जोड़ी को ऑनस्क्रीन एक बार फिर देखने के लिए उत्सुक हैं। बताया जा रहा है कि ऋतिक और करीना को एक साथ फिल्म करने के लिए एप्रोच किया गया है। इस फिल्म को जंगली पिक्चर्स द्वारा निर्मित किया जाएगा। फिल्म का टाइटल उलज है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म अभी प्रोसेस में हैं। यदि सब कुछ सही रहा तो लंबे अरसे के बाद ऋतिक और करीना की जोड़ी फिल्मों में नजर आयेगी।

नेटफ्लिक्स ने सीरीज 'द डिप्लोमेट' की घोषणा की

ओवर द टॉप (ओटीटी) मंच नेटफ्लिक्स ने अपनी राजनीतिक कहानियों पर आधारित सीरीज 'द डिप्लोमेट' की घोषणा की। इस सीरीज में आठ एपिसोड होंगे। इसकी कहानी देबोरा काह्न ने लिखी है और वही इसकी निर्माता हैं। पत्रिका 'वैरायटी' की खबर के अनुसार, 'द डिप्लोमेट' नेटफ्लिक्स के साथ काह्न के नए समझौते के तहत बनाई जा रही पहली सीरीज है। यह एक राजनयिक के करियर पर केन्द्रित है। नेटफ्लिक्स की ड्रामा डेवलपमेंट की उपाध्यक्ष जिनी होवे ने कहा, ''मैंने 'द वेस्ट विंग' सीरीज सहित काह्न के कई शानदार काम देखे हैं। उन्हें पता है कि कहानी को शानदार तरीके से कैसे बयां करना है...'द डिप्लोमेट' में भी उनका वही काम नजर आएगा। हम नेटफ्लिक्स पर उनका स्वागत करने को उत्साहित हैं।''

'दरदिया बड़ा तंग कइले बा' गीत हुआ वायरल

भोजपुरी फिल्मों की क्वीन नीलम गिरी और सिंगर देवानंद देव नया सांग दरदिया बड़ा तंग कइले बा वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल से रिलीज किया गया है।

सिंगर देवानंद देव जब भी कोई गाना लेकर आते हैं तो वह गाना अलग ही मिजाज का होता है। चाहे वह लोकगीत हो, सैड सॉन्ग या रोमांटिक गाना, वह श्रोताओं को खूब पसंद आता है। इस क्रम में देवानंद देव का गाया हुआ मस्ती भरा सांग दरदिया बड़ा तंग कइले बा जारी होते ही छा गया है। इस गाने में नीलम अपने देवर से शिकायत करती नजर आ रही हैं। हर बार की तरह इस बार भी सांग में नीलम गिरी के एक्सप्रेशन्स कमाल के दिख रहे हैं। सांग ने सोशल मीडिया में आते ही आग लगा दी है। गाना तेजी से देखा व सुना जा रहा है।

वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स प्रस्तुत दरदिया बड़ा तंग कइले बा को देवानंद देव ने अपने मधुर स्वर से सजाया है। इसका संगीत बाबूलाल जी ने दिया है।

दंगल टीवी के शो 'रंग जाऊं तेरे रंग में' में आया सबके होश उड़ाने वाला ट्विस्ट

दंगल टीवी का यूनिक शो रंग जाऊं तेरे रंग में पहले एपिसोड से ही दर्शकों का दिल जीत रहा है। बहुत सारे ट्विस्ट और टर्न होने के साथ शो एक ऐसा सोशल ड्रामा है जिसमें भारतीय सभ्यता और नारी सशक्तिकरण की झलकियां स्पष्ट रूप से नजर आती हैं।

हिट शो रंग जाऊ तेरे रंग में के फैंस के लिए एक बड़ा ट्विस्ट आने वाला है। ध्रुव और सृष्टि की शादी हो रही है, लेकिन कहानी में मोड़ तब आता है जब ठीक विवाह से पहले सृष्टि गायब हो जाती है, वह कहां गई है, यह एक राज़ है मगर सृष्टि के घरवालों की इज़्ज़त दांव पर लग जाती है ऐसे में सृष्टि की छोटी बहन धानी एक बड़ा कदम उठाती है और समाज मे अपने परिवार की लाज बचाने के लिए वह एक ऐसी भारतीय नारी का रूप धारण करती है, जो परिवार को बिखरने और टूटने से बचाती है। और यही दंगल टीवी के इस शो की खासियत है, अगर इसमे ड्रामा है, टर्न ट्विस्ट है तो बहुत बड़ा सामाजिक सन्देश भी है। इसी वजह से दर्शको ने इतनी जल्दी इस शो को सिर आंखों पे बिठा लिया है।

शो में किस्मत का खेल धानी को एक ऐसे मुकाम पर ले जाता है जहां उसके लिए निर्णय लेना आसान नहीं होता मगर धानी एक भारतीय सशक्त नारी होने का फर्ज निभाती है, जो दर्शकों के दिलों को छूने वाला लम्हा होगा। उधर मंडप में बैठा ध्रुव इन तमाम बातों से अंजान है। अब आगे क्या होगा, सृष्टि कहाँ है, इसके लिए आपको इंतज़ार करना होगा और रंग जाऊं तेरे रंग में के आने वाले दिलचस्प एपिसोड देखने होंगे।

धानी का रोल प्ले कर रही मेघा रे ने बताया कि इस वक्त हमारे शो में हाई इंटेंस ड्रामा चल रहा है। दर्शक अपने अपने हिसाब से अंदाजा लगा रहे हैं कि शो में आगे क्या होगा? लेकिन मैं यकीन के साथ कह सकती हूं कि दर्शक जैसा सोच रहे हैं वैसा कुछ नहीं होगा। ताजा सीक्वेंस में सृष्टि शादी के दिन मिसिंग है मगर सिर्फ अकेली धानी ही है जो यह सोच रही है कि दीदी ऐसा क्यों करेगी? वह कहीं भाग नहीं सकती, क्योंकि वह बचपन से अपनी बहन को देखती आई है। लेकिन कोई धानी की बात मान ही नहीं रहा है। ऐसे में घरवाले धानी को इमोशनल ब्लैकमेल भी कर रहे हैं। ऐसे में धानी एक मुश्किल दौर से गुजर रही है। हालांकि धानी बड़ी खुशमिजाज और हंसी मजाक करने वाली लड़की है, लेकिन अब उसकी जिंदगी में भी एक बड़ा बदलाव आने जा रहा है।

सृष्टि दीदी बड़ी सुलझी हुई हैं। ऐसे में शादी के दिन उनका गायब होना हम सबके लिए शॉकिंग पल रहा। क्योंकि यह उम्मीद सृष्टि से किसी ने नहीं की थी। घरवालों को शक इसलिए हो रहा है क्योंकि उन्होंने एक अंजान लड़के के साथ सृष्टि को देखा था। धानी तो अबतक नहीं मानती कि वह भाग गई है। धानी का कहना है कि ध्रुव को सृष्टि के गायब होने के बारे में बता दिया जाए मगर घरवाले उसे ऐसा करने नहीं दे रहे हैं कि दोनों खानदान की इज़्ज़त दांव पर लग जाएगी। घर के बड़ों ने इस मामले में कुछ फैसला लिया है, लेकिन धानी इसके खिलाफ है। धानी एक ऐसी भारतीय लड़की है जो अपने माँ बाप परिवार वालों के लिए अपने सपने को छोड़ सकती है। वह कालेज में पढ़ाई कर रही है मगर सबकुछ साइड करके वह ऐसे लम्हों में परिवार को इमोशनल सपोर्ट करने के लिए आगे आती है।

सृष्टि चौबे का रोल कर रहीं केतकी कदम ने कहा कि शो का यह ट्विस्ट दर्शकों को 440 वोल्ट का झटका देगा। मैं इतना कहूँगी कि लोगों को जल्द जज करना ठीक नहीं होता है, इंसान बुरा नहीं होता, सिचुएशन बुरी होती है। सृष्टि घर से भागी है, गायब हुई है, उसके साथ कुछ बुरा हुआ है, इसके लिए आपको रंग जाऊं तेरे रंग में देखना होगा। लेकिन इस ट्विस्ट से सबके होश उड़ने वाले हैं। इस शो में चैतन्य अदीब सुरेंद्र चौबे, हिमाक्षी उज्जैन गीता चौबे के रूप में, केतकी कदम सृष्टि चौबे और मेघा रे धानी चौबे के रूप में हैं। वहीं पांडे परिवार में, सुदेश बेरी ने काशीनाथ पांडे, करम राजपाल ने ध्रुव पांडे, उदित शुक्ला ने अभिषेक पांडे, उर्वशी उपाध्याय ने रूपा पांडे, मीणा मीर ने चाची की भूमिका और दीक्षा धामी ने पूजा पांडे की भूमिका निभाई है। दंगल टीवी पे रंग जाऊं तेरे रंग में सोमवार से शनिवार रात 9־30 बजे प्रसारित किया जाता है।

नारी को नोंचने वाले ये नरपिशाच!

सच में ही यह समय धोर कलियुग का है। ऐसा कोई अखबार,न्यूज चैनल बुलेटिन नही जिसमें किसी अबला के साथ ब्लात्कार या फ्रि सामूहिक ब्लात्कार की खबर न दी गई हो। गांव, कस्बा,शहर और महानगर से लेकर दूर जंगलो में रहने वाली आबादी में भी नारी की देह को जबरन नोंचने वाले नरपिशाचों की कमी नही है। न कोई रिश्ता सुरक्षित है और न ही मान मर्यादा सुरक्षित रह गई है। कस्बा मंगलौर में एक नरपिशाच द्वारा एक अबला के मकान में रात के समय जबरन धुसकर धर में मौजूद किशोरी के साथ न सिर्फ ब्लात्कार किया बल्कि धर की वृद्धा द्वारा विरोध करने पर वृद्धा को अपनी कार से नरपिशाच द्वारा कुचल दिया गाया और ब्लात्कार करने के बाद किशोरी को भी जबरन जहर पिला दिया। इस दिल दहला देने वाली धटना के दोषी नरपिशाच को हालाकि सत्र न्यायालय द्वारा सजा ए मौत का फैसला सुनाया गया तो भी नारी जाति के साथ यौन शौषण की धटनाएं रूकने का नाम नही ले रही है। हद तो यह है कि नारी का जबरन देह शोषण करने और मानसिक संताप देने में समाज का बडा तबका भी पीछे नही है। उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अशोक कुमार गांगुली पर एक प्रशिुक्षु वकील के साथ यौन शोषण का गम्भीर आरोप लगा है। तो उत्तराखण्ड के अपर ग्रह सचिव पद पर रहते हुए जे पी जोशी नामक प्रशासनिक अधिकारी एक महिला को नोकरी दिलाने का झांसा देकर उसका यौन शोषण करते रहे। जिसकारण अब उक्त अधिकारी जेल की सलाखो के पीछे है और राज्य सरकार द्वारा भी उनका निलम्बन कर दिया गया है। अपनी बेबाक पत्रकारिता के लिए प्रसिद्ध रहे तरूण तेजपाल अपनी ही साथी महिला पत्रकार को अपनी हवस का शिकार बना बैठे। जिसकारण उन्हें भी जेल की चक्की पीसनी पड़ रही है। इतना ही नही पहले सन्त आशाराम बापू एक नाबालिग लड़की के साथ दुराचार मामले में जेल गए और जमानत न होने के कारण जेल में अपने कुकर्मों का भोग भोग रहे है वही उनका बेटा भी बलात्कार के आरोप में पांच लाख का इनाम धोषित होने के बाद पुलिस के हत्थे चढ़कर जेल जा चुका है। राजनीति के पुरोधा रहे नारायण दत्त तिवारी तो राज्यपाल जैसे गरिमामयी पद से इसी कारण हटाये गये थे कि एक स्टींग आपरेशन के तहत वे कई महिलाओ के साथ एक समय में कथित आपत्तिजनक स्थिति में दिखाये गये थे। इन धटनाओं को देखकर लगता है कि इन दिनों नारी सकंट के दौर से गुजर रही हैं जिधर देखों नारी शोषण की धटनाए हो रही है।नारी न धर में सुरक्षित है और न बाहर। नारी को भोग की वस्तु मानने वालों में आम समाज के लोग ही नही सभ्रान्त समाज के लोग भी शामिल है। जिस आशाराम को दुनिया बापू कहकर सम्मान देती रही वही बापू नारी की अस्मितता को तार तार करने वाले व्याभिचारी निकले। इसी तरह उक्त न्यायाधीश द्वारा प्रशिक्षु महिला अधिवक्ता के साथ किया गया देह शोषण का मामला हो या तहलका के सम्पादक तरूण तेजपाल द्वारा अपनी ही पत्रकार साथी के साथ किया गया बलात्कार का मामला हो इन सब धटनाओं से देश भर में नारी असुरक्षित हुई है और यह सवाल उठ खडा हुआ है कि जब अभिजात्य कहे जाने वाले समाज में ही नारी की आबरू सुरक्षित नही है तो फिर नारी आखिर कहा सुरक्षित होगी। हालाकि सच इससे कई गुना ज्यादा धिनौना और डरावना है।

आज शायद ही ऐसा कोई घर हो या बस्ती जहां नारी स्वयं को पूरी तरह से सुरक्षित महसूस कर सके। नारी के बिना समाज की कल्पना नही की जा सकती। जब नारी को सम्मान देने की बारी आती है तो लोगो का पुरूषोत्व जाग उठता है और नारी फिर भोग्या समझ ली जाती है। जिसकारण नारी का सम्मान और उसका अस्तित्व खतरे में है। नारी को या तो कन्या भ्रूण हत्या के रूप में जन्म लेने से पहले ही समाप्त किया जा रहा है या फिर उसे दहेज की बलिवेदी पर जिंदा जला दिया जाता है। हद तो यह है कि नारी को जन्म लेने से पहले ही मार डालने और अगर जिंदा बच जाए तो विवाह होने पर दहेज के लिए प्रताडित करने में अधिकतर नारियों की भूमिका रहती है। हालांकि कहीं कहीं पुरूष भी पति देवर जेठ व ससुर के रूप में नारी को प्रताड़ित करने से बाज नहीं आते। यही कारण है कि देश में कन्या भ्रूण हत्याओं के आंकडे दिल दहलाने वाले हैं। सन 2001 से 2012 तक प्रतिदिन करीब दो हजार तक कन्या भ्रण हत्याएं हुई है। जबकि हकीकत इससे भी कहीं ज्यादा भयावह हो सकती है, क्योंकि निजी अस्पतालों और घरों में की जा रही कन्या भ्रूण हत्याएं इससे कहीं ज्यादा है। इसी कारण पुरूषों की तुलना में नारी की संख्या लगातार घट रही है। सन 1901 में 1000 पुरूषों के सापेक्ष महिलाओं की संख्या 972 थी, जबकि वर्ष 1991 में घटकर 927 तक पहुंच गई। हालांकि 2001 में यह संख्या प्रति 1000 पुरूष के सापेक्ष थड़ी बढ़ोत्तरी के बाद 933 हो गई है। लेकिन मौजूदा समय में भी यह आंकडा पुरूषों की संख्या में काफी नीचे है। जिससे समाज में स्त्री पुरूष की संख्या का संतुलन बिगड गया है। संतुलन बनाए रखने के लिए महिला पुरूष दोनों को लगभग बराबरी पर आना होगा। गांव की अपेक्षा शहरों में महिलाओं पर संकट

कुछ ज्यादा हावी है, तभी तो गांव में प्रति 1000 पुरूष की सापेक्ष महिलाओं की संख्या 939 है, जबकि शहर में प्रति 1000 पुरूषों के सापेक्ष महिला संख्या घटकर 894 पर पहुंच गई है, जो नारी को दुनिया में न आने देने की नाजायज कोशिशों का प्रमाण है। महिला पर अत्याचार के मामले भी लगातार बढ रहे है। पिछले एक साल के भीतर नारी अत्याचारों में 10 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। एक साल के दौरान देशभर में महिला उत्पीड़न की 81 हजार 344 घटनाएं प्रकाश में आई है। महिला उत्पीडन की सबसे ज्यादा घटनाएं 22 प्रतिशत से ज्यादा त्रिपुरा में हुई, वहीं पश्चिमी बंगाल में भी महिला शोषण के 16 हजार 112 मामले सामने आए हैं, जिससे इन राज्यों की हकीकत का पता चलता है। उत्तर प्रदेश में भी महिला उत्पीडन की घटनाएं बडे राज्यो में सबसे ज्यादा है। सन 2008 की अपेक्षा 2009 में महिला उत्पीड़न की वारदातों में 4 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोत्तरी हुई, वहीं 2009 से 2012 में 10 प्रतिशत से ज्यादा का ग्राफ बढ़ना गंभीर चिंता का विषय है। आज तो हालात और भी खराब है। आए दिन महिला शोषण,महिला हिंसा और महिलाओं के साथ भेदभाव की धटनाओं में बढ़ोतरी से नारी जाति पर संकट के बादल मडंरा रहे है।

देश में दस प्रतिशत आबादी किडनी की बीमारी का शिकार

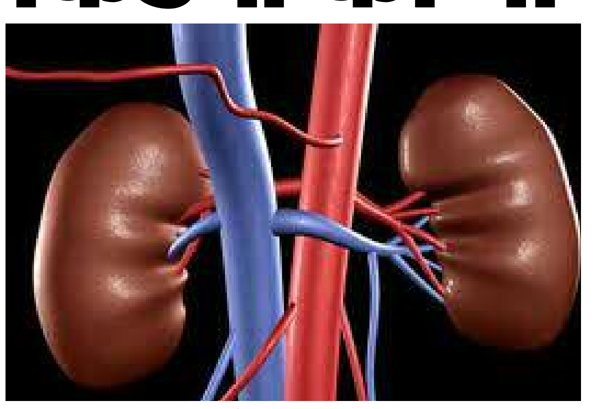

राजेन्द्र कुमार राय

गुर्दे यानी किडनी हमारे शरीर के मास्टर कैमिस्ट और होमियोस्टेटिक अंग होते हैं जो कि शरीर के मध्य भाग में स्थित होते हैं और पूरे शरीर को नियंत्रित व संचालित करते हैं। अगर कहा जाए कि मानव शरीर में ह्रदय, यकृत और मस्तिष्क ही मुख्य कार्य करते हैं, तो यह भी सत्य है कि इनके संचालन व नियंत्रण की जिम्मेदारी गुर्दों पर ही होती है। किडनी आकृति में सेम के दाने के बरारबर होती है जो कि रीढ़ की हड्डी के दोनों तरफ कमर के मध्य में पसलियों के ठीक नीचे स्थित होती है। इनका आकार बंद मुट्ठी के जितना होता है और वजन तकरीबन 150 ग्राम से 180 ग्राम होता है। लेकिन उम्र और वजन के अनुसार इसमें भिन्नता आ सकती है। यह छोटी परंतु जटिल संरचनाओं वाला अंग 140 मील लंबी रक्त वाहिनी नलिकाओं द्वारा लगभग 20 लाख छन्नियों (10 लाख प्रति गुर्दा) की सहायता से निरंतर रक्त छानने या फिल्टर करने का कार्य करती है। रक्त साफ करने की प्रक्रिया से शरीर में पानी की मात्रा संतुलित करना, रक्तचाप, मधुमेह को नियंत्रित करना, शरीर में से अवशिष्ट व विषैले पदार्थों को मूत्र द्वारा बाहर करना तथा आवश्यक पदार्थ विटामिंस, मिनरल्स, कैल्शियम, पोटैशियम, सोडियम इत्यादि को वापस शरीर में भेज कर इलैक्ट्रोलाइट्स को संतुलित करना इसका कार्य है। इसके अलावा गुर्दो के द्वारा एक प्रकार के हारमोंस का निर्माण किया जाता हैं जो कि लाल रक्त कोशिकाओं को मजबूत बनाते हैं।

दिल्ली स्थित अपोलो हास्पिटल के वरिष्ठ नेफ्रोलोजिस्ट डा.डी.के. अग्रवाल का कहना है कि प्रत्येक किडनी ह्रदय से प्रारंभ होने वाली मुख्य रक्त वाहिनी आर्टा से आने वाली धमनियों के जरिए प्रचुर मात्रा में रक्त की सप्लाई करती है। गुर्दे आकार में भले ही छोटे होते है मगर वे हर एक मिनट में ह्रदय से पंप किये गये रक्त का 20 से 25 प्रतिशत हिस्सा प्राप्त करते हैं। गुर्दे हमारे शरीर के उस तालमेल को समायोजित करते हैं जिससे शरीर की कोशिकाएं आसानी से काम कर पाती हैं। गुर्दे शरीर के आंतरिक वातावरण के साथ-साथ शरीर की बाहरी संरचना को भी सुचारू रखते हैं। गुर्दे एक दिन में लगभग 180 लीटर खून की सफाई करते हैं और उसमें से 1.5 से 2 लीटर विषैले पदार्थ जैसे यूरिया, क्रिएटिनाइट व हानिकारक अम्ल को मूत्र के द्वारा शरीर से बाहर निकालते हैं। इसके अलावा हमारे जीवन के लिए अति आवश्यक इलैक्ट्रोलाइट्स का विनिमय, रक्त के आयतन का विनिमय, रक्तचाप नियंत्रण, हारमोंस का उत्सर्जन, रक्त में पीएच का नियंत्रण व ग्लूकोज का स्तर सामान्य रखने में मदद करते हैं। शरीर से उत्सर्जन योग्य पदार्थों तथा अम्लों और अतिरिक्त द्रव्यों को बाहर करने के साथ-साथ नियंत्रणकारी तथा इंडोक्राइन वर्क्स भी करते हैं।

लेकिन अब रक्त समूह मैच न होने पर भी होगा किडनी प्रत्यारोपण

रोग के मुख्य तीन भाग- एक्यूट रीनल फेल्योर : इसके मुख्य कारण हैं हैजा (पानी की कमी), संक्रमण, सैप्टिक आदि। रक्तचाप का अचानक से बढ़ जाना और हैमरेज या दुर्घटना आदि। इसमें समय से इलाज हो जाने से मरीज पहले की तरह स्वस्थ हो जाता है। यह सब मरीज की सामान्य अवस्था पर निर्भर करता है।

क्रोनिक रीनल फेल्योर : बचपन या जन्म से गुर्दे में संक्रमण, रक्तचाप, मधुमेह, किडनी या यूरेटर में स्टोन, यूरेनरी ट्रैक इंफैक्शन, कार्यक्षमता का कम होना, लंबे समय से किसी घातक बीमारी के इलाज में कई दवाओं का लगातार लेते रहने से भी सी आर एफ के लक्षण मिलते हैं।

गुर्दे से प्रोटीन ज्यादा मात्रा में निकलना

प्रोटोन्यूरिया : इसमें पेशाब में निरंतर प्रोटीन निकलता रहता है। इस वजह से कमजोरी, खून की कमी व हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और गुर्दे खराब होने लगते हैं। एक्यूट रीनल फेल्योर में मरीज की सामान्य स्थिति और सही इलाज से काफी हद तक सामान्य की जा सकती है। डा. डी. के. अग्रवाल का कहना है कि अतःमरीज का गुर्दा फेल होने से बचाया जा सकता है। परंतु क्रोनिक रीनल फेल्योर की स्थिति में निम्नलिखित लक्षण पैदा हो जाते हैं जैसे शरीर में सूजन, पेशाब में खून की कमी, कमजोरी, हड्डियां कमजोर होना, सांस फूलना, रक्तचाप, मधुमेह, पेशाब में खून व पस सैल्स आना, यूटीआई, यूरेनरी ट्रैक ऑबस्ट्रक्शन इत्यादि। ऐसे में जीवन पर्यत डायलिसिस या फिर गुर्दा प्रत्यारोपण का ही सहारा लेना पड़ता है। डायलिसिस भी तीन प्रकार के होते हैं।

डायलिसिस की प्रक्रियाएं

1. होमोडायलिसिसः- इस प्रक्रिया में आर्टिफिश्यिल किडनी मशीन द्वारा खून की सफाई की जाती है। इसके लिए सबसे पहले मरीज के हाथ में एक छोटा सा आपरेशन करके आर्टरी और वीन्स को आपस में जोड़कर आर्टरी वीन्स फिस्ट्यूला बनाया जाता है। इस प्रकार से डायलिसिस करना काफी आसान हो जाता है। यह डायलिसिस सप्ताह में कम से कम 2 से 3 बार किया जाता है। इसके लिए मरीज को डायलिसिस केंद्र जाना पड़ता है।

2. सी.ए.पी.डी.(कांटिन्यूअस एंबुलेटरी पैराटोनियल डाइलिसिस) :- इस प्रक्रिया में एक छोटी सी ट्यूब कैथेटर पेट के पैरीटोनियल झिल्ली में लगाई जाती है और द्रव्य द्वारा स्वतःहर 6 से 8 घंटे पर डायलिसिस करना पड़ता है। इसमें मरीज को स्वयं यह प्रक्रिया करनी पड़ती है।

3. ऑटोमेटिड पैराटोनियल डायलिसिस ए.पी.डी. :- यह भी मुख्यतः सी.ए.पी.डी. की तरह ही होता है बस फर्क यह है कि यह पूरी प्रक्रिया मशीन के द्वारा होती है। मरीज अपने घर पर इस छोटी मशीन के द्वारा डायलिसिस कर सकता है। यह प्रक्रिया ज्यादातर रात में सोते समय ही की जाती है।

क्या है इम्यूनोऐडसोर्प्शन प्रक्रिया?

दरअसल इस प्रक्रिया के तहत मरीज के भर्ती करने के बाद सबसे पहले उसके शरीर में मौजूद सभी एंटीबाडीज को निकालने के लिए दवाइयां दी जाती हैं और इसका भी ध्यान रखा जाता है कि मरीज के शरीर में नई एंटीबाडीज का जन्म न हो। जैसे ही एंटीबाडीज का स्तर कम हो जाता है और वह सर्जरी करने के स्तर तक आ जाता है तो तुरंत दानकर्ता की किडनी से उसे प्रत्यारोपण कर दिया जाता है। एंटीबाडीज वे प्रोटीन तत्व होते हैं जिन्हें इम्युनोग्लोबुलिन के नाम से भी जाना जाता है। डा. डी. के. अग्रवाल का कहना है कि आमतौर पर शरीर के प्रतिरोधक प्रणाली के द्वारा इनका निर्माण किया जाता है जो कि बाहरी तत्वों से शरीर का बचाव करने में सक्षम होते हैं। ऐसे में, वे बाहरी तत्वों के साथ रिएक्ट करते हैं। ऐसे में ये एंटीबाडीज प्रत्यारोपित की जाने वाली किडनी को रिएक्ट कर सकते हैं। तो प्रत्यारोपण करते समय सबसे पहले इन एंटीबाडीज के स्तर पर कड़ी निगरानी रखी जाती है। सर्जरी के बाद मरीज पर चार सप्ताह तक मरीज का पूरा ध्यान रखा जाता है कि कहीं किडनी रिजेक्ट न हो जाए। हालांकि ऐसा कम ही होता है। इस नए आविष्कार से उन मरीजों को नया जीवन मिल सकता है जिन्हें रक्तसमूह मैच न होने के कारण किडनी प्रत्यारोपण कराने में दिक्कत आती थी। वैसे अगर इस प्रक्रिया के कुल खर्च की बात करें तो इसमें खर्चा दूसरे किडनी प्रत्यारोपण की अपेक्षा अधिक होता है। चूंकि इसमें प्लाज्मा एक्सचेंज किया जाता है, तो जितना अधिक प्लाज्मा एक्सचेंज किया जाता है उतनी ही प्रक्रिया महंगी होती जाती है। इसमें संक्रमण होने के आसार भी अधिक होते हैं। किंतु वे मरीज जो कि किडनी दानकर्ता की तलाश में हैं और रक्त न मैच होने के कारण निराश हैं, उनके लिए यह बहुत ही अच्छा विकल्प है क्यों कि इसकी सफलता दर भी बेहतर मानी जा रही है। इस विषय पर और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए डा. डी. के. अग्रवाल से फोन नं.0-9811200113 पर संपर्क किया जा सकता है। ●●●

सारनाथ में बौद्ध इतिहास का खजाना

यदि भारत के सबसे महत्वपूर्ण दर्शनीय स्थलों की सूची बनाई जाए तो सारनाथ का नाम पहली पंक्ति में आएगा। सारनाथ सिर्फ दर्शनीय स्थल ही नहीं है यह अपनी धार्मिक परम्परा एवं ऐतिहासिक अवशेषों की वजह से देश-विदेश से आए सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां सिर्फ पर्यटक ही नहीं अपितु इतिहासकार व कलाप्रेमी भी काफी संख्या में आते हैं। वैसे तो सारनाथ में देखने योग्य बहुत कुछ है लेकिन आइए आपको पहले लिए चलते हैं ध्वंसावशेष दिखाने। यहां पर अब तक हुई खुदाई में सात बिहार, दो महास्तूप, दो मंदिर और अशोक स्तंभ आदि मिले हैं। सारनाथ को जो सड़क जाती है उसके बाएं किनारे पर बना हुआ चौखंडी स्तूप इस स्थल की विशेषता को भी दर्शाता है। सारनाथ के दक्षिण-पश्चिम में काफी ऊंचा ईंटों का थूहा है। युवान चुआई ने लिखा भी है कि सारनाथ से दक्षिण-पश्चिम में जंगलों के बीच मौजूद 91.44 मीटर ऊंचा एक स्तूप था जिसकी पहचान चौखंडी स्तूप से ही ठीक प्रकार मिलती है। इस समय तो चौखंडी स्तूप के ऊपर मुगल काल की एक अठपहलू बनी हुई है। इसे राजा गोवर्धन ने अकबर के आदेश पर सन् 1588 में बनवाया था। यहां से जब आप थोड़ी दूर उत्तर दिशा की ओर चलेंगे तो आपको धर्मराजिका स्तूप मिलेगा। इस स्तूप को सम्राट अशोक ने बनवाया था। इस समय तो केवल इस स्तूप की बुनियाद भर बची है। आइए अब चलते हैं मुख्य मंदिर में। धर्मराजिका स्तूप से उत्तर की ओर स्थित जो भव्य इमारत आपको दिखेगी वही मुख्य मंदिर है। इसकी कुर्सी 18.29 मीटर चौकोर है और इसका मुंह पूर्व दिशा की ओर स्थित है। यहां महात्मा बुद्ध से संबंधित मूलगंधकुटी है जोकि कभी 61 मीटर ऊंची थी। इसका आभास बचीखुची दीवारों के चौड़े आसारों से लगाया जा सकता है। यह मंदिर ईंट और चूने का बना हुआ है इसमें कहीं-कहीं पर पुराने भग्नप्राय मंदिरों से उकेरे हुए पत्थर भी लगा दिए गए हैं। बीच के गर्भगृह में आप आएंगे तो देखेंगे कि यहां पर कुछ और दीवारें बनाई गई हैं जो ऊंची छत को रोक सकें।

रिफ्लेक्स थेरैपी करे कई मर्जों पर प्रहार

रिफ्लैक्स थैरेपी से शरीर को आराम मिलता है, रक्तसंचार तेज होता है। दर्द में कमी आती है व थके हुए पैरों को आराम मिलता है। हालांकि इससे शरीर की सभी बीमारियां ठीक नहीं हाती हैं। लेकिन लोग अन्य बड़ी बीमारियों जैसे कैंसर आदि के होने वाले दुष्प्रभावों से लड़ने के लिए इससे शरीर के संचार में नयी ताजगी पैदा करते हैं। यह पध्दति यूरोप व एशिया में बहुत लोकप्रिय होती जा रही है। जूतों और चप्पलों के अधिक प्रयोग और पैदल न चलने की आदत के कारण अनेक रोग पैदा होते हैं। कारण, धरती की ऊर्जा हमारे शरीर को नहीं मिलती और तलवों पर स्थित बिंदू, जो हमारे संपूर्ण शरीर के अंगों के प्रतिबिंबों की तरह होते हैं की मालिश न होने के कारण सभी अंग पूरी सक्रियता से काम नहीं करते हैं। इस स्थिति में रोगों का जन्म होता है। तलवों की संपूर्ण मसाज पूरे शरीर को आरामदायक एहसास दिलाती है और जब तलवों पर किसी बिंदु या अनेक बिंदुओं पर रोगों के उपचार के लिए एक अनुशासित विशिष्ट ढंग से मालिश की जाती है, तो उसे रिफ्लेक्स थैरेपी कहते हैं।

रिफ्लैक्स थैरेपी एक ऐसी वैकल्पिक चिकित्सा है जिसमें पैरों हाथों और कानों पर अंगूठे व उंगलियों से मसाज की जाती है। लेकिन इस मसाज को करते समय किसी प्रकार के तेल या लोशन का इस्तेमाल किया जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार शरीर के इन अंगों पर कुछ ऐसे जोन होते हैं जो कि बहुत सारी कार्य प्रणालियों को संचालित करते हैं। इस प्रकार इन पर यदि सही ढ़ंग से दबाव बनाया जाए तो शरीर की सेहत को सुधारा जा सकता है। दरअसल शरीर को बराबर के दस रिफ्लेक्स जोन में बांटा गया है, जिसमें पांच दायीं तरफ होते हैं और बाकी पांच बायीं तरफ। दायें पैर की एड़ी से शरीर के दायें भाग के लिए रिफ्लेक्सोलोजी की जाती है और बायें पैर की एड़ी से शरीर के बायें भाग की। रिफ्लैक्स थैरेपी से निम्लिखित अवस्थाओं में आराम मिलता हैः-

तनाव, सिरदर्द, आर्थराइटिस (नींद न आना), हार्मोनल असंतुलन, पाचन संबंधी समस्याएं, खेल के दौरान लगने वाली चोटें, मासिक धर्म संबंधी समस्या से, कमर दर्द।

कैसे काम करती हैः- रिफ्लेक्स थेरैपी किसी भी प्रकार के ऊर्जा अंसतुलन को ठीक करती है और संबंधित अंगों में रक्त संचार को सुचारू बनाती है। इससे बीमार अंग ठीक से काम करने लगते हैं। शरीर में मौजूद हानिकारक या विजातीय तत्व अनेक रोगों को पैदा करते हैं। रिफ्लेक्स थेरैपी के प्रयोग से शरीर से विजातीय द्रव्यों को निकालने में मदद मिलती है। शरीर के सभी अंगों और अंतस्रावी तंत्र का आपस में संबंध होता है। इस लिए यदि एक अंग बीमार है तो दूसरे अंग भी ठीक से कार्य नहीं करते हैं। इस लिए

संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए तलवों पर एक से अधिक बिंदुओं पर दबाव देना आवश्यक होता है।

कैसे करें चिकित्सा- सबसे पहले योग्य चिकित्सक की मदद से यह निर्धारित किया जाना आवश्यक है कि किन-किन बिंदुओं पर उपचार दिया जाए?

एशिया कप हॉकी : सेमीफाइनल में हारा भारत, खिताब जीतने का सपना हुआ चकनाचूर

मस्कट। भारतीय महिला हॉकी टीम का एशिया कप में अपने खिताब का बचाव करने का सपना बुधवार को यहां दक्षिण कोरिया से 2-3 की हार के साथ ही चकनाचूर हो गया। भारत ने अच्छी शुरुआत की तथा 28वें मिनट में वंदना कटारिया के गोल से बढ़त बनायी लेकिन कोरिया ने इसके बाद शानदार वापसी की। उसकी तरफ से कप्तान एनुबी चेओन (31वें), सेउंग जू ली (45वें) और हाइजिन चो (47वें मिनट) ने गोल किये।

भारत अब गुरुवार को तीसरे और चौथे स्थान के प्लेऑफ मैच में जापान और चीन के बीच दूसरे सेमीफाइनल में हारने वाली टीम से भिड़ेगा। पहले दो क्वार्टर अगर भारत के नाम रहे तो कोरिया ने मध्यांतर के बाद अपना दबदबा दिखाया। भारत ने पहले क्वार्टर की शुरुआत में पेनल्टी कार्नर हासिल किया लेकिन गुरजीत के फ्लिक को कोरियाई गोलकीपर ने बचा दिया।

इसके कुछ मिनट बाद शर्मिला देवी का रिवर्स हिट गोल के ऊपर से बाहर चला गया। लालरेम्सियामी ने भारत को जल्द ही बढ़त दिला दी लेकिन सर्किल के अंदर फाउल होने के कारण गोल को अमान्य करार दिया गया। पहला क्वार्टर समाप्त होने से कुछ देर पहले वंदना का करीब से जमाया गया रिवर्स हिट कोरियाई गोलकीपर ने रोक दिया।

भारत दो बार गोल करने के करीब पहुंचा और वह दोनों टीम में बेहतर नजर आ रहा था लेकिन मौकों को नहीं भुना पाया। कोरिया जवाबी हमलों में खतरनाक नजर आ रहा था लेकिन भारतीय रक्षकों ने भी पूरी मुस्तैदी दिखायी। दूसरे क्वार्टर में कोरिया ने पेनल्टी कार्नर हासिल किया लेकिन भारतीय कप्तान गोलकीपर सविता ने दो बार अच्छा बचाव किया।

भारत ने मध्यांतर से दो मिनट पहले लगातार दो पेनल्टी कार्नर हासिल किये और वंदना ने दूसरे अवसर पर रिबाउंड पर गोल करके टीम को बढ़त दिला दी। कोरिया की टीम मध्यांतर के बाद पूरी तरह से बदली हुई नजर आयी। चेओन ने 31वें मिनट में पेनल्टी कार्नर पर बराबरी का गोल किया। भारत का पेनल्टी कार्नर पर प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और गुरजीत फिर चूक गयी। तीसरे क्वार्टर से ठीक पहले कोरिया ने ली के गोल से बढ़त बनाकर भारतीयों को हतप्रभ कर दिया।

कोरिया ने चौथे और अंतिम क्वार्टर के दूसरे मिनट में ही स्कोर 3-1 कर दिया जब चो ने हेजियोंग शिन के पास पर सविता को छकाते हुए गोल दागा। लालरेम्सियामी ने अंतिम हूटर बजने से छह मिनट पहले वंदना के ऊंचे पास पर गोल किया लेकिन इससे हार का अंतर ही कम हो पाया।

बेंगलुरू ने जीती चेन्नइयन के खिलाफ श्रेष्ठता की जंग

गोवा। साउथ इंडियन डर्बी में बेंगलुरू एफसी ने फिर से चेन्नइयन एफसी के खिलाफ श्रेष्ठता की जंग जीत ली है। उदांता सिंह के दो गोल के दम पर बेंगलुरू एफसी ने हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2021-22 में अपनी दूसरी भिड़ंत में चेन्नइयन एफसी को 3-0 से हरा दिया। बुधवार रात को बैम्बोलिन स्थित जीएमसी एथलेटिक स्टेडियम में खेले गए सदर्न डर्बी मुकाबले में दो गोल करने और बेंगलुर के हमलों को धार देने के लिए उदांता को हीरो ऑफ द मैच अवार्ड से नवाजा गया। बेंगलुरू के युवा गोलकीपर लारा शर्मा कुछ शानदार बचाव करके क्लीन शीट अपने नाम रखने में सफल रहे।

चौथी जीत से बेंगलुरू आठवें से छलांग लगाकर छठे स्थान पर पहुंच गई है। कोच मार्को पेज्जौउली की टीम के 13 मैचों में 17 अंक हो गए हैं। उसने चार मैच जीते हैं और पांच ड्रा खेले हैं। वहीं, आज पांचवीं हार के बाद चेन्नइयन चौथे से लुढ़कर पांचवें स्थान पर आ गई है। कोच बोजिदार बांदोविक की टीम 13 मैचों पांच जीत और तीन ड्रा से 18 अंक जुटा चुकी है। मैच का पहला गोल 12वें मिनट में आया, जब पेनल्टी किक के रूप में मिले सुनहरे अवसर को ईरानी डिफेंसिव मिडफील्डर ईमान बसाफा ने गोल में तब्दील करके बेंगलुरू एफसी को 1-0 से आगे कर दिया। बेंगलुरू के यह सुनहरा मौका एक कॉर्नर किक के दौरान उस समय मिला, जब बॉक्स के अंदर कप्तान सुनील छेत्री गेंद जीतते नजर आ रहे थे और उन्हें पीछे से गिराकर चेन्नइयन के मिडफील्डर एडविन वांसपॉल ने फाउल कर दिया।

रैफरी प्रतीक मंडल ने पेनल्टी किक देने में कोई देरी नहीं की और बसाफा ने करारा राइट फुटर शॉट लगाकर गेंद को बायीं तरफ गोलजाल में उलझा दिया जबकि गोलकीपर देबजीत मजूमदार गलत अनुमान करके विपरीत दिशा में डाइव लगा बैठे। 42वें मिनट में फॉरवर्ड उदांता सिंह ने गोल करके बेंगलुरू की बढ़त 2-0 कर दी। अपने हाफ में चेन्नइयन के मिडफील्डर एडविन वांसपॉल के गलत पास को लेकर उदांता हाफलाइन से तेजी आगे दौड़े और बॉक्स के अंदर सुनील छेत्री को पास दिया लेकिन कप्तान ने अपने आगे चेन्नइयन के चार डिफेंडरों और फिर गोलकीपर देबजीत को छकाकर अपने बायीं तरफ गेंद हल्के से बढ़ाकर उदांता को खुला पोस्ट दे दिया।

इस पास से चेन्नइयन की डिफेंस नेस्तनाबूद हो गई और फिर बना हलुआ मौका, जिसको उदांता ने राइट फुटर शॉट लगाकर गोल में तब्दील कर दिया। 52वें मिनट में उदांता ने मैच में अपना दूसरा गोल करके बेंगलुरू की बढ़त को 3-0 कर दिया। उन्होंने बॉक्स के अंदर अपने साथ लगे डिफेंडर मोहम्मद साजिद धोत की गलती का फायदा उठाया।

अंडर 19 विश्व कप : सेमीफाइनल में पहुंची इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और ज़िम्बाब्वे की एकतरफा जीत

नार्थ साउंड (एंटीगा)। आईसीसी अंडर 19 वर्ल्ड कप के पहले क्वार्टरफाइनल में इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 6 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। इसके अलावा प्लेट लीग के तीसरे क्वार्टरफाइनल में ज़िम्बाब्वे ने स्कॉटलैंड को 108 रन और चौथे क्वार्टरफाइनल में मेजबान वेस्टइंडीज ने पापुआ न्यू गिनी को 169 रनों से हराया।

सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम, एंटिगा में खेले गए सुपर लीग के पहले क्वार्टरफाइनल में टॉस जीतकर पहले खेलते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम 43.4 ओवर में 209 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। डेवाल्ड ब्रेविस ने 97 रनों की बेहतरीन पारी खेली, वहीं रेहान अहमद ने सबसे ज्यादा चार

विकेट लिए। लक्ष्य के जवाब में इंग्लैंड ने 'मैन ऑफ द मैच' जैकब बेथेल (42 गेंद 88) की धुआंधार पारी और विलियम लक्सटन ने नाबाद 47 रनों की पारी की मदद से 31.2 ओवर में ही चार विकेट खोकर जीत हासिल कर ली।

पोर्ट ऑफ़ स्पेन में खेले गए मुकाबले में ज़िम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले खेलते हुए 49.5 ओवर में 248 रन बनाये। 'मैन ऑफ द मैच' मैथ्यू वेल्श ने 78 और ब्रायन बेनेट ने 54 रनों की पारी खेली। स्कॉटलैंड के जैक जार्विस ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। जवाब में स्कॉटलैंड की टीम 39 ओवर में सिर्फ 140 रन बनाकर ढेर हो गई। डेविड बेनेट और कोनोर मिचेल ने सबसे ज्यादा तीन-तीन विकेट लिए।

रोवमन पॉवेल के तूफानी शतक की मदद से वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को हराया

ब्रिजटाउन। वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच ब्रिजटाउन में खेले गए पांच टी20 मैचों की सीरीज के तीसरे मैच में कैरेबियाई टीम ने जीत हासिल करते हुए मेहमान टीम को 20 रन के अंतर से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने 5 विकेट पर 224 का स्कोर बनाया। जवाब में इंग्लैंड ने 9 विकेट पर 204 रन बनाए। रोवमन पॉवेल को शानदार शतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ़ द मैच चुना गया। सीरीज के शुरूआती तीन मैचों में वेस्टइंडीज ने दूसरी जीत हासिल करते हुए 2-1 की बढ़त बना ली है।

इससे पहले टॉस जीतकर इंग्लैंड ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। उनका यह फैसला सही साबित हुआ और मेजबान टीम ने ब्रैंडन किंग (10) के रूप में 11 रन के स्कोर पर अपना विकेट गंवा दिया। दूसरे विकेट के लिए कैरेबियाई बल्लेबाजों ने 37 रन जोड़े लेकिन 48 के स्कोर पर लिविंगस्टोन ने शाई होप को 4 रन के निजी स्कोर पर आउट किया। नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने आये रोवमन पॉवेल ने निकोलस पूरन (43 गेंदों में 70 रन) के साथ मिलकर जबरदस्त बल्लेबाजी की और दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 122 रन जोड़े। पॉवेल ने 53 गेंदों में 107 रन की तूफानी पारी खेली। निचले क्रम में रोमारियो शेफर्ड ने 5 गेंदों में 11 रन बनाए और इस तरह वेस्टइंडीज ने निर्धारित ओवर में 224/5 का स्कोर बनाया। इंग्लैंड के लिए आदिल राशिद सबसे किफायती साबित हुए और 25 रन देकर एक सफलता हासिल की।

दीपक हुड्डा और रवि बिश्नोई को मिली पहली बार टीम इंडिया में जगह

मुंबई। भारतीय टीम में सफ़ेद गेंद के कप्तान रोहित शर्मा फिर से फिट हैं और छह फरवरी से वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ घरेलू सीरीज़ में वह भारत का नेतृत्व करेंगे। वेस्टइंडीज़ के इस भारतीय दौरे पर तीन वनडे और तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले जाएंगे, जहां पर कुलदीप यादव ने भी वापसी की है। बायें हाथ के कलाई के स्पिनर ने पिछले छह महीनों में किसी भी तरह का प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है, लेकिन भारत को मध्य ओवरों में विकेट लेने के विकल्पों की सख्त ज़रूरत है और उनके पास ऐसा ही कुछ करने का रिकॉर्ड है। बल्लेबाज़ी के मोर्चे पर राजस्थान के आक्रामक बल्लेबाज दीपक हुड्डा को भी अपना पहला वनडे कॉल अप मिला है।

अब ऐसा लगता है कि भारत एक ऐसी रणनीति पर वापस जा रहा है जिसने 2017 और 2019 के बीच उनके लिए अच्छा काम किया, जब उन्होंने कुलदीप के साथ चहल को खिलाया था और उस समय कलाईयों के गेंदबाज़ों को बल्लेबाज़ पढ़ नहीं पा रहे थे। हाल के परिणाम देखें तो टी20 विश्व कप में ख़राब प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं को अधिक एक्स-फैक्टर खिलाड़ियों की तलाश करने के लिए मज़बूर किया है, जहां 21 वर्षीय रवि बिश्नोई पर सभी का ध्यान जा सकता है। आईपीएल की नई टीम लखनऊ सुपर जायंट्स है और बिश्नोई को अच्छी रकम देकर टीम में शामिल किया गया है। बिश्नोई ने आईपीएल के 23 मैचों में 25.25 की औसत और 6.96 की इकॉनमी रेट के साथ 24 विकेट लिए हैं। सीनियर तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी को आराम दिया गया है। भुवनेश्वर कुमार को केवल टी20 सेट अप में जगह मिली है। वॉशिंगटन सुंदर, कोविड -19 से उबरने के बाद ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की जगह पहली पसंद बने हैं। वहीं आवेश खान वनडे और टी20 दोनों टीम में जगह बनाने में सफल रहे हैं। ये सभी खिलाड़ी अब एक बार फिर रोहित के साथ हैं। रोहित को दिसंबर में भारतीय टीम के दक्षिण अफ़्रीका जाने से कुछ दिन पहले हैमस्ट्रिंग की चोट लगी थी। यह 34 वर्षीय बल्लेबाज़ के लिए अचानक लगी चोट थी, जिन्हें कुछ समय पहले ही सफ़ेद गेंद क्रिकेट का पूर्णकालिक कप्तान बनाया गया था और वह टेस्ट कप्तानी की दौड़ में भी सबसे आगे हैं।

जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी को इस सीरीज़ में आराम दिया गया है। वहीं उपकप्तान लोकेश राहुल दूसरे वनडे से टीम में जुड़ेंगे। रवींद्र जडेजा अपने घुटने की चोट से उबर रहे हैं, इसी वजह से वह वनडे और टी20 टीम का हिस्सा नहीं हैं। वहीं अक्षर पटेल टी20 टीम के लिए तैयार रहेंगे।

टी20 टीम = रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप कप्तान), इशान किशन, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वेंकटेश अय्यर, दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर, रवि बिश्नोई, अक्षर पटेल, युज़वेंद्र चहल, वॉशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, भुवनेश्वर कुमार, आवेश ख़ान, हर्षल पटेल।

वनडे टीम = रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर, युज़वेंद्र चहल, कुलदीप यादव, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आवेश ख़ान।

हॉकी इंडिया ने हॉकी पंजाब को किया निलंबित, तीन सदस्यीय एडहॉक समिति का गठन

जालंधर। भारत में हाकी का संचालन करने वाली संस्था हाकी इंडिया ने पंजाब हाकी के चुनावों में हुई धांधली का कड़ा संज्ञान लेते हुए पंजाब हाकी को निलंबित कर दिया है।

हॉकी पंजाब और पंजाब खेल विभाग में पैर पसार चुके 'खेल माफिया' के खिलाफ बतौर स्पोर्ट्स व्हिसलब्लोअर के रूप में लामबंद हुए इकबाल सिंह संधू ने गुरूवार को इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि हॉकी पंजाब के पदाधिकारियों के चुनाव में हॉकी पंजाब द्वारा की गई अनियमितताओं का हॉकी इंडिया ने कड़ा संज्ञान लिया लेते हुए हॉकी पंजाब को निलंबित कर दिया है।

सुरजीत हॉकी सोसाइटी के पिछले 38 वर्ष तक महासचिव रहे इकबाल सिंह संधू ने कहा कि हॉकी इंडिया ने पंजाब के खिलाड़ियों के हितों को ध्यान में रखते हुए दिन-प्रतिदिन के काम के लिए तीन सदस्यीय एडहॉक समिति का गठन किया है जिसमें भोला नाथ सिंह, ओलंपियन बलविंदर सिंह शम्मी और कमांडर आर.के. श्रीवास्तव को क्रमशः अध्यक्ष, सदस्य और संयोजक नियुक्त किया गया है।

उल्लेखनीय है कि हाकी ओलंपियन से राजनेता बने परगट सिंह ने निदेशक खेल पंजाब होते हुए पहली बार साल 2009 में अकाली दल के अध्यक्ष तथा उप मुख्य मंत्री सुखबीर सिंह बादल के साथ मिलकर 'हॉकी पंजाब' नामक एक नई हाकी संस्था की स्थापना करके बादल को अध्यक्ष और खुद (परगट सिंह) महासचिव बने थे। पंजाब हाकी का नियंत्रण अक्टूबर 2009 तक पंजाब पुलिस के पास रहा और डी.जी.पी. पंजाब इसके हमेशा अध्यक्ष हुआ करते थे। संधू ने कहा कि 2017 में अकाली सरकार के जाने के बाद ओलंपियन परगट सिंह ने कांग्रेस से हाथ मिलाकर पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल को अध्यक्ष पद से हटाकर स्थानीय व्यवसायी नितिन कोहली को अध्यक्ष नियुक्त किया था। इसके बाद यह दोनों बारी-बारी से आपस में पद बदलते रहे हैं। पूर्व पी.सी.एस. अधिकारी रहे संधू के मुताबिक, हॉकी इंडिया के इस ऐतिहासिक फैसले से पंजाब के सभी हॉकी खिलाड़ियों और उनके पैरेंट्स में खुशी की लहर दौड़ गई है और उन्हें उम्मीद है कि हॉकी इंडिया ने जैसे हॉकी पंजाब के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है वैसे ही जिला स्तरीय हॉकी एसोसिएशन पर भी कार्रवाई की जाए जिन्होंने कभी जिला हॉकी एसोसिएशन का चुनाव नहीं किया है।

रामकुमार को 2022 टाटा ओपन महाराष्ट्र में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश

पुणे। भारत के शीर्ष रैंकिंग के पुरुष टेनिस खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन को 31 जनवरी से 6 फरवरी तक पुणे के बालेवाड़ी स्टेडियम में होने वाले 2022 टाटा ओपन महाराष्ट्र के एकल मुख्य ड्रॉ में वाइल्डकार्ड के जरिए प्रवेश दिया गया है। आयोजकों ने गुरुवार को इसकी घोषणा की।

रामकुमार ने पिछले साल नवंबर में बहरीन के मनामा में अपने करियर का पहला एटीपी चैलेंजर खिताब जीता था और शीर्ष 200 खिलाड़ियों में दोबारा जगह बनाई थी।

रामकुमार ने 2017 में शीर्ष 10 में शामिल खिलाड़ी के खिलाफ अपने पहले मुकाबले में उलटफेर करते हुए विश्व के आठवें नंबर के खिलाड़ी डोमीनिक थीम को सीधे सेटों में हराया था।

महाराष्ट्र राज्य लॉन टेनिस संघ (एमएसएलटीए) द्वारा आयोजित और टाटा समूह द्वारा प्रायोजित दक्षिण एशिया के एकमात्र एटीपी 250 टूर्नामेंट में रामकुमार चौथी बार हिस्सा लेंगे।

टाटा ओपन महाराष्ट्र के टूर्नामेंट निदेशक प्रशांत सुतार ने कहा, भारतीय खिलाड़ियों को सीधे मुख्य ड्रॉ में खेलते हुए देखकर हमेशा अच्छा लगता है और हमें पहला वाइल्ड कार्ड रामकुमार को देने की खुशी है। हाल के समय में उन्होंने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है और टूर्नामेंट में वह एक लोकप्रिय चेहरा हैं। टूर्नामेंट के माध्यम से भारतीयों को बढ़ावा देना और उन्हें मंच प्रदान हमारी प्रतिबद्धता है।''

चेन्नई ने 27 वर्षीय रामकुमार हमवतन युकी भांबरी के साथ मुख्य ड्रॉ में शामिल हो गए हैं।

शुक्रवार को पुणे पहुंच रहे रामकुमार ने कहा, मैं इस बात से बेहद खुश हूं कि टूर्नामेंट के आयोजक वाइल्डकार्ड के साथ मुख्य ड्रॉ में मेरी मौजूदगी सुनिश्चित कर रहे हैं। मुकाबला काफी कठिन होने जा रहा है क्योंकि इस साल कई शीर्ष खिलाड़ी खेल रहे हैं। मेरे लिए यह आसान नहीं होगा लेकिन मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का पूरा प्रयास करुंगा।

पिछले साल टाटा ओपन महाराष्ट्र का

आयोजन नहीं हुआ था और रामकुमार ने कहा कि यह काफी चुनौतीपूर्ण था।

एक सप्ताह तक चलने वाली इस एलीट प्रतियोगिता में एकल के अलावा, रामकुमार अपने अनुभवी हमवतन रोहन बोपन्ना के साथ युगल मुख्य ड्रॉ में भी चुनौती पेश करेंगे।

बैडमिंटन: मालविका बंसोड़ ओडिशा ओपन के क्वार्टरफाइनल में

कटक। भारत की युवा बैडमिंटन खिलाड़ी मालविका बंसोड़ ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए गुरुवार को यहां हमवतन और जूनियर नंबर एक खिलाड़ी तस्नीम मीर को सीधे गेम में शिकस्त देकर ओडिशा ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। मालविका ने बीडब्ल्यूएफ सुपर 100 टूर्नामेंट के महिला एकल प्री क्वार्टर फाइनल में 16 वर्षीय तस्नीम को 21-13, 21-15 से हराया।

पिछले हफ्ते 20 वर्षीय मालविका सैयद मोदी इंटरनेशनल के फाइनल में पीवी सिंधु से हार गई थीं। इससे पहले महीने के शुरू में इंडिया ओपन में उन्होंने अपनी आदर्श साइना नेहवाल को हराया था।

अश्मिता अंतिम आठ में

दूसरी ओर पांचवीं वरीय अश्मिता चालिहा ने हमवतन अनुपमा उपाध्याय को 21-17, 21-16 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। अब उनका सामना रूचा सावंत से होगा जिन्होंने निक्की रापड़िया को हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया।

शुभंकर और जॉर्ज जीते

पुरुष एकल में तीसरे वरीय शुभंकर डे ने साथी भारतीय राहुल यादव चिटाबोइना को 33 मिनट में 21-16, 21-14 से पराजित किया। किरण जॉर्ज भी हमवतन चिराग सेन पर 21-12, 21-13 की आसान जीत से क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। मिश्रित युगल स्पर्धा में ध्रुव रावत और शिखा गौतम

की जोड़ी को सचिन डायस और थिलिन हेंडाहेवा की श्रीलंकाई जोड़ी से दूसरे दौर के मैच में 11-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा जबकि आयुष मखिजा और दीक्षा चौधरी ने चिराग अरोड़ा और निशा रापड़िया को 21-5, 21-16 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।